राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

समय दर्शन

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

वर्ष 13, अंक 177 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये दुर्ग, मंगलवार 16 अप्रैल 2024 www.samaydarshan.in

सार समाचार

इस्राइल-ईरान युद्ध की आहट से सहमा बाजार; सेंसेक्स 800 अंक टूटा, 7.5 लाख करोड़ का लगा चूना

नई दिल्ली। इस्राइल और ईरान के बीच तनातनी की स्थिति का शेयर बाजार को खासा नुकसान उठाना पड़ा है। पश्चिमी एशिया में तनावपूर्ण स्थिति के कारण भारतीय शेयर बाजार में सोमवार को बड़ी गिरावट दिखी। लगातार दूसरे दिन बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स और निफ्टी लाल निशान पर बंद हुए। हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सेंसेक्स 845.12 (1.13त्न) अंकों की गिरावट के साथ 73,399.78 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर, निफ्टी 246.91 (1.10त्न) अंक टूटकर 22,272.50 के स्तर पर बंद हुआ। सोमवार के कारोबारी सत्र के दौरान एनबीसीसी और विप्रो के शेयरों में पांच-पांच प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। 15 अप्रैल के कारोबारी सत्र के दौरान बाजार पर कमजोर वैश्विक संकेतों का नकारात्मक असर पड़ा। पश्चिम एशिया में लगातार बढ़ रहे गतिरोध के कारण ग्लोबल मार्केट में निवेशकों में सतर्बता बरती जिसका असर भारतीय बाजार पर भी पड़ा। सोमवार को बाजार की चौतरफा बिकवाली में बैंकिंग, आईटी और मीडिया सेक्टर के शेयर सबसे आगे रहे।

सलमान खान के घर पर फायरिंग का अतीत से जुड़ा कनेक्शन

मुंबई। हिंदी सिनेमा में दिग्गजों के झगड़े निपटाने में सबसे अहम रसूख रखने वाले अभिनेता सलमान खान को डराकर कनाडा से संचालित अंडरवर्ल्ड गिरोह क्या संदेश देना चाहता है? मुंबई पुलिस इस बात की तफ्तीश बहुत संजीदगी से कर रही है। सलमान खान के निकटवर्ती सूत्र बताते हैं कि इस बारे में सलमान खान से भी लंबी बातचीत पुलिस ने की है। पुलिस जानना चाहती है कि काले हिरण के मामले से गुस्साए बिश्नोई समाज का ही ये पूरा मामला है।

लोकसभा चुनाव के 75 साल के इतिहास में ये सबसे ज्यादा

चुनाव आयोग ने 44 दिन में 4658.13 करोड़ किए जब्त

नई दिल्ली (एजेंसी)। चुनाव आयोग ने लोकसभा चुनाव से पहले 1 मार्च से 13 अप्रैल तक चेकिंग के दौरान देश भर में 4658.13 करोड़ रुपए जब्त किए हैं। इनमें कैश, सोना-चांदी, शराब, ड्रग्स और कीमती सामान शामिल हैं। लोकसभा चुनाव के 75 साल के इतिहास में ये अब तक की सबसे बड़ी जब्ती है। आयोग ने 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान 3475 करोड़ रुपए सीज किए थे।

ईसी ने सोमवार को बताया कि चुनावों की आधिकारिक घोषणा से पहले जनवरी और फरवरी में कुल 7502 करोड़ रुपए जब्त किए गए थे। इस तरह, जनवरी से 13 अप्रैल तक कुल 12 हजार करोड़ रुपए से अधिक की जब्ती की गई है। आयोग के मुताबिक, 1 मार्च के बाद से जब्त किए गए सामान में 2068.85 करोड़ के ड्रग्स, 1142.49 करोड़ के मुफ्त में बांटे जाने वाले सामान, 562.10 करोड़ की कीमती धातुएं, 489.31 करोड़ की शराब और 395.39 करोड़ कैश शामिल है। कैश सहित सभी सामानों को मिलाकर हर दिन करीब 100 करोड़ रुपए सीज किए जा रहे हैं।

तमिलनाडु में सबसे ज्यादा कैश, कर्नाटक में सबसे ज्यादा शराब जब्त

तमिलनाडु में सबसे ज्यादा 53 करोड़ कैश, तेलंगाना में 49 करोड़, महाराष्ट्र में 40 करोड़, कर्नाटक और राजस्थान में 35-35 करोड़ रुपए से ज्यादा जब्त किए गए हैं। कर्नाटक में सबसे ज्यादा 124.3 करोड़ की शराब सीज की गई। इसके बाद पश्चिम बंगाल में 51.7 करोड़, राजस्थान में 40.7 करोड़, उत्तर प्रदेश में 35.3 करोड़ और बिहार में 31.5 करोड़ रुपए की शराब जब्त की गई।

कैश और अन्य सामान को लेकर क्या है नियम?

16 मार्च को लोकसभा चुनावों की घोषणा के बाद से देश भर में आदर्श आचार संहिता लागू है। आचार संहिता के दौरान कैश, शराब, ज्वेलरी और अन्य मुफ्त सामानों को साथ लाने और ले जाने को लेकर कई नियम होते हैं, ताकि चुनाव में इनके दुरुपयोग को रोका जा सके।

चुनाव आयोग के निर्देशों के अनुसार, एयरपोर्ट पर 10 लाख रुपए तक कैश और 1 किलो तक सोना ले जाने की छूट है। इससे ज्यादा कैश या सोना होने पर सीआईएसएफ या पुलिस के अधिकारी इनकम टैक्स को सूचना देते हैं। वैरिफिकेशन पूरा होने तक कैश या सोना जब्त किया जा सकता है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि यह किसी राजनीतिक दल या उम्मीदवार का नहीं है। इसी तरह किसी वाहन में 10 लाख रुपए से ज्यादा कैश मिलने पर जब्त किया जा सकता है। हालांकि, किसी पार्टी या उम्मीदवार से नहीं जुड़े होने और सही डॉक्यूमेंट्स दिखाने पर कैश जब्त नहीं होता।

किसी पार्टी के उम्मीदवार या कार्यकर्ता की गाड़ी में 50 हजार रुपए से ज्यादा कैश या 10 हजार रुपए से ज्यादा की शराब, ड्रग्स, हथियार या गिफ्ट आइटम मिलने पर जब्त किया जाता है।

भारतीय जनता पार्टी को इलेक्टोरल बॉन्ड के जरिए 2022-23 में कुल 1300 करोड़ रुपए की फंडिंग मिली है। जबकि इन्हीं बॉन्ड के जरिए कांग्रेस को महज 171 करोड़ रुपए का फंड मिला है। 2021-22 में बीजेपी की कुल इनकम 1,917 करोड़ थी। 2022-23 में यह बढ़कर 2,361 करोड़ हो गई है।

एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स ने बताया कि देश की 6 नेशनल पार्टियों ने वित्त वर्ष 2022-23 में अपनी कुल आय लगभग 3077 करोड़ रुपए घोषित की है। इसमें भाजपा का हिस्सा सबसे ज्यादा है। भाजपा के पास लगभग 2361 करोड़ रुपए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, भाजपा की आय छह राष्ट्रीय दलों की कुल आय का 76.73 प्रतिशत है।

लोकसभा चुनाव 2024 की ताजा खबरें, रैली, बयान, मुद्दे, इंटरव्यू और डीटेल एनालिसिस के लिए दैनिक भास्कर ऐप डाउनलोड करें। 543 सीटों की डीटेल, प्रत्याशी, वोटिंग और ताजा जानकारी एक क्लिक पर।

ड्रग्स जब्ती में गुजरात सहित ये 5 राज्य सबसे आगे

आयोग के आंकड़ों के मुताबिक कुल जब्ती में 45 फीसदी ड्रग्स और नशीले पदार्थ हैं। गुजरात से सबसे ज्यादा करीब 485.99 करोड़ रुपए के ड्रग्स बरामद किए गए हैं। इसके बाद तमिलनाडु में 293.02 करोड़, पंजाब में 280. 81 करोड़, महाराष्ट्र में 213.56 करोड़ और दिल्ली में 189. 94 करोड़ के ड्रग्स जब्त किए गए हैं।

इस साल जमकर बरसेंगे बादल

ला नीना प्रभाव के चलते सामान्य से बेहतर रहेगा मानसून

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में इस साल मानसून सामान्य से बेहतर रह सकता है। मौसम विभाग का कहना है कि इस साल पूरे देश में औसतन 87 सेंटीमीटर तक बारिश हो सकती है। ला नीना प्रभाव के चलते इस साल देश में मानसून अच्छा रहेगा। अगस्त-सितंबर में अच्छी बारिश होने का अनुमान है। भारतीय मौसम विभाग के प्रमुख ने बताया कि साल 1951 से लेकर 2023 तक का डाटा देखने से पता चलता है कि देश में नौ बार मानसून सामान्य से बेहतर रहा है। ला नीना प्रभाव के चलते ही ऐसा हुआ। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के सचिव एम रविचंद्रन ने कहा कि '1971 से 2020 तक के बारिश के आंकड़ों के अनुसार, हमने नया दीर्घकालिक औसत और सामान्य पेश किया है। इस सामान्य के अनुसार, 1 जून से 30 सितंबर तक पूरे देश की कुल वर्षा का औसत 87 सेमी होगा।' देश में चार महीनों तक (जून से सितंबर तक) सामान्य से ज्यादा बारिश होगी और 106 प्रतिशत तक होगी। जलवायु विज्ञानियों का कहना है कि बारिश के दिनों में कमी आ रही है।

ईडी का काम बेहतरीन, एजेंसी के 97 प्रतिशत केस उन पर जो राजनीति से नहीं जुड़े-पीएम मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक इंटरव्यू में केंद्रीय एजेंसियों को लेकर कई बातें कीं। उन्होंने ईडी की भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई और चुनाव आयोग की कार्यशैली पर भी टिप्पणी की। पीएम ने चुनाव आयोग के पहले की हालत को लेकर कांग्रेस पर तंज कसा है।

पीएम ने कहा है कि ईडी आज के समय में बेहतरीन काम कर रही हैं। उन्होंने दावा किया कि एजेंसी के 97 फीसदी केस ऐसे लोगों पर हैं, जो राजनीति में शामिल नहीं है। इतना ही नहीं पीएम ने कहा कि ईडी और सीबीआई से जुड़े कोई भी कानून भाजपा के समय में नहीं आए। बल्कि भाजपा सरकार चुनाव आयोग में बदलाव के लिए कानून लाई। पहले जो लोग एक परिवार के करीबी होते थे, सिर्फ उन्हें ही चुनाव आयुक्त बनाया जाता था और उन्हें बाद में राज्यसभा या अन्य मंत्रालय भेज दिया था। पीएम ने तंज कसते हुए कहा कि लेकिन हम (भाजपा) उस स्तर का काम नहीं कर सकते।

न्यूज एजेंसी एएनआई को दिए इंटरव्यू में पीएम मोदी ने कहा, एक ईमानदार आदमी को किसी से डरने की जरूरत नहीं है। पर जो भ्रष्टाचार से घिरे हैं, उनमें पाप का डर होता है। पीएम ने आगे कहा, आज कितने विपक्ष के नेता जेल में हैं। मुझे कोई नहीं बताता। और क्या ये वही विपक्षी नेता हैं, जो सरकारें चलाते थे? ये पाप का डर है। आखिर एक ईमानदार व्यक्ति को किस बात का डर? जब मैं मुख्यमंत्री था, तब उन्होंने मेरे गृह मंत्री को जेल में डाल दिया था। देश को समझना होगा कि राजनीतिक नेताओं पर ईडी के सिर्फ तीन फीसदी केस ही हैं। 97 फीसदी मामले उन लोगों पर हैं, जो राजनीति से नहीं जुड़े हैं।

पीएम ने कहा, जिन पर केस हैं, वे या तो ड्रग माफिया हैं या भ्रष्टाचार के मामलों में घिर अधिकारी। कुछ अफसरों ने बेनामी संपत्ति बना ली थी और उन्हें जेल भेजा गया है। प्रधानमंत्री ने ईडी की तारीफ करते हुए कहा कि 2014 से उनके सत्ता में आने के बाद से ही एजेंसी लगातार भ्रष्टाचार से लड़ रही है। उन्होंने कहा कि 2014 से पहले ईडी ने सिर्फ 5000 करोड़ की संपत्ति अटैच की थी। क्या तब किसी ने ईडी को कार्रवाई करने से रोका था? और आखिर किसको इससे फायदा हो रहा था? मेरे कार्यकाल में एक लाख करोड़ से ज्यादा की संपत्तियां अटैच हो चुकी हैं। क्या यह देश के लोगों का पैसा नहीं है।

पीएम ने कहा कि मेरे पिछले 10 साल के कार्यकाल में ईडी ने 2200 करोड़ कैश में पकड़ा है, जबकि 2014 से पहले सिर्फ 34 लाख रुपये की रिकवरी ही एजेंसी ने की थी, जो कि एक स्कूल बैग में भी ले जाई जा सकती थी। जबकि 2200 करोड़ से 79 छोटा हाथी ट्रक भरे जा सकते हैं। यानी साफ है कि ईडी बेहतरीन काम कर रही है।

17 अप्रैल दोपहर 12 बजकर 16 मिनट पर रामलला का अभिषेक करेंगी सूर्य किरणें, सुबह 3.30 बजे से होंगे दर्शन

अयोध्या(एजेंसी)। रामनवमी के दिन राम लाल भक्तों को 19 घंटे दर्शन देंगे श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने केवल राम जन्मोत्सव के दिन यानी 17 अप्रैल को ही दर्शन की अवधि बढ़ाने का निर्णय लिया है। राम जन्मोत्सव के दिन सुबह 3:30 बजे से ही भक्त दर्शन के लिए लाइन में लग सकेंगे। रात 11 बजे तक श्रृंगार, राग-भोग व दर्शन साथ-साथ चलते रहेंगे।

रामनवमी मेले में श्रद्धालुओं को दी जा रही सुविधाओं के बारे में जानकारी देते हुए श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने बताया कि बताया कि श्रीराम नवमी महोत्सव के दौरान मंगला आरती के बाद ब्रह्म मुहूर्त में अति प्रात: 3:30 बजे से अभिषेक, श्रृंगार एवं दर्शन साथ-साथ चलते रहेंगे। श्रृंगार आरती प्रात: 5:00 बजे होगी। श्री रामलला का दर्शन एवं सभी पूजा-विधि यथावत साथ-साथ चलती रहेगी। भगवान को भोग लगाने के लिए समय-समय पर अल्प-काल को पर्दा रहेगा। रात्रि 11:00 बजे तक दर्शन का क्रम पूर्ववत चलता रहेगा। इसके बाद परिस्थिति अनुसार भोग एवं शयन आरती होगी।

तीर्थ क्षेत्र की ओर से बताया गया कि रामनवमी पर शयन आरती के बाद मंदिर निकास मार्ग पर प्रसाद मिलेगा। दर्शनार्थी अपना मोबाइल, जूता, चप्पल, बड़े बैग एवं प्रतिबंधित सामग्री आदि मंदिर से दूर सुरक्षित रखकर आएं। बताया कि वीआईपी दर्शन पर रोक एक दिन बढ़ा दी गई है अब 19 अप्रैल तक वीआईपी दर्शन पर रोक रहेगी। सुगम दर्शन पास, वीआईपी दर्शन पास, मंगला आरती पास, श्रृंगार आरती पास एवं शयन आरती पास नहीं बनेंगे। सुग्रीव किला के नीचे, बिड़ला धर्मशाला के सामने, श्री रामजन्मभूमि प्रवेश द्वार पर ''श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र'' की ओर से यात्री सेवा केंद्र बनाया गया है जिसमें जन-सुविधाएं उपलब्ध हैं। यहां श्रद्धालुओं के बैठने से लेकर इलाज तक के इंतजाम है।

दिल्ली शराब घोटाला: सीएम केजरीवाल को एक और झटका, राउज एवेन्यू कोर्ट ने 23 अप्रैल तक बढ़ाई न्यायिक हिरासत

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने एक्साइज पॉलिसी मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल की न्यायिक हिरासत 23 अप्रैल 2024 तक बढ़ा दी है।

वहीं, इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने अरविंद केजरीवाल को त्वरित राहत देने से इनकार कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में ईडी को नोटिस जारी कर 24 अप्रैल तक जवाब देने का निर्देश दिया है। अदालत अब केजरीवाल मामले पर 29 अप्रैल को सुनवाई करेगी। सुप्रीम कोर्ट में अरविंद केजरीवाल की ओर से पेश हुए वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने दावा किया कि केजरीवाल को लोकसभा चुनाव में प्रचार से रोकने के लिए गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने मामले की अगली सुनवाई जल्दी करने की मांग की। इस पर कोर्ट ने कहा कि सुनवाई 29 अप्रैल से पहले नहीं की जा सकती। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान और राज्यसभा सांसद और पंजाब के सह प्रभारी डॉ. संदीप पाठक ने सोमवार को तिहाड़ जेल में बंद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से मुलाकात की। जेल से बाहर आकर संदीप पाठक ने बताया कि केजरीवाल ने उनसे मुफ्त बिजली, पानी, इलाज, महिलाओं को बस सेवा की सुविधाएं मिलने समेत जनता के सुख-दुख के बारे में पूछा।

नामांकन के बहाने कांग्रेस-भाजपा ने दिखाई अपनी ताकत

कांग्रेस प्रत्याशी राजेन्द्र साहू व भाजपा प्रत्याशी विजय बघेल ने वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी भरा नामांकन

दुर्ग (समय दर्शन)। दुर्ग लोकसभा चुनाव के नामांकन प्रक्रिया को अब मात्र 4 दिन शेष रह गए है। फ्लस्वरुप प्रत्याशी नामांकन दाखिले के लिए उत्साह दिखा रहे है। जिससे कलेक्ट्रेट में राजनीतिक दलों के नेताओं व कार्यकर्ताओं की सक्रियता तेज हो गई है। नामांकन प्रक्रिया के दूसरे दिन सोमवार को नामांकन के बहाने कांग्रेस और भाजपा प्रत्याशी ने अपनी ताकत दिखाई। जहां कांग्रेस प्रत्याशी राजेन्द्र साहू द्वारा पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल,पूर्व मंत्री रविन्द्र चौबे, महापौर निर्मल कोसरे, अधिवक्ता आशीष तिवारी,कांग्रेस नेता अनिल ताम्रकार, पार्षद, ऋषभ जैन (बाबू) की मौजूदगी में नामांकन दाखिल किया गया। वहीं भाजपा प्रत्याशी विजय बघेल ने जिला भाजपा अध्यक्ष जितेन्द्र वर्मा,भिलाई भाजपा अध्यक्ष महेश वर्मा, भाजपा नेता

दीपक ताराचंद साहू,विजय साहू, अधिवक्ता सौरभ चौबे की उपस्थिति में नामांकन जमा किया। दोनो ही प्रत्याशियों द्वारा जिला मुख्य निर्वाचन अधिकारी ऋचा प्रकाश चौधरी के समक्ष अपना नामांकन दाखिल किया गया। नामांकन दाखिल के उपरांत कांग्रेस ने पुरानी गंजमंडी गंजपारा और भाजपा ने पंडित रविशंकर स्टेडियम के पास स्थित मानस भवन परिसर में आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन में जोरदार चुनावी माहौल तैयार किया। भाजपा के कार्यकर्ता सम्मेलन में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय शामिल हुए। उन्होने मोदी की गारंटी व राज्य के भाजपा सरकार की सुशासन की उपलब्धि गिनवाते हुए केन्द्र में मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने का आव्हान किया। सम्मेलन में डिप्टी सीएम अरुण साव, केबिनेट मंत्री दयालदास बघेल, प्रत्याशी विजय बघेल, विधायक गजेन्द्र यादव, ललित चंद्राकर, डोमनलाल कोर्सेवाड़ा,साजा विधायक ईश्वर साहू, जिला भाजपा अध्यक्ष जितेन्द्र वर्मा,

लाभचंद बाफना,कांतिलाल बोथरा,अरविंदर सिंह खुराना, महामंत्री सुरेन्द्र कौशिक, विनायक नातू, राजेन्द्र पाध्ये, अनूप गटागट,राजा महोबिया के अलावा दुर्ग लोकसभा अंतर्गत आने वाले सभी 9 विधानसभा क्षेत्र से कार्यकर्ता बड़ी संख्या में शामिल हुए।

इसी प्रकार कांग्रेस द्वारा प्रत्याशी राजेन्द्र साहू के पक्ष में पुरानी गंजमंडी गंजपारा में आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने केन्द्र व राज्य की भाजपा सरकार के खिलाफ जमकर हुंकार भरी। उन्होने कहा कि केन्द्र की मोदी सरकार ने अपने कार्यकाल में झूठ के अलावा कुछ नहीं कहा है। राज्य की भाजपा सरकार की व्यवस्था बिगड़ गई है। अब जनता सब कुछ समझ गई है। अब वह भाजपा के वादे से गुमराह होनेवाली नहीं है। कार्यकर्ता सम्मेलन में प्रत्याशी राजेन्द्र साहू, पूर्व मंत्री रविन्द्र चौबे,पूर्व विधायक अरुण वोरा,महापौर धीरज बाकलीवाल, निर्मल कोसरे, पूर्व महापौर आरएन वर्मा के अलावा 9 विधानसभा क्षेत्र से कार्यकर्ता बड़ी संख्या में जुटे।

मतदान केन्द्र में दिखेगी शक्ति- प्रत्याशी विजय बघेल

भाजपा प्रत्याशी विजय बघेल ने नामांकन दाखिल करने के बाद मीडिया से चर्चा में कहा कि लोकसभा चुनाव को लेकर भाजपा में भारी उत्साह का वातावरण है।

जिससे इस बार 6लाख से अधिक वोटों से जितेंगे। यह कार्यकर्ता सम्मेलन शक्ति प्रदर्शन नहीं है। यह परंपरा है और कार्यकर्ताओं का जोश है। शक्ति तो मतदान केन्द्र में दिखाई देगी,जब मतदाता मतदान केन्द्र में कमल पर बटन दबाकर मोदी को फिर से प्रधानमंत्री बनाएंगे। उन्होने एक सवाल के जवाब में कहा कि चुनाव में साहू समाज का समर्थन मिल रहा है। दीपक ताराचंद साहू, विजय साहू, तुलसी साहू व समाज के अन्य लोग साथ में है। पूर्व सांसद स्व. ताराचंद साहू ने साहू समाज में अलख जगाया था। कांग्रेस के दुर्ग के गढ़ को उन्होने ध्वस्त किया था। उन्हीं के शिष्य के रूप में परंपरा का निर्वहन कर रहे है। स्व. श्री साहू मुझे बेटा जैसे स्नेह करते थे, साहू समाज की वहीं भावना मेरे प्रति अब भी है। स्व. ताराचंद साहू समाज के संरक्षक थे। उन्होने समाज व राजनीति में कभी कॉन्ट्रोवर्सी नहीं की। यही मूल स्वभाव साहू समाज का है। साहू समाज देशभक्ति व राष्ट्रहित को उद्देश्य मानकर भाजपा को जिताने अपना सामर्थ्य लगा रही है, ताकि देश प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सुरक्षित रहे।

विजय बघेल को खुद पर भरोसा नहीं- पूर्व सीएम भूपेश

कांग्रेस प्रत्याशी राजेन्द्र साहू के नामांकन दाखिले उपरांत कलेक्ट्रेट में मीडिया से चर्चा में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि लोकसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस में जबरदस्त उत्साह है। कार्यकर्ता सम्मेलन में पाटन से नवागढ़ तक के कार्यकर्ता पहुंचे है। दुर्ग लोकसभा चुनाव में कार्यकर्ता के लिए जमीनी स्तर पर कार्य करने वाले राजेन्द्र साहू प्रत्याशी है। कांग्रेस के प्रत्येक कार्यकर्ता इस चुनाव में अपने आप को प्रत्याशी मानकर कार्य रहे है। मुझे विश्वास है कि राजेन्द्र साहू इस चुनाव में भारी मतों से जितेंगे। भाजपा प्रत्याशी विजय बघेल को इस चुनाव में खुद पर भरोसा नहीं रह गया है। इसलिए उन्हें स्व. ताराचंद साहू के नाम का सहारा लेना पड़ रहा है। इससे स्पष्ट हो गया है कि वे चुनाव हार रहे है। एक सवाल के जवाब में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि काठ की हंडी बार-बार नहीं चढ़ता। पिछले लोकसभा चुनाव में विजय बघेल एक बार धोखे से जीत गए थे,लेकिन इस बार उनकी हार सुनिश्चित है। श्री बघेल ने कहा कि कांग्रेस प्रत्याशी राजेन्द्र साहू पाटन विधानसभा चुनाव में मेरे चुनाव संचालक थे। विधानसभा चुनाव में श्री साहू के संचालन में विजय बघेल को पराजय मिली थी,लोकसभा चुनाव मे भी श्री साहू उन्हें पटखनी देंगे। श्री बघेल ने कहा कि कांग्रेस में सभी नेता एकजुट होकर कार्य कर रहे है।

संक्षिप्त समाचार

शासकीय उच्च प्राथमिक शाला बलौदा के आठवीं कक्षा के छात्र-छात्राओं को विदाई दिया गया

सरायपाली (समय दर्शन)। शासकीय उच्च प्राथमिक शाला बलौदा के आठवीं के विद्यार्थियों को विदाई दिया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्या की देवी मां सरस्वती की पूजा अर्चना कर किया गया। तत्पश्चात कक्षा छठवीं एवम् सातवीं के विद्यार्थियों द्वारा कक्षा आठवीं के बच्चों को अपनी 3 वर्ष की खट्टी- मीठी अनुभवों को बताने का अनुरोध किया गया। जिसमें कु. कविता सेठ द्वारा बहुत ही सुंदर आप बीती बताया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत ह्रस्व्र परीक्षा में चयनित सत्र 2023 - 24 के कु. सीमा एवं शिवम को उपहार भेंट किया गया। कक्षा आठवीं के छात्र छात्रों को शाला परिवार द्वारा उपहार भेंट किया गया। कक्षा आठवीं के बच्चों द्वारा भी विद्यालय को प्रतीक चिन्ह भेंट किया गया। विद्यालय के शिक्षकों द्वारा विदाई भाषण में बच्चों के उज्जवल भविष्य की मंगल कामना करते हुए आगे बढ़ने व विद्यालय, परिवार, शिक्षकों एवं माता-पिता का नाम रोशन करने आशीर्वाद दिया गया। कार्यक्रम का संचालन पी. प्रधान और ए. के. खूंटे सर द्वारा किया गया।इस अवसर पर संकुल केंद्र बलौदा के समन्वयक एच. गार्डिया, शिक्षक एफसी.चौधरी, एस. विशाल , श्रीमती विलास बाघ, एच. प्रधान, टी.एम.नायक, एस. सोना एवं पालक गण उपस्थित थे। आभार प्रदर्शन संस्था के प्रधान पाठक आर.एल.मांझी द्वारा किया गया। कार्यक्रम का समापन नेवता भोज के साथ किया गया।

देश की सुरक्षा के लिए मोदी सरकार जरूरी- संतोष अग्रवाल

राजनांदगाँव (समय दर्शन)। भारतीय जनता पार्टी राजनांदगांव विधानसभा के चुनाव प्रभारी संतोष अग्रवाल ने कहा है कि देश की सुरक्षा के लिए आज मोदी सरकार प्रथम आवश्यकता बन चुकी है, इसके पूर्व की सरकारों में देश की सुरक्षा व्यवस्था से पूरा देश परिचित है, उन्होंने कहा कि उन्हें एक घटना जो मनमोहन सिंह कार्यकाल में घटी थी, जिस पर देश विश्व जगत में शर्मसार हुआ था, उन्होंने बताया कि 2009 का आईपीएल भारत में नहीं दक्षिण अफ्रीका में हुआ था और वजह थी कि चुनाव होने के कारण, भारत सरकार ने सुरक्षा के लिए मना कर दिया था, कहा था कि हालात ऐसे है कि देश में चुनाव हो रहे हैं और हम आईपीएल मेचो के दौरान सुरक्षा नहीं दे सकते हैं अब दिमाग से सोचो कि कैसी सरकार रही होगी जो अपने ही देश में आयोजन हो रहा है और उसके लिए वह सुरक्षा नहीं दे सकते थे, मजबूरी में इस पूरे टूर्नामेंट को दक्षिण अफ्रीका में करना पड़ा था। उस समय देश में हालत इतने खतरनाक थे कि हर दिन किसी न किसी राज्य में बम धमाके होते थे, सिक्योरिटी पूरी तरह से लेप्स थी। ट्रेन में, मंदिर में, बस में, बस स्टेशन पर हर जगह धमाके होते थे। श्री अग्रवाल ने कहा कि आज मोदी सरकार आने के बाद आप हालत देख लीजिए,वही भारत की सेना है, वही राज्यों की पुलिस है और वही भारत के नागरिक है हर तरफशांति है, कहीं कोई बम धमाका नहीं, आईपीएल बड़े धूमधाम से चल रहा है और चुनाव भी बड़े आराम से हो रहे हैं। चुनाव के समय यह मत देखना की उम्मीदवार किसकी जाति का है उम्मीदवार आपकी जाति का है या नही, ये सोचकर वोट मत देना, क्योंकि यह चुनाव कोई नगर पालिका, वार्ड, पंच सरपंच और विधायक का नहीं है, यह देश का चुनाव है। देश की सुरक्षा के लिए मोदी जी का चुनाव करना हैं। एक तरफमोदी है और दूसरी तरफ भ्रष्टाचारी दल हैं। भाजपा मीडिया सेल द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार पूर्व जिला भाजपा अध्यक्ष संतोष अग्रवाल ने कहा कि हालांकि कुछ लोग हैं जो हर जाति में है, अब वह चुनाव के समय पूरे एक्टिव हो गए हैं बोल रहे हैं कि हम तो इस जाति का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं और हमारा पूरा का पूरा समाज मोदी से नाराज है, भाजपा से नाराज है। लेकिन यह सच नहीं है ऐसे लोग हर जातियों में होते हैं, बस उनको अब भ्रष्टाचारी दलों ने हायर करके उनकी जेब गर्म करके आगे लगा दिया है कि किसी तरह वोट तोड़ लिए जाए। श्री अग्रवाल ने जोर देकर कहा कि ध्यान रहे जब देश में अराजकता होती है।

निधन : श्रीमती लीला बाई वर्मा

सेलूद। ग्राम सेलुद के बाजार चौक निवासी श्रीमती लीला बाई वर्मा उम्र 76 वर्ष का निधन आज सोमवार को हो गया । उनका अंतिम संस्कार सोमवार को हाई स्कूल मैदान स्थित मुक्तिधाम में 2 बजे किया गया। वे हरिभूमि के पत्रकार बलराम वर्मा के मां थी। उनके निधन पर पत्रकार संघ पाटन ने शोक जताया है।

भाजपा देश व विदेश में भारतीय नागरिकों की रक्षा के लिए वचनबद्ध - संतोष पांडे

राजनांदगाँव (समय दर्शन)। भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी संतोष पांडे आज अपने चुनाव अभियान की शुरुवात भारत रत्न बाबा भीमराव अंबेडकर की जयंती के उपलक्ष्य में उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया, फिर वे दोपहर तक अपने कार्यालय में कार्यकर्ता व नागरिकों से भेंट की फिर खैरागढ़ जाकर देश के गृह मंत्री अमित शाह की महती जनसभा को संबोधित किया फिर वे अपने जनसम्पर्क प्रवास पर निकल गए। भाजपा मीडिया सेल द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार इस दौरान अनेक ग्रामों में हुए जनसम्पर्क के दौरान श्री पांडे ने कहा कि पिछले दस वर्षों में हमने अपने देश के नागरिकों को आतंकवाद व नक्सलवाद के खतरों से बचाने के लिए साफ रवैया अपनाया था, आतंकवाद के खिलाफ जीरो टांरलेस नीति अपनाई हैं, हम आगे भी अपने देश व नागरिकों को सुरक्षित रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं। सुरक्षित व समृद्ध भारत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी गारंटी हैं। श्री पांडे ने स्मरण करते हुए कहा कि आतंकवाद का मुकाबला करने की दिशा में वर्ष 2016 में सर्जिकल स्ट्राइक व वर्ष 2019 में एयर स्ट्राइक हमारे प्रयासों के ठोस उदाहरण हैं। हम आतंकवाद के सभी खतरों से देश व विदेश में भारतीय नागरिकों की रक्षा के लिए वचनबद्ध हैं। सुरक्षित व समृद्ध भारत के तहत हमने तालिबान द्वारा काबुल पर तेजी से कब्ज़ा करने के बाद काबुल से अपने नागरिकों और अफ्गान सहयोगियों को निकालने के भारत के जटिल मिशन ऑपरेशन देवी शक्ति कर नागरिकों को सुरक्षित निकाला इसी तरह रूस यूक्रेन युद्ध के दौरान सैकड़ों भारतीयों एवं अन्य नागरिकों को सुरक्षित भारत लाने के लिए ऑपरेशन गंगा चलाया गया जिसकी सर्वत्र प्रशंसा हुई। भारत ने सुरक्षित भारत की दृष्टि से सेना में बेहतर समन्वय के लिए चीफऑफडिफेंस स्टाफ (सीडीएस) का पद स्थापित किया हैं और आगे चलकर देश के कुशल संचालन के लिए सैन्य थियेटर कमांड की स्थापना की जाएगी।श्री पांडे ने आरोप लगाया की कांग्रेस सरकारों की घोर उपेक्षा के कारण सीमावर्ती क्षेत्रों में आधारभूत संरचना कमजोर थी, इस गंभीर गलतियों को सुधार करते हुए सड़क, रेलवे, टेलीकॉम टावर, ऑप्टिकल फ इबर केबल और बिजली नेटवर्क का वृहद निर्माण शुरु किया गया। भारत चीन, भारत पाकिस्तान और भारत- म्यांमार सीमाओं पर मजबूत इन्फ्रास्ट्रक्चर का समय बद्ध विकास हो रहा हैं, एवं नई तकनीकी के उपयोग से सीमाओं को सुरक्षित करने के लिए फेंसिंग की जा रही है। श्री पांडे ने आगे कहा कि दुनिया भर में फैली अस्थिरता और कोविड जैसी वैश्विक महामारी के बावजूद भारत को पाँचवी आर्थिक महाशक्ति बनाने में मोदी जी सफल हुए हैं देश में अपनी वित्तीय प्रणाली को मजबूत किया, वित्तीय अनुशासन बनाए रखा विदेशी मुद्रा भंडार में अभूतपूर्व वृद्धि हुई, तमाम उतार चढ़ाव के बावजूद आर्थिक विकास के लिए माहौल अनुकूल बना हैं। मोदी जी की कुशल नीतियों का ही परिणाम हैं की पिछले दस वर्षों में देश ग्यारहवी से पाँचवी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति बना। यह हमारी स्पष्ट नीतियों सही कार्य योजना और सुव्यवस्थित प्रदर्शन की माध्यम से संभव हुआ हैं। अब हम देश को दुनिया की तीसरी आर्थिक शक्ति बनाने की मोदी गारंटी दे रहें हैं इसके लिए नये कानूनों और तकनीकी के माध्यम से प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष कर प्रणाली को सरल व सुलभ बनाया गया हैं, आगे हम अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने आवश्यकताओं के अनुरूप आर्थिक व व्यसायिक कानूनों को नया रूप देने जा रहें हैं साथ ही देश की अर्थव्यवस्था में योगदान देने वाले ईमानदार करदाताओं का सम्मान करने का निर्णय लिया गया हैं। श्री पांडे ने आज ग्राम जोरातराई मे सघन जनसम्पर्क किया।

डॉ आंबेडकर जयंती पर संविधान की प्रस्तावना का वाचन कराया गया

पिथौरा (समय दर्शन)। सतनामी समाज ब्लॉक अध्यक्ष पिथौरा के नेतृत्व में सतनामी युवा प्रकोष्ठ सर्व समाज द्वारा भारतरत्न डॉ भीमराव अंबेडकर की 135जयंती बरेकेल खुर्द (पिथौरा) में मुख्य अतिथि राजमहन्त पी. एल. कोसरिया प्रदेश प्रबंध कार्यकारणी अध्यक्षता रामेश्वर सोनवानी संयोजक सयुक्त मोर्चा पिथौरा, विशेष अतिथि तरुवर कोसरिया, ब्लॉक अध्यक्ष, विशेष अतिथि संजय कोसरिया जिला प्रबंध कार्यकारणी, मुदित वर्मा, डी.बी. गौतम,अमन ध्रुव, नीलकंठ दीवान शिक्षक की उपस्थिति में धूमधाम से मनाया गया ।सर्वप्रथम डी जे साउंड के साथ नगर भ्रमण किया गया। तत्पश्चात मुख्य का शुरुवात किया गया। उपस्थित जन समुदाय को मुख्य अतिथि राजमहन्त पी एल कोसरिया द्वारा संबोधित करते डॉ आंबेडकर के जीवन दर्शन पर प्रकाश डालते अपने हक अधिकार के लिए संगठित होकर संघर्ष के लिए आगे बढ़ने के लिए कहा। स्वतंत्रता प्राप्ति उपरांत देश को चलाने के लिए भारतीय संविधान तैयार करने के डॉ भीमराव अंबेडकर जी के संविधान निर्माण सभा के अध्यक्ष बनने उनकी सदस्यों की संख्या व संविधान सभा के कुल सदस्यों की संख्या की जानकारी दी ।समाज को आर्थिक, सामाजिक, शैक्षणिक, राजनेतिक, ब्यवसायिक रूप सुदृढ़ करने से ही सर्वांगीण विकास संभव हो सकता है इस हेतु छात्रों को उच्च शिक्षा ब्यवसायिक शिक्षा के लिए प्रयाप्त अवसर देने आवश्यकता पर जोर दिया,और कहा कि 135 वर्षों बाद भी लोग डॉ आंबेडकर को ,उनके कार्यों, त्याग को सही मायनों में समझ नहीं पाए हैं चिंतनीय है,कहा। साथ ही समाज के अधिकारियों कर्मचारियों को शासन द्वारा संचालित कल्याण कारी योजनाओ ग्रामीणों को आवगत लाभ दिलाने के लिए अपील किया ।साथ ही भारतीय संविधान की प्रस्तावना का जन समुदाय को सामुहिक वाचन करवाया गया। कार्यक्रम के अध्यक्ष रामेश्वर सोनवानी नेडॉ भीमराव अंबेडकर जयंती पर संबोधित करते अम्बेडकर जी के वंचित पिछड़े अनुसूचित जाति जनजाति वर्ग के कल्याण के लिए उनके योगदान संघर्ष त्याग से अवगत कराया साथ गोलमेज सम्मेलन, पूना पैक्ट उनकी शिक्षा किन विषम परिस्थितियों में हुई संविधान निर्माण में उनकी अहम भूमिका के साथ हमे मौलिक अधिकार किस प्रकार प्रदान किये विस्तार से बतलाया। विशेष अतिथि संजय कोसरिया डॉ आंबेडकर को याद करते शिक्षा पर जोर देते कहा कि शिक्षा ओ शेरनी का दूध है जो पियेगा ओ दाहड़ेगा। डी बी गौतम ने वर्तमान स्थिति राजनीति परिस्थितियों पर संविधान के ऊपर खतरा होने की आशंका जताई ।साथ ही डॉ आंबेडकर के मंत्र शिछित बनो, संगठित रहो,संघर्ष करो का विश्लेषण किया । ब्लॉक अध्यक्ष तरुवर कोसरिया ने महान विभूति डॉ आंबेडकर के जयंती पर अपने उदबोधन में कहा कि आज भी अनुसूचित जाति जनजाति, पिछले वर्गों साथी पर्याप्त संख्या पुनीत अवसर पर उपस्थित नही पर चिंता जाहिर करते कहा आखिर कब जागेंगे।अंत उपस्थित जन समुदाय को मुख्य अतिथि राजमहन्त पी एल कोसरिया द्वारा संविधान की प्रस्तावना का वाचन करवाया गया । इस अवसर पर आयोजन समिति के मुकेश मधुकर अध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ, राजेंद्र मार्कण्डेय सचिव विकास खण्ड पिथौरा, राजकुमार निराला, एस आर निराला वन परिछेत्र अधिकारी, डी. एस. बंजारे कुशल ध्रुव रामकिरन,आर्यन किरण,,चन्द्र शेखर कोसरिया छतवन, छबिलाल कोसरिया सपोस,मिलन मिरी,राजीव बंजारे, हरीश निराला, अमन जांगड़े टीजराम जांगड़े, कौशल सोनी, ओमप्रकाश मिरी, ऐश कुमार, वेदराम जांगड़े, हरीश मिरी योगेंद्र मधुकर,नागेश्वर रवि, यशपाल मधुकर शंकर साहू खेमराज चौहान, प्रमोद साहू ,कन्हैया मधुकर एवं भारी संख्या में महिला पुरूष सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद रहे।कार्यक्रम का संचालन राजेन्द्र मार्कण्डेय ने किया एवं मुकेश मधुकर ने आभार प्रकट किया। साथ में कार्यक्रम को सफल बनाने सहयोग प्रदान करने धन्यवाद ज्ञापित किया।

अंबेडकर जयंती के विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल हुए भाजपा नेता हरिनाथ खुंटे

मोदी के विकसित भारत संकल्प के पथप्रदर्शक है बाबा साहेब अंबेडकर- प्रदेश मंत्री

सारंगढ़ (समय दर्शन) । भारतीय जनता पार्टी शीर्ष नेतृत्व के आव्हान पर प्रदेश अध्यक्ष किरण देव, अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ नवीन मार्कण्डेय जी निर्देशानुसर एवं ज़िला भाजपा अध्यक्ष सुभाष जालान के मार्गदर्शन में युग पुरुष भारत रत्न डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी के जयंती पर्व पर पूरे प्रदेश में जयंती मनाने का योजना रचना किया गया है, जिसके अंतर्गत भाजपा के बड़े नेताओ को शक्ति केंद्र, बूथ केंद्र में जयंती पर्व में मनाने का योजना बनाया गया है। आज भाजपा के युवा नेता हरिनाथ खुंटे प्रदेश मंत्री अनुसूचित जाति मोर्चा के द्वारा सारंगढ़ विधानसभा के भेड़वन मंडल ग्राम रेडा एवं ज़िल्दी में आयोजित बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर जी के जयंती पर्व में शामिल हुए। सर्वप्रथम रेडा में भाजपा कार्यकर्ताओं ने बाबा साहेब के चित्र पर पुष्पअर्पित कर प्रसाद बाटा गया तत्पश्चात ग्राम ज़िल्दी में बाबा साहेब के प्रतिमा पर पुष्पहार चढ़ा कर उपस्थित ग्रामीणों के साथ केक काटकर जयंती मनाया गया। इस दौरान हरिनाथ खुंटे ने कहा की भारतीय जनता पार्टी के द्वारा बाबा साहेब अम्बेडकर द्वारा देश के स्वर्णिम भविष्य के लिए किए गए संकल्पना के आधार पर आज भाजपा की सरकार देश और प्रदेश में विकसित भारत का संकल्प लेकर आयी है, बाबा साहेब के योगदान कारण आज देश में सभी वर्गों को अपना अधिकार मिल पाया है। इस कार्यक्रम में भाजपा ज़िला मंत्री श्रीमती मीरा जोल्हे, मंडल उपाध्यक्ष घनश्याम साहू, महामंत्री रामेश्वर गिरी, ज़िला मंत्री अजा मोर्चा रामधन चौहान, सरपंच ग्राम पंचायत ज़िल्दी बाबूलाल, श्रीमती अनिता मीरी महिला स्व सहायता समूह, टण्डन , अमरकांत निराला, जोगेंद्र महिलाने सहित ग्रामीण उपस्थित रहे।

डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के जयंती पर विशाल स्वास्थ्य शिविर, खून जांच, ब्लड डोनेशन के कार्यक्रम संपन्न

मुंगेली (समय दर्शन)। भारत रत्न डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के जयंती अवसर पर विशाल स्वास्थ्य शिविर, खून जांच, ब्लड डोनेशन के कार्यक्रम संपन्न में जिला के प्रसिद्ध डॉक्टर शिवपाल सिंह सिदार एमडी मेडिसिन, डॉक्टर नारायण देव साहू अस्थि रोग विशेषज्ञ ,डॉक्टर भूपेंद्र सिंह टंडन अस्थि रोग विशेषज्ञ, डॉक्टर देवेश खाडे नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ के एस कवर पैथोलॉजिस्ट ,डॉक्टर मनीष बंजारा ,डॉक्टर मधु आनंद बंजारे चिकित्सा अधिकारी अपने 16 सदस्य टीम के साथ उपस्थित होकर हजारों मरीजों का चिकित्सीय परीक्षण कर उचित इलाज ,सलाह व परामर्श दी ,कार्यक्रम में 51लोगों रक्त दान किया व नेत्र रोग की जाँच कर चश्मा वितरण किया साथ ही मोतियाबिंद सहित आंख की बीमारी का जांच ,उचित सलाह दी गई सैकड़ो लोगों को दवाइयां वितरित की गई बीपी शुगर की जांच की गई 51 से अधिक युवाओं ने ब्लड डोनेट करके सभी आमंत्रित डॉक्टर का सम्मान प्रारंभ में गवर्नमेंट इंप्लाइज वेलफेयर एसोसिएशन छत्तीसगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष कृष्ण कुमार नवरंग ने पुष्प कुछ भेंट कर स्वागत किया तत्पश्चात उनको शील्ड देकर सम्मानित किया दोपहर 2:00 बजे दो पर गुरु घासीदास चौक से रैली बा गुरु घासीदास चौक दो पर से सैकड़ो लोग बाबा साहब के छायाचित्र अच्छा चित्र लगा गड़वा बाजा के साथ शहर के विभिन्न मार्गो से गुजरते हुए का बड़ा चौक मुंगेली में मैं संपन्न हुआ कार्यक्रम के अंत में जिला के वरिष्ठ अधिकारी द्वारा मतदान अवश्य करने स्वीप कार्यक्रम के तहत शपथ दिलाई गई और कार्यक्रम स्थल पर भारत रत्न डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के पुष्पमाला बैठकर कर खीर वितरण किया गया उक्त कार्यक्रम में गवर्नमेंट एम्पलाइज वेलफेयर एसोसिएशन के निम्न पदाधिकारी सहित जिला के अधिकारी व कर्मचारीभारत रत्न डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के जयंती अवसर पर विशाल स्वास्थ्य शिविर, खून जांच, ब्लड डोनेशन के कार्यक्रम में जिला के प्रसिद्ध डॉक्टर शिवपाल सिंह सिदार एमडी मेडिसिन, डॉक्टर नारायण देव साहू अस्थि रोग विशेषज्ञ ,डॉक्टर भूपेंद्र सिंह टंडन अस्थि रोग विशेषज्ञ, डॉक्टर देवेश खाडे नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ के एस कवर पैथोलॉजिस्ट ,डॉक्टर मनीष बंजारा ,डॉक्टर मधु आनंद बंजारे चिकित्सा अधिकारी अपने 16 सदस्य टीम के साथ उपस्थित होकर हजारों मरीजों का चिकित्सीय परीक्षण कर उचित इलाज ,सलाह व परामर्श दी ,कार्यक्रम में 51 लोगों रक्त दान किया व नेत्र रोग की जाँच कर 100चश्मा का वितरण किया साथ ही मोतियाबिंद सहित आंख की बीमारी का जांच ,उचित सलाह दी गई 400 लोगों को दवाइयां वितरित की गई बीपी शुगर की जांच की गई 51 से अधिक युवाओं ने ब्लड डोनेट करके सभी आमंत्रित डॉक्टर का सम्मान प्रारंभ में गवर्नमेंट इंप्लाइज वेलफेयर एसोसिएशन छत्तीसगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष कृष्ण कुमार नवरंग ने पुष्प कुछ भेंट कर स्वागत किया तत्पश्चात उनको शील्ड देकर सम्मानित किया दोपहर 2:00 बजे दो पर गुरु घासीदास चौक से रैली बा गुरु घासीदास चौक दो पर से सैकड़ो लोग बाबा साहब के छायाचित्र अच्छा चित्र लगा गड़वा बाजा के साथ शहर के विभिन्न मार्गो से गुजरते हुए का बड़ा चौक मुंगेली में मैं संपन्न हुआ।

जब तक भाजपा राजनीति में है, आरक्षण को कोई नहीं हटा सकता- शाह

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह का छत्तीसगढ़ की राजनांदगाँव लोकसभा में आयोजित विशाल जनसभा को संबोधन

राजनांदगाँव (समय दर्शन)। 2024 केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री और भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता अमित शाह ने रविवार को छत्तीसगढ़ की राजनांदगाँव लोकसभा में आयोजित विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि, 'कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे जी दुष्प्रचार फैलाते हैं कि मोदी जी संविधान बदल देंगे और आरक्षण को खत्म कर देंगे। आरक्षण चाहे ओबीसी का हो या पिछड़ा वर्ग का, भारतीय जनता पार्टी ना आरक्षण खत्म करेगी ना किसी को खत्म करने देगी। कांग्रेस पार्टी झूठ का व्यापार करती है। उन्होंने कहा कि, 'हाल ही में छत्तीसगढ़ की जनता ने भारतीय जनता पार्टी को अपना आशीर्वाद दिया है। महादेव एप के नाम पर भ्रष्टाचार करने वाले भूपेश कका अभी भी सांसद बने रहना चाहते हैं। छत्तीसगढ़ की जनता ने विधानसभा चुनाव में भूपेश कका को हराया था, इस बार लोकसभा में फिर से हराकर उन्हें वापस घर भेजना है। कमल के निशान पर दिया गया आपका एक-एक वोट सीधा नरेन्द्र मोदी जी के खाते में जाएगा। मोदी जी के कार्यकाल में छत्तीसगढ़ नक्सलवाद से लगभग मुक्त हो चुका है, तीसरी बार प्रधानमंत्री बनते ही मोदी जी छत्तीसगढ़ से पूरी तरह नक्सलवाद को खत्म कर देंगे। भूपेश कका की सरकार में नक्सलवाद के खिलाफ आंदोलन बंद हो गया था। नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ की भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने इतने कम दिन में 54 से ज्यादा नक्सलवादियों को ढेर कर दिया। 150 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार करने का काम किया गया है और 250 से ज्यादा लोग आत्मसमर्पण कर चुके हैं। मोदी जी ने 10 वर्षों में पूरे देश से नक्सलवाद को खत्म करने का काम किया है। मोदी जी के तीसरे टर्म में छत्तीसगढ़ में बचे-खुचे नक्सलवाद का खात्मा निश्चित है।'भाजपा मीडिया सेल द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार श्री अमित शाह ने कहा कि, 'कांग्रेस के जमाने में किसान कल्याण का बजट सिर्फ 22 हजार करोड़ रुपये था। मोदी जी ने किसान कल्याण के लिए 1 लाख 25 हजार करोड़ रुपये का बजट देने का काम किया है। आज हर किसान को प्रति वर्ष 6 हजार रुपये देने का काम मोदी जी कर रहे हैं। कांग्रेस ने धान की खरीदी 475 लाख मैट्रिक टन की थी, भारतीय जनता पार्टी ने 830 लाख मैट्रिक टन धान की खरीदी की है। छत्तीसगढ़ में महतारी वंदन योजना के माध्यम से माताओं के खाते में सीधा पैसा ट्रांसफर किया जा रहा है। भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने राजनांदगाँव में मेडिकल कॉलेज का निर्माण किया है। यहाँ बंद पड़ी शुगर फैक्ट्री को खोलने का काम नरेन्द्र मोदी सरकार कर रही है। उन्होंने कहा कि, 'कांग्रेस के दौर में कभी भी जनजातीय कल्याण मंत्रालय नहीं बन पाया, अटल जी ने जनजातीय कल्याण मंत्रालय बनाया। मोदी जी ने जल, जंगल और जमीन की रक्षा के साथ-साथ सुरक्षा, सम्मान और समावेशी विकास देने का काम किया है। सालों तक राज करने वाली कांग्रेस पार्टी ने कभी भी किसी आदिवासी बेटा या बेटी को राष्ट्रपति का पद नहीं सौंपा। मोदी जी ने ओडिशा की गरीब परिवार की आदिवासी बहन द्रौपदी मुर्मू को राष्ट्रपति बनाकर देश भर के आदिवासियों का सम्मान किया है और भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने का काम किया है। एससी के लिए कांग्रेस 24 हजार करोड़ रुपये का बजट छोड़ कर गई थी, मोदी जी ने इसे बढ़ाकर 1 लाख 25 हजार करोड़ रुपये कर दिया है।' अमित शाह ने कहा कि, '10 साल तक सोनिया-मनमोहन की सरकार में छत्तीसगढ़ को 77 हजार करोड़ रुपये दिया गया था। नरेन्द्र मोदी सरकार ने छत्तीसगढ़ को 3 लाख 20 हजार करोड़ रुपये देने का काम किया है। इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए 72 हजार करोड़ रुपये, सड़क निर्माण के लिए 25 हजार करोड़ रुपये, रेलवे के लिए 45 हजार करोड़ रुपये और एयरपोर्ट के लिए 250 करोड़ रुपये खर्च करने का काम नरेन्द्र मोदी सरकार ने किया है। लगभग 38 लाख किसान को पीएम किसान का लाभ मिल रहा है। छत्तीसगढ़ में 40 लाख गरीबों के घर में नल से जल पहुँच रहा है। 2 करोड़ नागरिकों को 5 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज मिल रहा है। 38 लाख घरों में शौचालय बनाया जा चुका है। 2 करोड़ लाभार्थी को प्रति माह 5 किलो अनाज मुफ्त में देने का काम नरेन्द्र मोदी सरकार कर रही है। मोदी जी के शासन में 38 लाख गैस कनेक्शन और 12 लाख आवास भी दिए जा चुके हैं।'

सार समाचार

महिला से मारपीट

रायपुर(समय दर्शन)। सुभाष नगर नाहरपार में घरेलू विवाद को लेकर एक युवक ने कूकर से अपनी मां को मारकर चोट पहुंचाया। प्रार्थिया की शिकायत पर गंज थाना पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थिया बतुलन बेगम 55 वर्ष सुभाष नगर नाहरपार की रहने वाली है। बताया जाता है कि प्रार्थिया के पुत्र आरोपी जुम्मन 35 वर्ष ने घरेलू विवाद को लेकर प्रार्थिया से गाली-गलौज कर कुकर से सीर पर मारकर चोट पहुंचाया। प्रार्थिया की शिकायत पर गंज थाना पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 294, 506, 323 के तहत अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

चार सटोरी चढ़े पुलिस के हत्थे

रायपुर(समय दर्शन)। गुढियारी थाना पुलिस ने अलग-अलग क्षेत्रों में दबिश देकर ऑनलाइन सट्टा खिलाते 4 युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से सट्टा-पट्टी, 3 नग मोबाइल व नकदी 57970 रुपए जब्त किया है। मिली जानकारी के अनुसार गुढियारी पुलिस ने गोगांव के गायत्री नगर मेडिकल के पास दबिश देकर ऑनलाइन सट्टा खिलाते आरोपी संजय कुमार गोड 42 वर्ष को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इसके पास से 1 नग मोबाइल और नकदी 4500 रुपए जब्त किया है। वहीं दूसरे मामले में पुलिस ने झाबक पेट्रोल पंप के पास आरोपी राजेंद्र बंजारे 45 वर्ष को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इसके पास से सट्टा-पट्टी सहित नकदी 21550 रुपए जब्त किया है। वहीं आरोपी अमित धृतलहरे 26 वर्ष के पास से 1 मोबाइल, सट्टा-पट्टी सहित नकदी 20,400 रुपए जब्त किया है। वहीं आरोपी चंद्रकुमार दासवानी 56 वर्ष के पास से 1 मोबाइल, सट्टा-पट्टी सहित नकदी 11,520 रुपए जब्त किया है। पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ जुआ एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

गांजा के साथ एक युवक गिरफ्तार

रायपुर(समय दर्शन)। थाना बालको पुलिस ने मुखबीर की सूचना पर एक युवक को ध्यानचंद चौक यात्री प्रतीक्षालय के पास गांजा के साथ पकड़ा है। आरोपी के खिलाफ नारकोटिक एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए करीब 1.150 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया है। पकड़े गए आरोपी का नाम अनीश मोहम्मद निवासी शिव नगर रुमगड़ा से उक्त नीले रंग के थैला के अंदर एक सफेद पॉलिथीन में रखे 1.150 किलोग्राम गाँजा को बरामद किया हुआ, आरोपी के कब्जे से गाँजा को जप्त कर आरोपी को गिरफ़्तार किया गया है और थाना बालको में 20 (ख) एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर आरोपी को न्यायिक रिमांड में भेज दिया गया है।

महादेव कावड़े ने कहा कि हम जिस मुकाम और जगह पर आज हैं वह सब बाबा साहब डॉ भीमराव अम्बेडकर की वजह से हैं।

शासकीय संयुक्त कर्मचारी संघ ने मनाई बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती

रायपुर(समय दर्शन)। नवा रायपुर अटल नगर में आज शासकीय संयुक्त कर्मचारी संघ द्वारा बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की 133 वीं जन्म जयंती समारोह मनाई गई। बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर की जयंती पर उपस्थित अधिकारियों ने बाबा साहब के जीवन दर्शन पर विस्तार से प्रकाश डाला। साथ ही डॉ. अंबेडकर के विचारों को आत्मसात करने का संकल्प लिया। अटल नगर नवा रायपुर में इंद्रावती भवन के समीप अम्बेडकर चौक में आयोजित कार्यक्रम में संचालक कोष लेखा एवं पेंशन श्री महादेव कावरे, सदस्य रेरा श्री धनंजय देवांगन, विभागीय जांच आयुक्त श्री दिलीप वासनीकर, अपर संचालक जनसंपर्क श्री आलोक देव, औद्योगिक न्यायालय के

जज श्री एस एल मात्रे, कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के संयोजक श्री कमल वर्मा, अपाक्स के अध्यक्ष श्री सत्येन्द्र देवांगन, सोजलीफ कोफाउंडर श्री अनिल बनज, विद्युत मंडल के अभियंता श्री राजकुमार सोनकर, विभागाध्यक्ष कर्मचारी संघ अध्यक्ष श्री राम सागर कोसले, श्री संतोष कुमार वर्मा व शासकीय संयुक्त कर्मचारी संघ अध्यक्ष श्री देवलाल भारती आदि अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने डॉ. अंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन कर आदरांजलि अर्पित किया। इस अवसर पर भारत के संविधान की उद्देशिका का सामूहिक वाचन किया गया। संचालक, कोष लेखा और पेंशन श्री महादेव कावड़े ने कहा कि हम जिस मुकाम और जगह पर आज हैं वह सब बाबा साहब डॉ भीमराव अम्बेडकर की वजह से हैं। भारत का संविधान, प्रावधान और बाबा साहेब के विचार को जन-जन तक पहुंचाने की आवश्यकता है। उन्होंने संविधान में स्वतंत्रता, समानता और भाई-चारे के प्रावधान भारत देश के हरेक व्यक्ति के लिए किया है। सदस्य रेरा श्री धनंजय देवांगन ने कहा कि बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर के कार्यो, संघर्ष, उपलब्धि और संविधान के बारे में सबको जानकारी है। हम उनके आदर्शों को अपनाने की बात करते हैं। डॉ भीमराव अम्बेडकर ने कहा था मेरे बाद करोड़ो भीमराव अम्बेडकर होना चाहिए। लेकिन आज तक उनके आदर्शों और व्यक्तित्व तक नहीं पहुँच पाएं हैं। शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ते रहना चाहिए। हमारा पूरा संविधान डॉ भीमराव अम्बेडकर ने ड्राफ्ट किया।

भाजपा का संकल्प पत्र नहीं जुमला पत्र है - कांग्रेस

भाजपा, संकल्प पत्र नहीं माफीनामा जारी करे - दीपक बैज

रायपुर(समय दर्शन)। कांग्रेस ने भाजपा के संकल्प पत्र को जुमला पत्र बताया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि पिछले दो बार के चुनावों में अपने वादों को भूल जाने वाले किस नैतिकता से नया संकल्प पत्र जारी किये है। भाजपा को जनता से नया वादा करने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। भाजपा के लिये घोषणा पत्र जिसे वे संकल्प पत्र कहते है, केवल जनता को ठगने का एक हथियार है। यह दल चुनाव में वोट लेने के बाद अपने संकल्प पत्र के वादों को खुद चुनावी जुमला बता देता हैं जनता में भाजपा और मोदी दोनों की ही विश्वसनीयता समाप्त हो चुकी है। भाजपा का संकल्प पत्र नहीं माफीनामा जारी करें। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि 2014 और 2019 के संकल्प पत्र के वादों के बारे में बात करने की भाजपाई हिम्मत नहीं करते। भाजपा बताये युवाओं के लिए सालाना 2 करोड़ नौकरियों देने का क्या हुआ? किसानों की आय दोगुनी करने का क्या हुआ? एमएसपी की कानूनी गारंटी का क्या हुआ? किसानों को लागत पर 50 प्रतिशत जोड़कर समर्थन मूल्य देने के वायदे का क्या हुआ? हर बैंक अकाउंट में 15-15 लाख देने का क्या हुआ? भाजपा बताये एससी, एसटी, के अधिकारों को सुरक्षित करने के वादे का क्या हुआ? एससी व एसटी पर 46 प्रतिशत व 48 प्रतिशत अपराध क्यों बढ़ा? महिला आरक्षण लागू करने व महिला अत्याचार रोकने का क्या हुआ? 100 स्मार्ट सिटी का क्या हुआ? भाजपा के सांसदों के द्वारा गोद लिये गांवो का क्या हुआ? 2020 तक गंगा सफ़ाई का क्या हुआ? 2022 तक हर परिवार के सर पर छत का क्या हुआ?

देश को विकसित बनाने की प्रतिबद्धता पर आधारित है 2024 की मोदी गारंटी

सबका साथ-सबका विकास के मूल मंत्र पर सभी वर्गों का होगा उत्थान-भाजपा

रायपुर(समय दर्शन)। रायपुर सांसद सुनील सोनी ने कहा है कि भाजपा ने लोकसभा चुनाव के अपने संकल्पपत्र को मोदी की गारंटी-2024 नाम दिया है, क्योंकि मोदी की गारंटी की सभी वादे केंद्र की सरकार ने पूरे किए है। आज देश ही नहीं छत्तीसगढ़ में भी विधानसभा चुनाव में भाजपा ने मोदी की गारंटी पर चुनाव लड़ी थी, जिस पर जनता ने विश्वास किया और कांग्रेस की कुशासन वाली भूपेश सरकार को सत्ता से उखाड़ फेंका। इस बार भी लोकसभा चुनाव में प्रदेश की जनता केंद्र की मोदी गारंटी पर विश्वास करते हुए यहां छत्तीसगढ़ में डबल इंजन वाली सरकार बनाकर विकसित भारत के संकल्प को पूरा करेगी। विधानसभा चुनाव में मोदी की गारंटी की अधिकांश वादों को विष्णुदेव सरकार ने पूरा कर दिया है। भाजपा संकल्प पत्र के सभी वादों को पूरा करने का नाम ही मोदी की गारंटी है। सांसद सुनील सोनी ने कहा कि सबका साथ-सबका साथ के मूत्र मंत्र के साथ केंद्र की मोदी सरकार 10 साल तक एक नए भारत को गढ़ने का काम किया है। यही वजह रही है कि कोरोना काल के आपदा काल और वैश्विक मंदी के बावजूद देश को विश्व की पांचवी अर्थव्यवस्था बनाने का ऐतिहासिक काम प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने किया है। आने वाले 2029 तक देश को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में तीसरी अर्थव्यवस्था बनने से कोई नहीं रोक सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में 25 करोड़ों लोगों को गरीबी रेखा से बाहर आ चुके हैं। सांसद सुनील सोनी ने कहा कि पूर्ववर्ती केंद्र की कांग्रेस की सरकारों में भ्रष्टाचार का इस कदर पूरी व्यवस्था में फैला हुआ था कि विकास के लिए राज्य में आने वाले पैसे की लूट मचती थी। यूपीए की सरकार में देश की अर्थव्यवस्था पूरी तरह से खोखली हो गई थी। लेकिन मोदी की सरकार ने सरकार ने हर वर्ग के लिए बनाई गई जनकल्याणकारी योजनाओं को लागू करने में पारदर्शिता का ऐसा सिस्टम विकसित किया, जिसमें भ्रष्टाचार की कोई गुंजाइश नहीं बची है।

ये भाजपा का नहीं विकसित भारत निर्माण का संकल्प पत्र है : अरुण साव

रायपुर(समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने भाजपा के संकल्प पत्र को विकसित भारत के निर्माण का संकल्प पत्र बताते हुए कहा कि एक आत्मनिर्भर भारत, एक सशक्त भारत एक समृद्ध भारत का ये संकल्प पत्र है। श्री साव ने आगे कहा कि संकल्प पत्र सबका साथ सबका विकास, सबका विश्वास सबका प्रयास वाला संकल्प पत्र है. उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने मीडिया से चर्चा में कहा कि पिछले 10 सालों में मोदी जी ने विश्वसनीयता बनाई है. देश के लोगों को के जीवन को सुलभ बनाया है. मोदी जी ने देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत किया है. ये निश्चित रूप से भारत के विकसित भारत के संकल्प का संकल्प पत्र है. 400 पार का नारा भी धरातल में आने वाला है.कांग्रेस के न्याय गारंटी और संकल्प पत्र में से जनता किस पर भरोसा करेगी वाले सवाल पर अरुण साव ने कहा कि कांग्रेस पार्टी के वादे और दावों को देश की जनता परख चुकी है. कांग्रेस पार्टी हमेशा झूठा वादा करती है, झूठ का पुलिंदा लेकर आती है. सरकार में आने के बाद कांग्रेस जनता को भूल जाती है. छत्तीसगढ़ में हमने देखा था सरकार में बड़े-बड़े वादे लेकर आए और एक भी वादा पूरा नहीं किया. देश और प्रदेश की जनता कांग्रेस के झूठे वादों पर नहीं आने वाली है.कल्प पत्र की घोषणा के दौरान छत्तीसगढ़ से योजनाओं से लाभान्वित महिलाओं को बुलाए जाने पर डिप्टी सीएम अरुण साव ने कहा कि देश भर में भाजपा सरकार की योजनाओं का लोगों को लाभ मिला है. उनके अनुभवों को भी पार्टी ने देश के सामने रखा है. किस प्रकार से उनके जीवन में बीजेपी सरकार के कारण परिवर्तन आए है.

डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती पर दिलाई गई मतदान की शपथ

रायपुर(समय दर्शन)। नवा रायपुर अटल नगर में आज शासकीय संयुक्त कर्मचारी संघ द्वारा बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारी-कर्मचारियों और नागरिकों को मतदान के महत्व को बताते हुए मतदाता जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। रेरा के सदस्य श्री धनंजय देवांगन ने कहा कि मतदान हमारा अधिकार भी है और कर्तव्य भी। लोकतंत्र के महापर्व में सबकी भागीदारी आवश्यक है। इसके साथ ही कार्यक्रम में उपस्थित सभी को मतदान करने तथा कराने की शपथ दिलाई। इस अवसर पर संचालक कोष लेखा एवं पेंशन श्री महादेव कावरे, विभागीय जांच आयुक्त श्री दिलीप वासनीकर, अपर संचालक जनसंपर्क श्री आलोक देव, औद्योगिक न्यायालय के जज श्री एस एल मात्रे, कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के संयोजक श्री कमल वर्मा, अपाक्स के अध्यक्ष श्री सत्येन्द्र देवांगन, सोजलीफ कोफाउंडर श्री अनिल बनज, विद्युत मंडल के अभियंता श्री राजकुमार सोनकर, विभागाध्यक्ष कर्मचारी संघ अध्यक्ष श्री राम सागर कोसले, श्री संतोष कुमार वर्मा व शासकीय संयुक्त कर्मचारी संघ अध्यक्ष श्री देवलाल भारती, सुश्री कांति सूर्यवंशी सचिव मंत्रालय संघ, सुश्री प्रीति चौरे, श्री वीरेंद्र मीरचे, राजेश हीरा, आर के पात्रे, शैलेन्द्र बोरकर, हरीश कंवर, शेंडे जी, टेम्बुरने जी, महेंद्र बागडे, बी एल साहू आदि अधिकारी-कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

नई दिल्ली में लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से मुलाकात के दौरान आप नेता संजय सिंह।

अवैध शराब बेचते चार गिरफ्तार

रायपुर(समय दर्शन)। राजधानी पुलिस ने अवैध शराब बेचने वाले कोचियों के खिलाफ अभियान चलाकर अलग-अलग थाना क्षेत्रों में 4 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से कुल 493 पाव देशी शराब, 2 नग एक्टिवा वाहन व बिक्री रकम 35400 रुपए जब्त किया है। मिली जानकारी के अनुसार माना पुलिस ने कमल विहार चौक के पास सरेआम शराब पीते आरोपी हरीश कुर्रे 24 वर्ष के पास से 15 पाव देशी शराब जब्त किया है। वहीं विधानसभा पुलिस ने दो अलग-अलग एक्टिवा वाहन में सवार आरोपी जगदीप नागवंशी 23 वर्ष व नरेन्द्र पठारी 23 वर्ष को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इन दोनों के पास से कुल 460 पाव देशी शराब, बिक्री रकम 35400 रुपए और दो नग एक्टिवा वाहन जब्त किया है। वहीं आमानाका पुलिस ने आरोपी संतोष चौहान 50 वर्ष के पास से 18 पाव देशी शराब जब्त किया है।

महादेव सट्टा ऐप को चालू रखने के लिए भाजपा ने कितना चंदा लिया - भूपेश बघेल

अमित शाह झूठ परोस कर गये

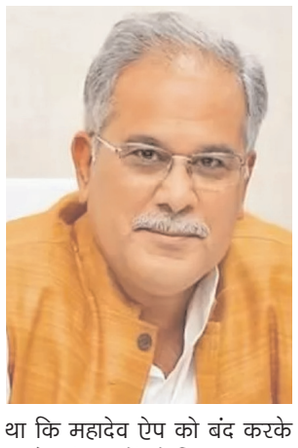

रायपुर(समय दर्शन)। पूर्व मुख्यमंत्री और राजनांदगांव संसदीय क्षेत्र के कांग्रेस प्रत्याशी भूपेश बघेल ने कहा है कि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह खैरागढ़ की चुनावी सभा में राज्य की भाजपा सरकार के कारनामों को छिपाकर बड़े बड़े झूठ बोलकर चले गए. उन्होंने महादेव ऐप के बारे में तो ढेर सारी बातें की लेकिन यह नहीं बताया कि अब जबकि डबल इंजन की सरकार है तो महादेव ऐप क्यों चल रहा है? उन्हें बताना चाहिए कि भाजपा ने महादेव ऐप को चालू रखने के लिए चलाने वालों से कितना चुनावी चंदा लिया है? भूपेश बघेल ने कहा है कि महादेव ऐप पर कार्रवाई तो कांग्रेस की सरकार ने की थी और केंद्र की भाजपा सरकार से अनुरोध किया था कि महादेव ऐप को बंद करके उसके संचालकों को गिरफ़्तार कर लें लेकिन गिरफ़्तारी तो दूर की बात केंद्र सरकार ने महादेव ऐप को बंद तक नहीं करवाया. उन्होंने पूछा कि क्या वजह है कि महादेव सट्टा ऐप अभी भी बिना रोक टोक चल रहा है तो भाजपा ने उनसे कितना चंदा लिया है? श्री बघेल ने कहा है कि अगर वे सच में सट्टेबाज़ी के खिलाफ होते तो केंद्र की भाजपा सरकार सट्टेबाज़ी पर जीएसटी वसूलकर उसे कानूनी रूप नहीं देती. उन्होंने कहा है कि राजनीतिक रूप से भाजपा लड़ नहीं पा रही है तो बेवजह आरोप लगाकर कांग्रेस को बदनाम करने की साज़िश रच रही है. उन्होंने कहा कि धर्म की बात करने वाले अमित शाह को बताना चाहिए उनकी पार्टी की सरकार ने गाय की देखभाल के लिए बने गौठानों को बंद कर दिया? क्यों गोबर की खरीदी बंद हो गई? और क्या वजह है कि भाजपा की सरकार बनते ही गौ-तस्करी शुरू हो गई? और गौ तस्करी इसी राजनांदगांव ज़िले के बाघ नदी वाली सीमा से हो रही है. अमित शाह को यह भी बताना चाहिए कि यदि वे इतने ही गौरक्षक हें तो उनकी पार्टी ने गौमांस तैयार करने वाली कंपनी से करोड़ों रुपयों का चंदा क्यों लिया? अमित शाह पर तमाम तरह के झूठ बोलने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा, हमने गंगाजल हाथ में लेकर किसानों की कर्जमाफ़ी और प्रति क्विंटल 2500 रुपए देने का वादा किया था और वह हमने समय पर पूरा कर दिया था. शराबबंदी को लेकर कोई शपथ हमने नहीं ली थी और हम धीरे धीरे शराबबंदी की ओर बढ़ रहे थे. भूपेश बघेल ने कहा कि या तो प्रदेश के भाजपा नेता अमित शाह को सच नहीं बता रहे हैं, या फिर अमित शाह आदतन झूठ बोल रहे हैं. तीन साल में नक्सली समस्या हल करने के दावे को आड़े हाथों लेते हुए भूपेश बघेल ने कहा कि छत्तीसगढ़ की जनता इस बात की गवाह है कि भाजपा की सरकार बनते ही बस्तर में नक्सली घटनाएं बढ़ गई हैं. उन्होंने कहा कि हमारी सरकार के पांच साल में नक्सलियों के नाम पर आदिवासियों की प्रताड़ना बंद हो गई थी पर भाजपा की सरकार आते ही फ़र्ज़ी एनकाउंटर फिर शुरु हो गए हैं. इसलिए कम से कम भाजपा को नक्सली हिंसा खत्म करने की बात नहीं करनी चाहिए. संसद का चुनाव लड़ने के सवाल पर उन्होंने कहा कि भाजपा ने पहले अपने केंद्रीय मंत्रियों को विधानसभा का चुनाव लड़वा दिया फिर न मुख्यमंत्री बनाया न मंत्री और अब वे प्रदेश के एक ताक़तवर मंत्री को संसद का चुनाव क्यों लड़वा रहे हैं? उन्होंने कहा कि जनता सब समझती है और एक निष्क्रिय सांसद को मोदी के नाम पर वोट डलवाने की अमित शाह की साज़िश का ठीक तरह से जवाब देगी।

डॉ. अंबेडकर के आदर्शों पर चलते हुए गरीबों-वंचितों के हित में काम कर रही भाजपा - बृजमोहन

रायपुर(समय दर्शन)। भारतीय संविधान के निर्माता बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर ने अपना जीवन सामाजिक न्याय के लिए समर्पित कर दिया और उन्होंने हमेशा ही समाज के वंचित वर्गों के उत्थान के लिए काम किया। यह बात रायपुर लोकसभा से भाजपा प्रत्याशी मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने अंबेडकर जयंती के अवसर पर कहीं। राजधानी के कचहरी चौक पर आयोजित कार्यक्रम में बृजमोहन अग्रवाल ने बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनको नमन किया। उन्होंने बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती की सभी को हार्दिक बधाई दी। लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि बाबासाहेब ने शिक्षा को सबसे महत्वपूर्ण बताया था। उन्होंने कहा था कि, शिक्षा ही एकमात्र ऐसा हथियार है जिससे आप अपनी गरीबी और पिछड़ेपन को मिटा सकते हैं। आज यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार उनके आदर्शों पर चलते हुए कार्य कर रही है। देश भर एकलव्य स्कूल, केंद्रीय विद्यालय नवोदय विद्यालय समेत सैकड़ों शिक्षा के नए संस्थान खोले जा रहे है। इतना ही नहीं पिछले 10 साल के मोदी कार्यकाल के दौरान एम्स आईआईटी, एनआईटी,नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी जैसे उच्च शिक्षण संस्थान में भी बढ़ोतरी हुई है। केंद्र और राज्य भाजपा सरकार की अनेकों योजनाएं गरीबों, महिलाओं को ध्यान में रखकर बनाई गई है जिनका फायदा समाज के लोग उठा रहे हैं और उनके जीवन स्तर ऊंचा उठ रहा है। बृजमोहन अग्रवाल ने लोगों से आह्वान किया कि, आइए हम सब बाबा साहेब के जीवन और शिक्षाओं से प्रेरणा लें और एक ऐसे भारत का निर्माण करने का संकल्प लें जो बाबा साहेब के सपनों का भारत हो। जहां सभी को समान अधिकार और कार्य करने के अवसर प्राप्त हो।

संपादकीय

सीएम ममता का हास्यास्पद तर्क

पश्चिम बंगाल में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) टीम पर हमले और फिर एफआईआर, चोरी और सीनाजोरी का मामला है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और उनकी सरकार की नजर में कोई भी केंद्रीय जांच एजेंसी; एनआईए, ईडी या सीबीआई हो, वे सब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की निजी एजेंसियां हैं। इनका इस्तेमाल वे सूबे की सत्ता हासिल करने में करते हैं। लिहाजा, तृणमूल कांग्रेस (तृमूकां) ने निर्वाचन आयोग से मिलकर अनुरोध किया है कि वह भाजपा का चुनावी हित साधने में जांच एजेंसियों के दुरु पयोग रोके। तृमूकां का वहां अपनी बात रखने और उस पर उचित कार्रवाई की आशा का पूरा अधिकार है। पर अंधाधुंध विरोध में ममता इस बात को भूल जाती हैं कि वे केवल तृमूकां की अभियानी नेता भर नहीं हैं। वे मुख्यमंत्री जैसे एक संवैधानिक पद पर हैं, जिसका काम प्रदेश के साथ राष्ट्रीय एकता, सम्प्रभुता और अखंडता की रक्षा का भी है। यह तभी हो सकता है कि जब राज्य एवं संघ के कर्त्तव्यों का पालन किया जाए। पहले ईडी और अब एनआईए मामले में ऐसा नहीं हुआ है। एनआईए की टीम 2022 के एक आतंकवादी मामले में दो आरोपितों को गिरफ्तार करने पहुंची थी, उस पर उनके समर्थकों, जिन्हें कांग्रेस नेता अधीर रंजन 'दीदी के गुंडे' कहते हैं, ने हमला कर दिया। मुख्यमंत्री एनआई टीम की कार्रवाई का सपोर्ट करने, उसे पुलिस सुरक्षा देने और हमलावरों की गिरफ्तारी का निर्देश देने के बजाय हास्यास्पद तर्क दे रही हैं। ममता मुख्यमंत्री हैं, उनके अधीन पुलिस समेत राज्य की कई जांच एजेंसियां हैं, जिनकी रात की रेड एक रूटीन-वर्क है। इसी बिना पर एनआईए की रेड का विरोध गैरजिम्मेदाराना है। ममता यह भी जानती हैं कि आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए गई कोई भी टीम, अगर वह पुलिस से अभिरक्षित नहीं है तो गुस्साए परिजनों के हमले का खुला द्वार होती है। बदसलूकी का उस पर इल्जाम तो मामूली बात है जबकि यह कानूनी कार्रवाई में बाधा डालने और अफसरों पर हमले का मामला था, जिसकी प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। ममता क्या बताएंगी कि संदेशखालि का मामला इतनी ही फुर्ती से क्यों दर्ज नहीं हो सका था? दरअसल, एनआईए प्रकरण से ममता सरकार में संरक्षित आतंकवाद की फिर पोल-पट्टी खुल गई है। ऐसा करके वे चंद वोटों को ही गारंटिड कर सकी हैं। उसी समुदाय के अधिकतर लोगों एवं सूबे का भरोसा हार गई हैं, जिनकी कामना आतंकवाद-मुक्त शांतिपूर्ण-सहअस्तित्व की है।

केजरीवाल की भूमिका

दिल्ली उच्च न्यायालय ने मुख्यमंत्री केजरीवाल की गिरफ्तारी और रिमांड को 'वैध' और 'न्यायसंगत' करार दिया है। केजरीवाल और आम आदमी पार्टी (आप) को अदालत ने तब करारा झटका दिया, जब उसने शराब नीति और कथित घोटाले में दोनों की संलिप्तता भी मानी। अदालत ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के साक्ष्यों और दस्तावेजों के सौजन्य से कहा कि केजरीवाल साजिश में शामिल थे। उन्होंने 'आप' के राष्ट्रीय संयोजक के तौर पर घूस भी मांगी थी। रिश्वत का पैसा गोवा चुनाव में खर्च किया गया। उसकी मनी ट्रेल भी स्पष्ट है। कानून की दृष्टि से मुख्यमंत्री को कोई विशेषाधिकार नहीं है कि उनकी गिरफ्तारी चुनाव के समय पर न की जाती। ईडी ने जो सामग्री, तथ्य, ई-मेल और व्हाट्स एप चैट के ब्योरे अदालत के सामने रखे हैं, वे सही और पर्याप्त हैं। जांच एजेंसी ने सबूतों के आधार पर गिरफ्तारी की है। केजरीवाल गवाहों से 'क्रॉस' कर सकते हैं। जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा ने गंभीरता से यह टिप्पणी की है कि सरकारी गवाहों पर उंगली उठाना अदालत और न्यायाधीश पर आक्षेप लगाना है। अदालत का सरोकार संवैधानिक नैतिकता के प्रति है। अदालत पर कोई राजनीतिक प्रभाव नहीं होता और न ही उसे चुनाव के समय, चुनावी टिकट और चुनावी बॉन्ड से कोई लेना-देना है। सरकारी गवाहों के बयान पीएमएलए और धारा 164 में न्यायाधीश के सामने लिए गए हैं। सरकारी गवाह का प्रावधान सैकड़ों साल पुराना है। ऐसे में यह नहीं कहा जा सकता कि इन प्रावधानों का उपयोग केजरीवाल को फंसाने के लिए किया गया। यह मामला ईडी और केजरीवाल के बीच का है। इसमें केंद्र की कोई भूमिका नहीं है। केजरीवाल ने उच्च न्यायालय में उनकी गिरफ्तारी और रिमांड को चुनौती दी थी, गलत करार दिया था, लेकिन जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा ने इन टिप्पणियों के साथ केजरीवाल की अर्जी को खारिज कर दिया। केजरीवाल और 'आप' के सामने अब भी सर्वोच्च अदालत में इस फैसले को चुनौती देने का संवैधानिक विकल्प शेष है, लेकिन उच्च न्यायालय के स्तर पर यह तथ्य स्थापित हो चुका है कि शराब नीति बनाने और उसकी आड़ में घूस मांगने के कथित अपराध में केजरीवाल भी संलिप्त थे। बेशक 'आप' के नेता और प्रवक्ता दलीलें देते रहें कि चवन्नी भी बरामद नहीं हुई है। केजरीवाल को फंसाना और जेल तक पहुंचाना अभी तक की सबसे बड़ी राजनीतिक साजिश है। भाजपा 'आप' को कुचल देना चाहती है, दिल्ली की सरकार गिराने के उसके मंसूबे हैं। 'आप' राजनीतिक स्तर पर कितने भी अभियान चलाए, लेकिन अदालत के सामने ठोस साक्ष्य हैं। उन्हें अदालत ने बुनियादी तौर पर स्वीकार भी किया है। हवाला ऑपरेटर्स के बयान भी मौजूद हैं। जिन्होंने घूस की राशि दी है, उनके बयान, ई-मेल, व्हाट्स एप चैट, बैठकों और मुलाकातों आदि के ब्योरे भी उपलब्ध हैं। केजरीवाल और 'आप' किस-किस को झुठलाने की कोशिश करेंगे। दरअसल केजरीवाल एक चक्रव्यूह में फंस चुके हैं। उनकी कानूनी टीम और अन्य सलाहकारों ने गलत सलाह दी। केजरीवाल को ईडी के 9 समन्स को खारिज नहीं करना चाहिए था। अब जो कानूनी निष्कर्ष सामने हैं, वे उच्च न्यायालय के हैं। किसी के खोखले आरोप नहीं हैं। नौबत यहां तक पहुंच चुकी है कि यदि 'आप' का भ्रष्टाचार भी साबित हो गया और 'आप' के राष्ट्रीय संयोजक के नाते केजरीवाल का अपराध भी साबित हो गया, तो चुनाव आयोग 'आप' की मान्यता भी रद्द कर सकता है। 'आप' के प्रवक्ताओं को शरत रेड्डी और 60 करोड़ रुपए के चुनावी चंदे और भाजपा की वाशिंग मशीन में धुल कर आरोपितों के पाक-साफहोने सरीखे तर्कों के अलावा कुछ और भी ठोस तर्क देने होंगे।

प्रधानमंत्री मोदी की राष्ट्र नीति बनाम राजनीति

राकेश कुमार आर्य -

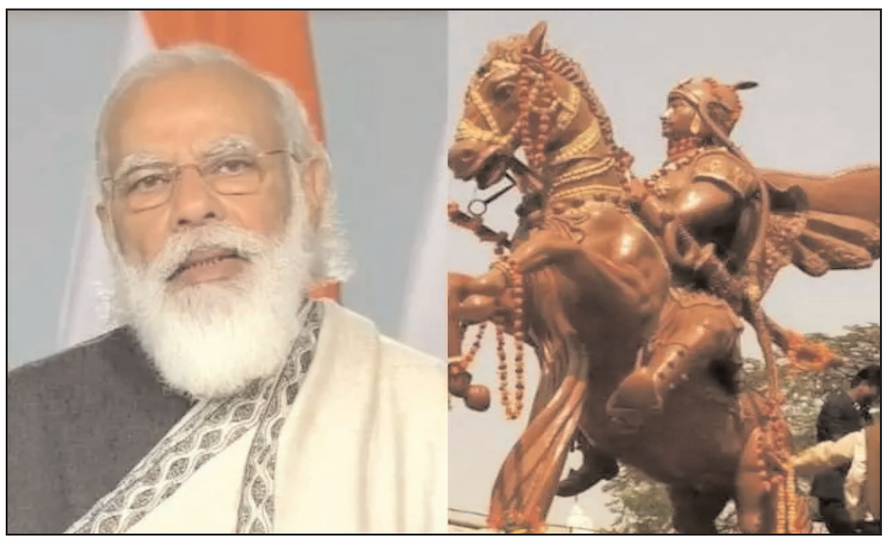

31 जनवरी 2024 को देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित किया और अपना बजट भाषण प्रस्तुत किया। 5 फरवरी को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रपति के बजट अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर लोकसभा में अपना भाषण दिया । उन्होंने अपने भाषण में अपने 10 वर्ष के कार्यकाल की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। इससे पहले देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू सरकार की उपलब्धियों पर अपना भाषण दे चुकी थीं। स्पष्ट है कि इस प्रकार के भाषण को देश का विपक्ष कतई बर्दाश्त नहीं कर सकता था। यही कारण रहा कि विपक्ष ने अपनी परंपरागत नीति , रणनीति और राजनीति का परिचय देते हुए बजट भाषण की कटु आलोचना की। लोकतंत्र की खूबसूरती ही यह होती है कि वह आलोचना का अवसर प्रदान करता है, पर इस खूबसूरती का भारत का विपक्ष पिछले 10 वर्ष से अनुचित लाभ उठा रहा है। देश का विपक्ष आलोचना के अपने अधिकार को नकारात्मकता में ढालकर प्रस्तुत करता है। इसलिए वह सरकार की अच्छाइयों में भी कमी निकालने का प्रयास करता रहता है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने अपने भाषण में अपनी सरकार की उपलब्धियों को इंगित करते हुए कहा कि ₹10 साल में टूरिज्म सेक्टर में अभूतपूर्व उछाल आया है। देश में कम से कम पूंजी निवेश में अधिक से अधिक लोगों को रोजगार देने वाला अवसर बना । 10 साल में देश के एयरपोर्ट दुगुने बने। भारत दुनिया का तीसरा बड़ा एविएशन केंद्र बना। भारत की जो एयरलाइंस हैं, उन्होंने 1000 नए एयरक्राफ्ट का ऑर्डर दिया। जब यह एयरक्राफ्ट आएंगे तो रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। पायलट ग्रुप टेक्निकल स्टाफ को नौकरी मिलेगी। इकोनॉमी को फॉर्मूलाइज करना हमारी जिम्मेदारी है। लोगों को नौकरी मिले, सिक्योरिटी मिले, यह सुनिश्चित करना सरकार की जिम्मेदारी है।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने शासनकाल में प्रत्येक क्षेत्र में पारदर्शिता को प्राथमिकता देने का निश्चय किया। जिसका एक सकारात्मक परिणाम भी हम सबके सामने दिखाई दे रहा है कि शासन की नीतियों में पहले की अपेक्षा बहुत अधिक पारदर्शिता है । अब बिचौलियों के लिए गरीबों को लूटना बड़ा कठिन हो गया है। एक समय वह भी था जब देश के प्रधानमंत्री ने देश की संसद में खड़े होकर कहा था कि हम यदि यहां से ?1 लोगों के कल्याण के लिए भेजते हैं तो नीचे तक 15 पैसे ही पहुंचते हैं।

कांग्रेसी शासनकाल में 10 करोड फर्जी लोग (स्त्री पुरुष) ऐसे थे जो गलत ढंग से सरकारी योजनाओं का लाभ ले रहे थे। इन सारे फर्जी लोगों को इन सरकारी योजनाओं का लाभ देने से रोक दिया गया। इससे स्पष्ट होता है कि कांग्रेस के शासनकाल में देश के खजाने को सरकार में बैठे लोगों के साथ मिलकर लूटा जा रहा था। ऐसी अनेक महिलाएं थीं जिनका कभी जन्म ही नहीं हुआ पर वह विधवा पेंशन ले रही थीं। प्रधानमंत्री ने इनकी संख्या 3 करोड़ बताई। यहां पर यह बात भी उल्लेखनीय है कि कश्मीर में भी ऐसे अनेक अलगाववादी आतंकवादी सोच के लोग रहे जिन्हें कांग्रेस की सरकार करोड़ों रुपया यह सोच कर देती रही कि इससे वह देश की मुख्यधारा में सम्मिलित होकर काम करेंगे , पर ऐसा हुआ नहीं। मोदी सरकार ने निसंकोच ऐसे अलगाववादियों को अलगाववादी कहा और उनकी ऐसी सरकारी सुविधाऐं समाप्त कर दी गईं। सचमुच मोदी जी का यह एक ऐतिहासिक निर्णय था। उस समय इस निर्णय पर भी विपक्ष के सेकुलर गैंग ने शोर शराबा किया था, पर आज इस पर कोई चर्चा नहीं होती। क्योंकि सबने इस बात को मान लिया है कि मोदी जी के द्वारा उस समय एक ऐसी गलती को सुधारा गया था जो देश विरोधियों को प्रोत्साहित करते हुए सरकार के द्वारा की जा रही थी। हम सभी यह भली प्रकार जानते हैं कि आज भारत विश्व की अग्रणी डिजिटल अर्थव्यवस्था है। सुनियोजित विकास के लिए सुनियोजित दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है और यह बात इस डिजिटल अर्थव्यवस्था में स्पष्ट दिखाई देती है। इस डिजिटल अर्थव्यवस्था के चलते सस्ता मोबाइल मिलना आरंभ हुआ। इससे देश के युवाओं का दृष्टिकोण बदला। देश के युवाओं को रोजगार के नए अवसर उपलब्ध हुए। देश के इतिहास में हजारों वर्ष से मछुआरे अपनी आजीविका के लिए मछली पालन को एक उद्योग के रूप में अपनाते चले आए हैं। परंतु इनके लिए कोई अलग मंत्रालय नहीं था । आजादी के बाद मछुआरों और मछली उद्योग के लिए निश्चित रूप से एक अलग मंत्रालय की आवश्यकता थी, पर ऐसा किया नहीं गया। यद्यपि भारत का बहुत बड़ा भाग समुद्र से जुड़ा होने के कारण बड़ी संख्या में ऐसे लोग हैं जिनका मछली पालन से आजीविका का संबंध जुड़ा हुआ है। मोदी जी ने इन सभी लोगों के कल्याण के लिए एक अलग मंत्रालय की स्थापना की। पशुओं के स्वास्थ्य और चिकित्सा के प्रति भी सरकार ने गंभीरता और संवेदनशीलता दिखाते हुए पशुओं को 50 करोड़ से अधिक के टीके लगाए। प्रधानमंत्री के अनुसार यह नये आर्थिक साम्राज्य की नई पहचान है। घरेलू महिलाओं को ग्रहिणी के रूप में मान्यता और सम्मान दिलाने की दिशा में भी मोदी सरकार ने विशेष पहल की। भारत में प्राचीन काल से ही महिला को गृहस्वामिनी का सम्मान सूचक संबोधन दिया जाता रहा है। आज इस दिशा में आगे बढ़ते हुए काम किया गया है । जिसके परिणाम स्वरूप देश की अनेक ग्रहिणियों के नाम से बिजली के बिल, कनेक्शन आते हैं। घर महिलाओं के नाम हो रहे हैं। गर्भवती महिलाओं को पहले नौकरी जाने का खतरा रहता था, पर अब 36 सप्ताह की छुट्टी उन्हें मिलती है और इसका वेतन भी उनको यथावत प्राप्त होता रहता है। इससे महिलाओं को विशेष सम्मान प्राप्त हो रहा है।

भारत के परंपरागत समाज में बेटियों को बोझ माने जाने की बीमारी आजादी के बाद भी चली आ रही थी। नई बच्चियों के कल्याण के लिए प्रधानमंत्री मोदी और उनकी सरकार ने कुछ विशेष योजनाएं चलाकर उनके प्रति भी समाज के दृष्टिकोण को बदलने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। सुकन्या समृद्धि खाता खोलकर बालिकाओं के कल्याण की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य किया गया है। 3 करोड़ लखपति दीदी बनाकर प्रधानमंत्री ने बालिकाओं के प्रति अपने स्वस्थ राजनीतिक दृष्टिकोण का परिचय दिया है। हमारे देश में अनेक समुदाय ऐसे रहे हैं जो अपने परंपरागत रोजी-रोटी के माध्यम से आजीविका चलाते हैं। आजीविका के ये साधन वास्तव में हमारी वर्ण व्यवस्था के प्रतीक रहे हैं। कांग्रेस के शासनकाल में परंपरागत रोजगारों को या आजीविका के साधनों को आगे बढ़ाने की दिशा में कोई काम नहीं किया गया। वस्तुत: उस समय इस प्रकार के परंपरागत रोजगारों को समाप्त करने की दिशा में काम किया जा रहा था। जिससे कुंभकार, बढई, लोहार आदि कामगारों का काम छिनता जा रहा था। उनके कामों को बड़ी-बड़ी कंपनियां छीनती चली जा रही थीं। सरकार इस प्रकार की रोजगार छीनने वाली नीतियों को अपना संरक्षण प्रदान कर रही थी। जिससे देश में भुखमरी, गरीबी, फटेहाली बढ़ती जा रही थी। प्रधानमंत्री ने इस प्रकार बढ़ती हुई भुखमरी, फटेहाली और गरीबी पर अंकुश लगाने के लिए लोगों के परंपरागत रोजगार उन्हें सरकारी नीतियों का लाभ दिलाते हुए दिलाने शुरू किये। जिन क्षेत्रों पर चाइनीज वस्तुओं ने अपना एकाधिकार बना लिया था, देश के लोगों ने उनका माल खरीदना बंद कर दिया है और अपने देश के परंपरागत कामगारों द्वारा बनाई जा रही चीजों को बड़ी शान के साथ खरीद रहे हैं। दीपावली के त्यौहार को ही लें । अब हम चीनी दीपक न लेकर अपने कुंभकार भाइयों द्वारा बनाए जा रहे दीपकों को लेने में रुचि दिखाने लगे हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने विश्वकर्मा साथियों के लिए विश्वकर्मा योजना लागू की। 55 करोड लोगों को आयुष्मान कार्ड जारी किया गया। जिससे गरीब लोगों को सरकारी अस्पतालों में जाकर अपना उपचार करवाने में सुविधा प्राप्त हुई है। यह बात और भी अधिक अच्छी है कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने ऐसे कार्ड जारी करने से पहले किसी का मजहब नहीं पूछा। 11 करोड़ परिवारों को पीने का शुद्ध पानी नलों से दिया जा रहा है। 80 करोड लोगों को मुफ्त अनाज की सुविधा प्रदान की गई है। जिससे देश में लोगों ने राहत की सांस ली है। अनेक परिवारों की यह चिन्ता समाप्त हो गई है कि शाम को रसोई में कुछ बनेगा या नहीं। अनेक रेहड़ी पटरी वाले लोगों को भी सरकारी लोन अब मिल सकता है। जिससे वह अपनी आजीविका चलाने के लिए कोई साधन तैयार कर पा रहे हैं। सकारात्मक परिणाम देने वाली इन नीतियों के चलते प्रधानमंत्री मोदी के शासनकाल में 25 करोड लोगों को गरीबी से बाहर लाने में सफलता प्राप्त हुई।

यह सारे आंकड़े बता रहे हैं कि सरकारी नीति में नीतियों में आलोचना की कोई गुंजाइश हो सकती है पर उनका दृष्टिकोण निश्चित रूप से राष्ट्रहित से जुड़ा हुआ है जनकल्याण करना ही लोकतंत्र में राजनीति और शासन का उद्देश्य होता है। इसी को प्रधानमंत्री मोदी राष्ट्रनीति के नाम से पुकारते हैं। वास्तव में देश के लिए राजनीति की ओच्छी चालों की बजाय राष्ट्रहित को दृष्टिगत रखकर काम करने वाली शुद्ध, विशुद्ध ,परिशुद्ध राष्ट्रनीति की ही आवश्यकता है।

भारत का सकल घरेलू उत्पाद अगले 50 वर्षों में 52 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का हो जाने की संभावना

प्रह्लाद सबनानी

गोल्डमेन सेच्स नामक अंतरराष्ट्रीय निवेश संस्थान ने अपने एक रिसर्च पेपर में बताया है कि आगे आने वाले 50 वर्षों में भारत का सकल घरेलू उत्पाद 52 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का हो जाएगा। इस प्रकार भारत इस संदर्भ में अमेरिका को भी पीछे छोड़ते हुए विश्व में प्रथम स्थान पर आ जाएगा। वर्तमान में भारत विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच सबसे तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष एवं विश्व बैंक आदि विभिन्न वित्तीय संस्थानों ने भी आगे आने वाले समय में भारत की आर्थिक वृद्धि दर को 7.2 प्रतिशत रहने की प्रबल संभावनाएं जताई हैं। जबकि, आज विश्व के कई देश, विशेष रूप से ब्रिटेन, जर्मनी आदि, आर्थिक संकुचन के दौर से गुजर रहे हैं। रूस यूक्रेन युद्ध के चलते कई विकसित देश तो ऊर्जा की कमी के संकट से जूझ रहे हैं। भारत के विदेशमंत्री, डॉक्टर एस जयशंकर भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विश्व के लगभग समस्त सशक्त देशों के साथ अच्छे सम्बंध बनाने में सफल रहे हैं। आज रूस को भी भारत की आवश्यकता है तो अमेरिका को भी। रूस, भारत को कच्चे तेल एवं सुरक्षा के लिए भारी मात्रा में शस्त्र उपलब्ध कराता है। वर्ष 2022 में भारत ने रूस से 4,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर का सामान आयात किया था। वर्ष 2023 में यह बढ़कर 5,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर होने की प्रबल सम्भावना है। वहीं अमेरिका, भारत को अपना स्ट्रेटेजिक सहयोगी मानता है। आज विश्व की समस्त बड़ी शक्तियां भारत के साथ सौहार्द पूर्ण सम्बंध चाहती हैं। रूस, अमेरिका, यूरोपीयन देश एवं अरब देश भारत के साथ अपने व्यापार को विस्तार देना चाहते हैं। रूस भी भारत के साथ अच्छे सम्बंध चाहता है तो यूक्रेन भी। उधर इजराईल भी भारत के साथ अच्छे सम्बंध चाहता है तो इरान भी। भारत जी-20 समूह का सदस्य है तो भारत यू2आई2 एवं ब्रिक्स का भी सदस्य है। इस प्रकार कुल मिलाकर भारत का डंका आज पूरे विश्व में बज रहा है। आज भारत के पास विश्व की चौथी सबसे बड़ी फौज है। पश्चिमी बॉर्डर पर चीन से युद्ध की स्थिति में भारत आज इससे निपटने को पूर्णत: तैयार है।

भारत के पास आज युवा जनबल है। भारत की 66 प्रतिशत जनसंख्या 35 वर्ष की कम आयु की है। 40 प्रतिशत जनसंख्या 13 से 35 वर्ष के बीच में है। भारत के पास 35 वर्ष से कम आयु की जनसंख्या अमेरिका की कुल जनसंख्या से भी अधिक है। इसके विपरीत चीन, जापान, इटली, फ्रान्स आदि कई देशों की जनसंख्या अब धीमे धीमे कम हो रही है। इन देशों में आर्थिक गतिविधियों को बनाए रखने के लिए आज युवाओं की सख्त आवश्यकता है जो पूरे विश्व में केवल भारत ही उपलब्ध करा सकता है। वर्ष 2064 तक भारत की जनसंख्या बढ़ती रहेगी, ऐसी सम्भावना व्यक्त की जा रही है। इस प्रकार वैश्विक स्तर पर भारत विश्व में विकास के इंजन के रूप में अपनी भूमिका लम्बे समय तक निभाता रहेगा।

उक्त संदर्भ में दूसरा सबसे बड़ा कारण बताया गया है, भारत में हाल ही के समय में किया गया डिजिटलीकरण। इससे देश के ग्रामीण इलाकों में भी नागरिकों की दक्षता एवं उत्पादकता बढ़ गई है। भारत में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग की वित्तीय एवं बैंकिंग संस्थानों द्वारा भरपूर आर्थिक सहायता की जा रही है इससे यह उद्योग तेजी से आगे बढ़ रहे हैं एवं देश में रोजगार के लाखों नए अवसर निर्मित कर रहे हैं। पूर्व में केवल बड़े उद्योगों को ही बैंकों द्वारा वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाती रही है परंतु भारत में अब यह ट्रेंड बदला है। कोविड महामारी के बाद से तो इस सम्बंध में बड़ा बदलाव देखने में आया है। डिजिटलीकरण के कारण छोटे छोटे व्यवसाइयों की क्रेडिट हिस्ट्री निर्मित हो रही है जिसके कारण बैंकों को इन छोटे छोटे व्यापारियों को वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने में आसानी हो रही है। 'आधार' ने तो देश के समस्त नागरिकों की एक अलग पहचान ही बना दी है। यूपीआई प्लेटफॉर्म ने भी इस संदर्भ में ग्रामीण इलाकों में रोकड़ के उपयोग को कम कर डिजिटल प्लेटफॉर्म पर वित्तीय व्यवहारों को हस्तांतरित किया है। छोटे छोटे व्यवसाईयों, किसानों, सामान्य नागरिकों को भी वित्तीय प्लेटफॉर्म पर लाने में यह डिजिटलीकरण बहुत सफल रहा है। इससे वित्तीय समावेशन का कार्य भी आसान बन पड़ा है। भारत में डिजिटल व्यवहारों की संख्या आज संयुक्त रूप से अमेरिका, चीन एवं यूरोप से भी अधिक है। जबकि अमेरिका, चीन एवं यूरोप के देश भारत से अधिक विकसित देश हैं। इससे यह झलकता है कि भारत ने डिजिटलीकरण के मामले में पूरे विश्व को पीछे छोड़ दिया है। अब तो भारत का यूपीआई सिस्टम अमेरिका के स्विफ्ट पेमेंट सिस्टम को भी पीछे छोड़कर वैश्विक स्तर पर डिजिटलीकरण के मामले में अपनी धाक जमाने की ओर आगे बढ़ता हुआ दिखाई दे रहा है। भारत का यूपीआई सिस्टम सिंगापुर, फ्रांस, श्रीलंका एवं यूएई में लागू किया जा चुका है। भारत के प्रधानमंत्री ने फ्रांस में भारतीय यूपीआई सिस्टम का उद्घाटन किया था, ताकि फ्रांस में जाने वाले पर्यटक यूपीआई सिस्टम के माध्यम से फ्रान्स में वित्तीय व्यवहार कर सकें। न्यूजीलैंड में भी यूपीआई को लागू किए जाने पर विचार किया जा रहा है।

उक्त संदर्भ में तीसरा सबसे बड़ा कारण है चीन के, विस्तरवादी नीतियों के चलते, विश्व के अन्य देशों के साथ लगातार खराब होते सम्बंध। आज विश्व के कई देश चीन के साथ आर्थिक व्यवहार करने से कतराने लगे हैं। यह स्थिति भारत के आर्थिक विकास को गति दे सकती है क्योंकि चीन+1 की नीति का अनुपालन विश्व के कई विकसित देश आज करने लगे हैं एवं ये देश भारत में विनिर्माण के क्षेत्र में अपनी इकाईयों को स्थापित करते जा रहे हैं। ताइवान आदि देशों पर चीन की नीति की पूरे विश्व में भर्त्सना हो रही है। चीन के अपने बॉर्डर पर लगने वाले लगभग समस्त देशों के साथ चीन के सम्बंध अच्छे नहीं हैं। इन देशों का चीन पर अब भरोसा समाप्त सा होता जा रहा है। ऐपल एवं टेस्ला जैसी कम्पनियां अब भारत में अपनी विनिर्माण इकाइयां स्थापित कर रही हैं। ऐपल ने तो अपने आईफ़ोन-15 का उत्पादन भारत में चालू भी कर दिया है। इससे भारत में न केवल रोजगार के लाखों नए अवसर निर्मित हो रहे हैं बल्कि विदेशी निवेश भी बढ़ रहा है। आज भारत में विदेशी मुद्रा भंडार 65,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर के आसपास रिकार्ड स्तर पर पहुंच गए हैं। साथ ही, आज भारत का पूंजी बाजार (स्टॉक मार्केट) विश्व में चौथे स्थान पर आ गया है।

भारत द्वारा अपने बुनियादी ढांचे को विकसित करने में भारी भरकम राशि खर्च की जा रही है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में 11.11 लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि का बजट बुनियादी ढांचे के लिए निर्धारित किया गया है, जबकि वित्तीय वर्ष 2023-24 में 10 लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि इस मद पर खर्च की गई थी। अयोध्या, वाराणसी, उज्जैन, हरिद्वार, जम्मू कश्मीर जैसे अन्य कई धार्मिक स्थलों को विकसित किया जा रहा है ताकि धार्मिक पर्यटन को भारत में बढ़ावा दिया जा सके। इन शहरों के बुनियादी ढांचे का अतुलनीय विकास किया जा रहा है। जिससे रोज़गार के लाखों नए अवसर निर्मित हो रहे हैं। एयरपोर्ट की संख्या पिछले 10 वर्षों में दुगने से भी अधिक होकर 150 तक पहुंच गई है और इसे वर्ष 2025 तक 200 की संख्या तक ले जाया जा रहा है। रेलवे का विद्युतीकरण किया गया है। रेलगाड़ियों की स्पीड बढ़ाई गई है, जिससे देश में कार्यक्षमता के स्तर में सुधार हो रहा है। भारत के बड़े शहरों में मेट्रो रेल का जाल बिछाया जा रहा है। आज भारत का रोड नेट्वर्क चीन से भी अधिक होकर विश्व में केवल अमेरिका के बाद दूसरे स्थान पर आ गया है। भारत सरकार की वर्ष 2024 से वर्ष 2030 के बीच देश के बुनियादी ढांचे को विकसित करने पर 2 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि खर्च करने की योजना है। इस प्रकार भारत को वर्ष 2047 तक विकसित देशों की श्रेणी में शामिल करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। वर्ष 2027 तक भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा, ऐसी सम्भावना भी व्यक्त की जा रही है।

थायराइड में गर्म पानी पीना चाहिए या नहीं?

आधुनिक समय में थायराइड काफी आम परेशानी हो चुकी है। इस समस्या से ग्रसित लोगों को कई तरह की परेशानियां होती हैं। जिसमें मोटापा, भूख न लगना, स्किन का ड्राई होना, बालों का झड़ना इत्यादि शामिल है। इन समस्याओं से बचाव के लिए हेल्थ एक्सपर्ट डाइट और लाइफस्टाइल में बदलाव की सलाह देते हैं। लाइफस्टाइल में बदलाव करके शरीर की कई परेशानियों को कम किया जा सकता है। शरीर को स्वस्थ रखने के लिए कई लोग नियमित रूप से गर्म पानी पीने के सलाह देते हैं।

क्या थायराइड में गर्म पानी पीना चाहिए?

थायराइड में गर्म पानी पीना चाहिए। यह थायराइड में वजन बढ़ने की परेशानी को कंट्रोल करने में आपकी मदद कर सकता है। हालांकि, वैज्ञानिक रूप से यह प्रमाणित नहीं है, लेकिन गर्म पानी कई समस्याओं को दूर करने में प्रभावी होता है। इस बात को नजरअंदाज भी नहीं किया जा सकता है। खासतौर पर अगर आप गर्म पानी में नींबू, शहद जैसी चीजों को एड करके पीते हैं तो आपको अधिक लाभ हो सकता है।

पाचन को रखे स्वस्थ

थायराइड में पाचन संबंधी परेशानियां भी काफी ज्यादा होती है। ऐसे में गर्म पानी आपके स्वास्थ्य के लिए लाभकारी हो सकता है। अगर आप नियमित रूप से गर्म पानी पीते हैं तो पाचन से जुड़ी परेशानियों को कम कर सकते हैं। इससे पेट में दर्द, कब्ज, अपच जैसी परेशानी कम हो सकती है।

ब्लड सरकुलेशन को बढ़ाए

थायराइड में ब्लड सर्कुलेशन सही से न होने पर आप नियमित रूप से गर्म पानी पी सकते हैं। इससे ब्लड सर्कुलेशन में सुधार आता है। दरअसल, गर्म पानी पीने से शरीर के नसों में फैलाव होता है, जिससे खून का बहाव ठीक होने लगता है।

बॉडी करे डिटॉक्सिफाई

गर्म पानी पीने से शरीर में मौजूद गंदगी साफ होती है। इससे पसीने के रूप में शरीर में मौजूद गंदगी बाहर आती है, जिससे आपके शरीर का अपशिष्ट पदार्थ कम होता है।

इम्यूनिटी बढ़ाने में प्रभावी

थायराइड में गर्म पानी का सेवन करने से इम्यूनिटी बूस्ट की जा सकती है। यह आपके एनर्जी लेवल को बढ़ाता है, जिससे आप कई बीमारियों से बच सकते हैं।

ह्यहाई ब्लड प्रेशर की समस्या दूर करेगा सदाबहार का फूल

आयुर्वेद में सदाबहार को बहुत ताकतवर औषधि माना गया है। सदाबहार के फूल, पत्तियों और जड़ का सेवन कई तरह की बीमारियों को दूर करने के लिए बहुत फायदेमंद माना जाता है। आज के समय में असंतुलित जीवनशैली और खानपान में गड़बड़ी की वजह से लोगों में हाई ब्लड प्रेशर की समस्या तेजी से बढ़ रही है। हाई ब्लड प्रेशर की समस्या से ग्रसित होने पर दिल की बीमारियों का खतरा बहुत ज्यादा बढ़ जाता है। हाई बीपी या हाइपरटेंशन की समस्या में सदाबहार का इस्तेमाल बहुत फायदेमंद होता है। आयुर्वेद में सदाबहार को हाई ब्लड प्रेशर के मरीजों के लिए रामबाण माना गया है। सदाबहार के फूल और जड़ों का इस्तेमाल हाई ब्लड प्रेशर की समस्या किया जाता है। इसका इस्तेमाल न सिर्फ हाई ब्लड प्रेशर के खतरे को कम करने में फायदेमंद होता है, बल्कि डायबिटीज और हार्ट से जुड़ी बीमारियों के खतरे को भी कम करता है।

हाई ब्लड प्रेशर में सदाबहार फूल के फायदे : सदाबहार के फूलों में कई ऐसे गुण पाए जाते हैं, जो ब्लड प्रेशर की समस्या को कम करने में फायदेमंद माने जाते हैं। हाई ब्लड प्रेशर के मरीजों का जोखिम कम करने के लिए सदाबहार की जड़ों का सेवन बहुत फायदेमंद होता है। इसकी जड़ में अजमलिसिन और सर्पटाइन नामक तत्व पाए जाते हैं, जो हाई ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में बहुत फायदेमंद होते हैं। इसके अलावा सदाबहार के फूलों में मौजूद गुण भी हाई बीपी के मरीजों के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं। हाई बीपी के मरीज सदाबहार के फूलों की चाय का सेवन कर सकते हैं। इसके अलावा सदाबहार की जड़ को साफ कर थोड़ी मात्रा में रोजाना सुबह के समय चबाने से आपको फायदा मिलता है।

सदाबहार फूलों का काढ़ा बनाने का तरीका : सदाबहार की पत्तियों और फूल दोनों का ही काढ़ा उपर बताई गयी समस्याओं में फायदेमंद होता है। इसे बनाने के लिए आप सबसे पहले कुछ ताजे सदाबहार के फूल लें और इसे धोकर पानी में डालें। इसे अच्छी तरह से कुछ देर उबालें और जब पानी आधे से कम हो जाए तो इसे उतारकर छान लें। अब आप इसका सेवन करें। यही प्रक्रिया आप सदाबहार की पत्तियों के साथ कर सकते हैं।

गले में दर्द और खराश से हैं परेशान तो पहले जान लें इसके ये कारण

मानसून का मौसम अपने साथ कई तरह की स्वास्थ्य समस्याएं लेकर आता है। इस मौसम में सिर्फ सर्दी-जुकाम ही नहीं होता है, बल्कि कुछ लोगों को गलत खान-पान के चलते गले में खराश व गले में दर्द की शिकायत भी होती है। यह एक ऐसी समस्या है, जिसमें व्यक्ति काफी असहज महसूस करता है और उसके लिए कुछ भी खाना-पीना काफी मुश्किल हो जाता है। कुछ लोगों को लगता है कि गले में खराश या दर्द की समस्या सिर्फ बाहर के खाने के कारण ही होती है, जबकि ऐसा नहीं है।

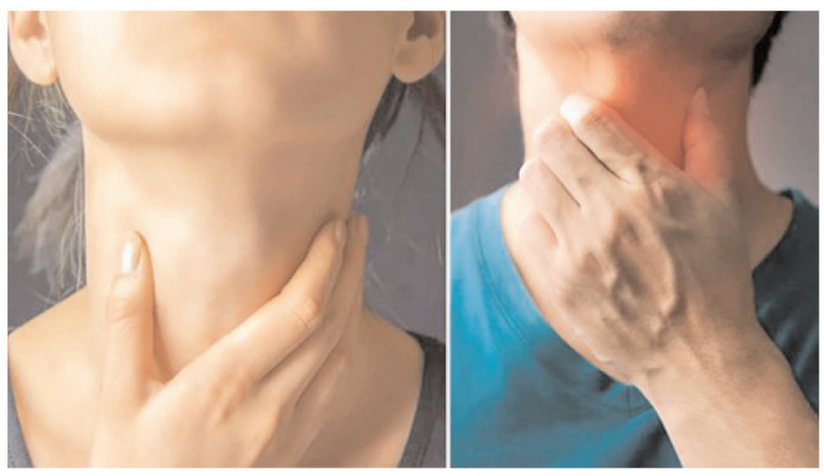

गले में खराश के कारण

- वायरस, जैसे कि वे जो सामान्य सर्दी, इन्फ्लूएंजा, खसरा, चेचक और गले में खराश का कारण बनते हैं।
- बैक्टीरियल इंफेक्शन के कारण गले में खराश होना आम बात है।
- एलर्जी और एनवायरनमेंटल फैक्टर, जैसे पोलन, घास और पालतू जानवरों की रूसी आदि भी व्यक्ति के गले को परेशान का सकती है।
- पर्यावरण में मौजूद केमिकल्स व इरिटेंट जैसे सिगरेट और तंबाकू का धुआं, क्लीनिंग प्रोडक्ट, एयर पाल्यूटेंट व अन्य केमिकल्स गले में खराश व दर्द की वजह बन सकते हैं।

गले में खराश के लक्षण

- गले में खरोंच और जलन महसूस होना।
- सूखा गला महसूस होना।
- निगलने या बात करने पर दर्द बढ़ जाना।
- गले का लाल दिखाई देना।

अपनाएं यह उपाय

- खूब पानी पीएं और हाइड्रेटेड रहें। हाइड्रेटेड रहने से कंजेशन को कम करने, बलगम के पतले स्राव को कम करने और गले को नम रखने में मदद मिल सकती है।
- गर्म नमक के पानी से गरारे करने से भी सूजन को कम करने में मदद मिल सकती है।
- गर्म तरल पदार्थ पिएं, जो आपके गले को आराम पहुंचाएं, जैसे शहद के साथ गर्म चाय, गर्म सूप, नींबू के साथ गर्म पानी या हर्बल चाय आदि।
- 1 चम्मच एप्पल साइडर विनेगर को 240 मिली पानी में मिलाएं। सिरके में मौजूद एसिड गले में बैक्टीरिया को मार सकता है और गले की खराश को शांत कर सकता है।
- पुदीने की चाय बनाएं या फिर डिफ्यूज़र में पुदीने का तेल मिलाएं। आप गले की खराश को शांत करने और सूखी खांसी को कम करने के लिए छाती पर थोड़ा सा मल सकते हैं।

गिलोय का सेवन करने के फायदे

आयुर्वेद में गिलोय का अमृता कहा जाता है और सदियों से इसका इस्तेमाल बुखार, सर्दी-खांसी आदि को ठीक करने के लिए किया जा रहा है। जहां तक आम लोगों के बीच गिलोय की लोकप्रियता की बात है तो कोरोना ने इसे घर-घर में पॉप्युलर बना दिया है और अब इम्यूनिटी बूस्ट करने के लिए लोग गिलोय के काढ़े से लेकर, जूस और गोलियों तक का सेवन कर रहे हैं। आयुर्वेद के जानकारों के अनुसार, पान के पत्ते की तरह दिखने वाले गिलोय की पत्तियों में कैल्शियम, प्रोटीन, फॉस्फोरस भरपूर मात्रा में होता है। जबकि इसके तने में स्टार्च की अधिकता होती है। आयुर्वेद एक्सपर्ट्स के अनुसार, गिलोय रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के साथ ही कई बीमारियों से भी बचाव करता है।

बीमारियों से लड़ने की शक्ति बढ़ाता है :

अमृता यानी गिलोय रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए जाना जाता है, तभी तो कोरोना काल में गिलोय की मांग बहुत अधिक बढ़ गई है। विशेषज्ञों के मुताबिक, यह वायरस से होने वाली बीमारियों से शरीर को बचाता है और सर्दी-जुकाम से बचाने में भी कारगर है क्योंकि इसकी तासीर बहुत गर्म होती है। बुखार में भी इसके सेवन की सलाह दी जाती है।

ब्लड प्लेटलेट्स बढ़ाता है :

डेंगू होने पर ब्लड प्लेटलेट्स तेज़ी से कम होने लगते हैं ऐसे में आयुर्वेद विशेषज्ञ मरीजों को गिलोय के सेवन की सलाह देते हैं, क्योंकि इससे प्लेटलेट्स तेजी से बढ़ने लगते हैं। गिलोय के हरे तने को काटकर अच्छी तरह साफ करने के बाद इसे पानी में करीब आधे घंटे तक उबाला जाता है और जब पानी का रंग हरा हो जाए तो इस पानी को छानकर मरीज को दें। दरअसल, गिलोय में एंटीपायरेटिक तत्व होता है जो डेंगू के मरीजों के लिए बहुत फायदेमंद है और इससे इम्यूनिटी भी बढ़ती है जिससे मरीज जल्दी ठीक हो जाता है।

जॉन्डिस में फायदेमंद :

गिलोय न सिर्फ बुखार और सर्दी-खांसी, बल्कि जॉन्डिस यानी पीलिया के मरीजों के लिए भी बहुत फायदेमंद है। आयुर्वेद के जानकारों का मानना है कि गिलोय के पत्तों का रस पीने से पीलिया के मरीज़ों को आराम मिलया है और इसकी वजह से होने वाला बुखार और दर्द भी कम होता है।

पाचन को दुरुस्त रखता है :

यदि आप अक्सर पेट से जुड़ी बीमारियों से परेशान रहते हैं, तो गिलोय का सेवन आपके लिए फायदेमंद हो सकता है, क्योंकि इसके नियमित सेवन से कब्ज और गैस जैसी समस्याओं से राहत मिलती है और पाचन तंत्र ठीक तरह से काम करता है।

एनीमिया में फायदेमंद :

आयुर्वेद विशेषज्ञों के मुताबिक, जिन लोगों को खून की कमी होती है उन्हें भी गिलोय का सेवन करना चाहिए, क्योंकि गिलोय में ग्लूकोसाइड और टीनोस्पोरिन, पामेरिन और टीनोस्पोरिक एसिड की मात्रा अधिक होती है जो शरीर में खून की कमी दूर करने में मददगार है।

गिलोय का सेवन किसे नहीं करना चाहिए?

इस बात में कोई दो राय नहीं है कि गिलोय बहुत फायदेमंद है, लेकिन हर चीज़ की तरह इसके भी कुछ साइड इफेक्ट हो सकते हैं। इसलिए कुछ लोगों को विशेष परिस्थितियों में इसका सेवन नहीं करना चाहिए। दरअसल, इसकी तासीर बहुत गर्म होती है इसलिए प्रेग्नेंट महिलाओं को भूल से भी गिलोय का सेवन नहीं करना चाहिए र न ही 5 साल से कम उम्र के बच्चों को गिलोय देना चाहिए। इसके अलावा जिन लोगों को ब्लड शुगर लेवल कम रहता है, उन्हें भी इसके सेवन से बचना चाहिए, क्योंकि गिलोय ब्लड शुगर लेवल को और कम कर सकता है। जिन लोगों का पाचन कमजोर है उन्हें भी गिलोय के सेवन से बचने की जरूरत है।

कितनी मात्रा में इसका सेवन करना सही है?

गिलोय की कितनी मात्रा सुरक्षित होती है यह सेवन करने वाले की उम्र स्वास्थ्य स्थितियों पर निर्भर करती है। इसकी सही मात्रा की जानकारी के लिए आयुर्वेद विशेषज्ञों से सलाह लें और उनके निर्देशानुसार है इसकी खुराक लें।

बच्चों की हाइट बढ़ाने के लिए उनकी लाइफस्टाइल में करें ये बदलाव

पेरेंट्स को अक्सर इस बात की चिंता लगी रहती है कि उनके बच्चे की हाइट अच्छी हो। कई बार बच्चों का शारीरिक विकास ठीक से नहीं होने के कारण उनकी हाइट ठीक से नहीं बढ़ पाती। हाइट न बढ़ने के पीछे कई कारण हो सकते हैं, जैसे- पोषण की कमी, गलत लाइफस्टाइल, खेल-कूद में कमी आदि। अगर सही समय से बच्चे की हाइट न बढ़े, तो ये बातपेरेंट्स को काफी परेशान करती है। लेकिन लाइफस्टाइल में कुछ बदलाव करके बच्चों की हाइट बढ़ाने में मदद की जा सकती है।

लटकना है जरूरी : बच्चों की हाइट बढ़ाने के लिए सुबह और शाम बच्चे को लटकने के लिए प्रेरित करें। लटकने से पीठ की मांसपेशियों को मजबूती मिलती है और इनमें खिंचाव आता है, जो हाइट बढ़ाने में मददगार हो सकता है। रोज लटकने से रीढ़ की हड्डी सीधी रहती है। बच्चों के लटकते समय उनके आसपास ही रहें। ध्यान रखें जब वह लटकें तो उन्हें चोट न लगे।

योगासन कराएं : योग करने से शरीर स्वस्थ बनता है। बच्चे अगर नियमित रुप से सूर्य नमस्कार, त्रिकोणासन, ताड़ासन और वृक्षासन आदि करते हैं, तो उनकी हाइट बढ़ने में मदद मिलती है। बच्चों का ऐसा रूटीन सेट करें कि वह सुबह और शाम योग के लिए टाइम निकाल सकें। कोशिश करें आप भी बच्चों के साथ योग करें। इससे बच्चों में योग की प्रति रूचि पैदा करने में मदद मिलेगी। आप बच्चे के साथ पार्क में जाकर ग्रुप योग भी कर सकते हैं। ऐसा करने से बच्चे को योग करने मे मन लगेगा।

फल और ड्राई फ्रूट्स खिलाएं : बच्चों की हाइट तभी सही से बढ़ेगी, जब उनका इम्यून सिस्टम मजबूत होगा। इम्यून सिस्टम मजबूत होने से बच्चे कम बीमार पड़ेंगे और उनका विकास सही गति से होगा। बच्चे के इम्यून सिस्टम को मजबूत करने के लिए बच्चों के आहार में विटामिन सी की मात्रा बढ़ाएं। इसके लिए बच्चे को फल खिलाएं, साथ ही उनके आहार में ड्राई फ्रूट्स को शामिल करें।

बच्चों को आउटडोर एक्टिविटी करवाएं : अपने बच्चे को खेलकूद के लिए खूब प्रेरित करें। बच्चों को साइकिल चलाने, फुटबॉल खेलने, बास्केटबॉल खेलने, रस्सी कूदने और बैडमिंटन खेलने जैसी एक्टिविटीज के लिए बाहर भेजें। ये सभी एक्टिविटीज बच्चों की हाइट बढ़ने में मददगार होने के साथ उन्हें सोशल होने में भी मदद करेंगी। इन एक्टिविटीज को रेगुलर करने से बच्चे मोटापे का शिकार भी नहीं होंगे।

नींद : बच्चे के संपूर्ण विकास के लिए पर्याप्त नींद लेना भी आवश्यक है। बच्चों को दिनभर में 10 से 12 घंटे अवश्य सुलाना चाहिए। बच्चे की नींद पूरी कराने के लिए उसे रात को समय पर सुलाने के साथ दिन में भी थोड़ी देर के लिए जरूर सुलाएं। शरीर के विकास की ज्यादातर प्रक्रियाएं सोने के दौरान ही होती हैं।

पाचन शक्ति बढ़ाने में मदद करेंगे ये घरेलू उपाय

आपने अक्सर डॉक्टर्स या हेल्थ एक्सपर्ट्स को कहते सुना होगा कि आपका पेट जितना स्वस्थ रहेगा, उतना ही सेहतमंद रहेंगे। ऐसा माना जाता है कि संपूर्ण स्वास्थ्य की भलाई आपके पेट के स्वास्थ्य पर निर्भर करती है। इसलिए अपने पेट, आंत और पाचन तंत्र का ख्याल रखना बहुत जरूरी है। लेकिन हम में से ज्यादातर लोग अपने खराब खानपान और जीवनशैली की आदतों के चलते खराब पाचन से जुड़ी समस्याओं का सामना आए दिन करते हैं, जिसमें पेट में दर्द, सूजन, ब्लोटिंग, गैस, एसिडिटी, अपच और कब्ज जैसी समस्याएं सबसे आम हैं। अगर लंबे समय तक ये समस्याएं बनी रहती हैं, तो इससे कई अन्य गंभीर समस्याओं का जोखिम बढ़ता है। बवासीर जैसी समस्याओं के लिए कमजोर पाचन एक बड़ा कारण हैं।

भोजन को अच्छी तरह चबाएं

पाचन तंत्र को मजबूत बनाने का सबसे आसान उपाय है, आप जो कुछ भी खाते हैं उसे अच्छी तरह चबा-चबा कर खाएं। हेल्थ एक्सपर्ट्स की मानें आपका भोजन आधे से ज्यादा आपके मुंह में ही पचने योग्य हो जाता है। आप जितना अच्छी तरह और धीरे-धीरे भोजन को चबाते हैं तो उसमें लार अच्छी तरह मिल जाती है। जो भोजन के बेहतर पाचन में सहायता करती है और पाचन को मजबूत बनाती है, क्योंकि हमारी लार में पाचन एंजाइम होते हैं।

गर्म पानी से दिन की शुरुआत करें

अगर आप सुबह गुनगुने पानी से दिन की शुरुआत करते हैं, तो यह न सिर्फ आपकी पाचन क्रिया को मजबूत बनाने में मदद करता है, बल्कि टॉक्सिन्स को बाहर निकालने में भी मदद करता है। यह अपशिष्ट पदार्थों को बाहर निकालने में बहुत सहायक है। आप चाहें तो जीरे के पानी में शहद और नींबू का रस मिलाकर भी सेवन कर सकते हैं, इससे बहुत लाभ मिलेगा।

फाइबर रिच फूड्स का सेवन करें

कोशिश करें कि आप फाइबर से भरपूर फूड्स जरूर खाएं, क्योंकि फाइबर आपके पाचन तंत्र को मजबूत बनाने के लिए बहुत जरूरी है। यह पेट संबंधी समस्याओं से छुटकारा दिलाने में भी मदद करता है। ड्राई फ्रूट्स, नट्स, बीज, साबुत अनाज, दाल, सोयाबीन, राजमा, छोले आदि में फाइबर अच्छी मात्रा में होता है।

लंच में दही या छाछ पिएं

दही और छाछ दोनों ही बेहतरीन प्रोबायोटिक्स में से एक है। प्रोबायोटिक्स आंत में अच्छे बैक्टीरिया को बढ़ाने में मदद करते हैं और पाचन शक्ति को बढ़ाते हैं। यह मेटाबॉलिज्म को तेज करने में भी मददगार हैं। इसलिए आपको दोपहर के भोजन के साथ में दही या छाछ का सेवन जरूर करना चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

पचरी में धूमधाम से आंबेडकर जयंती मनाई

महासमुंद पचरी (समय दर्शन)। 14 अप्रैल विश्वर, समाज सुधारक, बोधिसत्व, संविधान के जनक, अर्थशास्त्री, भारत रत्न डॉ सहाब भीम राव अम्बेडकर की 133 वी जयंती को ग्रामवासियों द्वारा मनाई गई द्य कार्यक्रम का अध्यक्षता छत्तीसगढ़ सतनामी मुक्ति केंद्र के प्रदेश उपाध्यक्ष उपदेश मारकंडे, देवकुमार टंडन छत्तीसगढ़ सतनामी मुक्ति केंद्र के प्रदेश महामंत्री, मुख्य अतिथि लखन टंडन, पुरुषोत्तम पवन डडसेना, देवेंद्र राय, गैंद राम जोशी, मोहित डोरा, नरेंद्र लहरे, लक्ष्मी प्रसाद जोशी, कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए अतिथि लोग बाबा साहेब डा भीम राव अम्बेडकर के छाया चित्र पर माल्यार्पण कर तथा दीप प्रज्जवलित कर उनका स्मरन किया। और सामुहिक रूप से संविधान का प्रस्तावना का वाचन किया। इस दौरान अपने उद्धबोधन में देवकुमार टंडन ने बाबा साहेब के व्यक्तित्व, कृतित्त्व पर चर्चा करते हुए राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान को याद किया। उन्होंने कहा की बाबा साहेब आंबेडकर गरीबों व दलित के मसीहा थे। पिछड़ों को सम्मान दिलाने उन्होंने संघर्ष किया। दलित, शोषित, वंचितो को समानता का अधिकार दिलाने बाबा साहेब ने अपना पुरा जीवन संघर्ष में बीता दिया। कार्यक्रम में उपस्थित समाज जन परशु राम, नथेलू जोगी, रघु राम टंडन , झाडू राम टंडन, भगवानी, धनसाय, अलित, राजेश लहरे, कमल, विजय, सुजल, सत्रुघन डोरा , संदीप जोशी, अरविंद लहरे, रवि टंडन, छोटू कुर्रे, विकास लहरे, पिंटू डोरा, भागीरथी, गोकुल जोशी, भूषण मारकंडे, राजु, सागर जोशी, देन कुमार चेलक, आदि लोग उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ की हवा में कांग्रेस पार्टी- कन्हैया कुमार

दंतेवाड़ा (समय दर्शन)। आल इंडिया कांग्रेस पार्टी के स्टार प्रचारक कन्हैया कुमार ने गीदाम के जावंगा में आम सभा को सम्बोधित किया और बस्तर क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी कवासी लखमा के पक्ष में चुनाव प्रचार कर कांग्रेस प्रत्याशी को समर्थन कर भारी मतों से जीताकर दिल्ली भेजने की बात कही ।कन्हैया कुमार ने आगे कहा कि छत्तीसगढ़ की हवा में कांग्रेस बस्ती है और छत्तीसगढ़ का माहौल अच्छा है लोकसभा प्रत्याशी कवासी लखमा के समर्थन में प्रचार करने आया हूं कवासी लखमा इस क्षेत्र के लोकप्रिय उम्मीदवार है कई बार विधायक रह चुके हैं मंत्री भी रहे हैं उन्हें इस क्षेत्र की समस्या मालूम है आप लोग उन्हें जिताकर दिल्ली तक पहुंचाये ताकि आम जनता आदिवासियों की समस्या केंद्र तक पहुंच सके उन्होंने कहा कि मैं देश के अलग-अलग इलाकों में जा रहा हूं हालत यह है कि भाजपा झुठ बोल रही है । सच्चाई यह है? कि देश में इस बार गरीबों , आदिवासियों दलितों की सरकार बनने वालीं है आप कवासी लखमा को समर्थन देकर हमारी न्याय की लड़ाई को आगे बढ़ायें इस? बार कांग्रेस पांच न्याय की बात कर रही है इस बार किसानों , महिलाओं युवाओं और मजदूरों को न्याय देना पड़ेगा गिनती करके जितनी आबादी है उतनी हिस्सा देना पड़ेगा आप कांग्रेस को समर्थन करें और 19 तारिख को कांग्रेस के प्रत्याशी को रिकॉर्ड वोट करें।

15 मिनट में ही बाइक की हो गई दिन दहाड़े चोरी, अम्लेश्वर थाना में मामला दर्ज

पाटन (समय दर्शन)। अम्लेश्वर थाना क्षेत्र में चोरी का सिलसिला थामने का नाम नही ले रहा है। लगातार कालोनियों में चोरी होने लगी है। पिछले चोरी का पता साजी अभी तक नही हुआ है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक अम्लेश्वर थाना क्षेत्र के शीतला विहार में रहने वाले राजेश बघेल सब्जी बेचकर अपनी गुजर बसर करता है। वे अपने घर के सामने दोपहर करीब 1 बजे अपने मोटर साइकिल ष्द 04 ष ह 6387 को खड़ी कर घर में गया। जब वे पंद्रह मिनट बाद घर से बाहर निकलें तो देखा तो उनका बाइक गायब था। आसपास पता साजी किया लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली। अम्लेश्वर पुलिस चोरी का मामला दर्ज कर कार्रवाई कर रही है।

भाजपा का घोषणा पत्र भारत के भविष्य का एक सुनहरा रोड मेप-रूपकुमारी चौधरी

महासमुन्द(समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ शासन के पूर्व संसदीय सचिव और महासमुंद संसदीय क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी की प्रत्याशी रूपकुमारी चौधरी ने रविवार को जारी भाजपा के संकल्प पत्र को विकसित भारत का संकल्प पत्र बताते हुए कहा कि, यह मोदी की गारंटी है। 2047 के विकसित भारत का संकल्प पत्र है। छोटे व्यवसायियों के उत्थान की गारंटी है, वहीं आधारभूत संरचना के विस्तार का संकल्प पत्र है । नारी सशक्तीकरण और नारी वंदन का शपथपत्र है,जबकि कांग्रेस का घोषणा पत्र तुष्टीकरण की राजनीति का आईना है। श्रीमती चौधरी ने कहा कि, यह घोषणा पत्र भारतीय लोकतंत्र के प्रति भरोसे का, विश्वास बहाली का, भारत के भविष्य का एक सुनहरा रोडमैप है। पूर्व संसदीय सचिव और भाजपा प्रत्याशी श्रीमती चौधरी ने कहा कि, यह घोषणा पत्र आजादी के 75 वर्ष के बाद का आधुनिक भारत के भविष्य का निर्माण करने वाला घोषणा पत्र है। यह युवा भारत की युवा आकांक्षाओं का प्रतिविंब है। 70 वर्ष से ऊपर के बुजुर्ग चाहे वे किसी भी आय वर्ग से हों, उन्हें भी आयुष्मान योजना का लाभ मिलेगा। करोड़ों परिवारों का बिजली बिल ज़ीरो करने और उन्हें बिजली से कमाई करने की योजना पर काम होगा। श्रीमती चौधरी ने कहा कि, मुद्रा योजना की

सीमा 10 लाख से बढ़ा कर 20 लाख करेंगे। युवाओं को अपनी रुचि का काम करने के लिए अधिक पैसे मिलेंगे। हम रेहड़ी-ठेले वालों को डिग्निटी देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। पहले ही हमने स्व निधि योजना से इसे जोड़ा है, इसे अब कस्बों-गाँवों तक लेकर जायेंगे। श्रीमती चौधरी ने कहा कि, भाजपा नारी के सम्मान के प्रति समर्थित और समर्पित है। दस करोड़ महिलाएँ स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी हैं। उन्हें हम आईटी, शिक्षा, स्वास्थ्य और पर्यटन आदि के लिए ट्रेनिंग देंगे। किसानों के लिए सबसे अधिक काम प्रधानमंत्री मोदी के शासन में हुआ है। मोदी की गारंटी पर हमने मात्र सौ दिनों में धान, बोनस समेत सभी वादों को पूरा किया। अब किसान क्रेडिट कार्ड के दायरे में पशुपालकों को भी जोड़ा है। हमारे कोदो कुटकी जैसे अनाज अब सुपर फूड बन कर विश्व में छाएंगे। दलहन और तिलहन में आत्मनिर्भरता के लिए कार्य करेंगे। किसान समृद्धि केंद्रों का विस्तार किया जायेगा। भाजपा प्रत्याशी व पूर्व संसदीय सचिव श्रीमती चौधरी ने कहा कि, कुल मिलाकर भाजपा का घोषणापत्र पिछले 10 वर्ष के काम और अगले 25 वर्ष का विजन है। भाजपा के पास इस विजन को पूरा करने की इच्छा शक्ति,नेतृत्व,और साफ नीति और नीयत है।

कलेक्टर ने विद्युत, पेयजल, सौर ऊर्जा और समग्र शिक्षा हेतु ली बैठक

सारंगढ़-बिलाईगढ़ (समय दर्शन)। कलेक्टर धर्मेश कुमार साहू ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष में जिले में विद्युत, पेयजल, सौर ऊर्जा और समग्र शिक्षा के तहत बच्चों की पढ़ाई के प्रगति के संबंध में बैठक ली। बैठक में एसडीएम सारंगढ़ वासु जैन, परियोजना निदेशक हरिशंकर चौहान, विद्युत के प्रभारी अधिकारी रेन्द्र नायक, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी (पीएचई) के प्रभारी अधिकारी कमल कंवर, क्रेडा और समग्र शिक्षा के प्रभारी अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में कलेक्टर साहू ने पीएचई अंतर्गत किए जा रहे जल जीवन मिशन के कार्यों के संबंध में कहा कि इस कार्य में स्वतंत्र रूप से कार्य करने के इच्छुक व्यक्ति/युवा को विभाग द्वारा ट्रेनिंग दिया जाए ताकि आकस्मिक रूप से किसी के नल आदि में कोई खराबी आए तो वे गांव, शहर में स्थानीय स्तर पर उनसे संपर्क कर जल आपूर्ति ठीक करा लें। जल जीवन मिशन, सौर ऊर्जा, विद्युत और समग्र शिक्षा के तहत किए जा रहे निर्माण कार्य में भूमि संबंधी कार्य के लिए कलेक्टर साहू ने एसडीएम सारंगढ़ श्री जैन को समन्वय कर कार्य करने कहा। कलेक्टर धर्मेश साहू ने क्रेडा विभाग को जिले में उपयुक्त स्थानों में सौर ऊर्जा उत्पादन करने के लिए कार्ययोजना बनाकर क्रियान्वयन करने के लिए कहा। इसी प्रकार कलेक्टर ने ऊर्जा विभाग अंतर्गत जिले के स्थापित और निर्माणाधीन ट्रांसफार्मर, केव्ही लाइनों के बारे में जानकारी ली। इसी प्रकार समग्र शिक्षा के अधिकारियों ने बताया कि समग्र शिक्षा अंतर्गत बालवाड़ी के 5-6 के बच्चों को शासकीय प्राथमिक शाला स्कूल के शिक्षक को सुबह 11 बजे से 1 बजे तक पढ़ाने हेतु अतिरिक्त प्रभार दिया जाता है, जिसका मानदेय उनको प्रतिमाह 500 रूपए दिया जाता है। कलेक्टर श्री साहू ने समग्र शिक्षा के रायगढ़ और बलौदाबाजार से बैठक में आए प्रभारी अधिकारियों को सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त करने के लिए कहा। बैठक के दौरान सभी अधिकारियों ने अपने-अपने विभाग से जुड़े कार्यों, गतिविधियों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। विद्युत अधिकारीी नरेन्द्र नायक ने मोर बिजली एप्प के बारे में बताया कि बिजली बिल के भुगतान से लेकर बिजली से संबंधित सभी कार्य इस एप्प में किया जा सकता है और यह एप्प प्ले स्टोर में उपलब्ध है।

श्री रणेश्वर मंदिर में कुंभ भराई का भव्य समारोह संपन्न

सरायपाली(समय दर्शन)। श्री रणेश्वर मंदिर गढ़ फूलझर में रत्नमोद (कुम्भ भराई) समारोह बड़े ही धूमधाम से आयोजित किया गया। इस अवसर पर अष्टप्रहरी नाम संकीर्तन यज्ञ का भी आयोजन रखा गया। कुंभ भराई समारोह भगवान विश्वकर्मा की पूजा अर्चना के साथ प्रारंभ हुआ। कुंभ भराई समारोह को लेकर बाबा बिशासहे कुल कोलता समाज के लोगों में भारी उत्साह देखने को मिला। कुंभ भरने के लिए श्रद्धालुगण कतारबद्ध होकर जयकारे और हुलहुली के साथ मंदिर के शिखर तक स्वयं चढ़कर अपने साथ लाये अन्न, रत्न आदि कुंभ में भरकर समारोह को भव्यता प्रदान की। कुंभ भराई समारोह में कोलता समाज के साथ साथ दीगर समाज के लोगों ने भी भागीदारी निभाई। सामाजिक जनों के साथ-साथ जनप्रतिनिधियों ने भी समरोह में शामिल हुए। इस समारोह में बसना विधायक डॉ संपत अग्रवाल, सरायपाली विधायक चातुरी नंद, पूर्व विधायक राजा देवेंद्र बहादुर सिंह, लोकसभा प्रत्याशी एवं पूर्व मंत्री ताम्रध्वज साहू, बसना नगर पंचायत उपाध्यक्ष सुमित अग्रवाल सहित कई जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक पहुंचकर विश्व कल्याण की कामना करते हुए मां रामचंडी से क्षेत्र की सुख समृद्धि एवं खुशहाली की प्रार्थना की। इस अवसर पर अष्टप्रहरी नामयज्ञ का

आयोजन भी रखा गया था जिसमें ग्राम बम्हनी, रसोड़ा, रिखादादर, ढोढरकसा, पाटनदादर, तोषगांव, ठाकुरपाली, मेदनीपुर कीर्तन मंडलियों ने अपना सहयोग प्रदान किया। समापन के अवसर पर बैठकी का आयोजन कर वादक एवं गायक कलाकारों को समाज की ओर से सम्मानित किया गया। दोपहर को महाभंडारा में (प्रसाद का वितरण) ठाकुरपाली एवं मेदिनीपुर शाखा सभा ने विशेष योगदान दिया। युवा प्रकोष्ठ द्वारा पार्किंग, पेयजल एवं कुंभ भराई में विशेष योगदान दिया गया। सरायपाली आंचलिक युवा प्रकोष्ठ द्वारा श्रद्धालुओं के लिए चाय एवं पेयजल की व्यवस्था की गई थी ।महिला संरक्षक मंदाकिनी साहू एवं महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष त्रिवेणी बढ़ाई की अगुवाई में महिलाओं द्वारा अतिथियों का पारंपरिक रूप से स्वागत सत्कार किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में कुल कार्यकारिणी संरक्षक हरिचरण प्रधान, महिला प्रकोष्ठ संरक्षक श्रीमती मंदाकिनी साहू, अध्यक्ष गिरधारी साहू, महामंत्री मथामणि बढ़ाई, उपाध्यक्ष प्रवीण प्रधान, सचिव रंकमणी प्रधान, ललित साहू, कार्यकारिणी सदस्य किशोर भोई, विशेष आमंत्रित सदस्य सुवर्धन प्रधान, प्रदेश उपाध्यक्ष नंदकिशोर भोई, मिडिया प्रभारी कमलेश साहू, थबीर प्रधान, आंचलिक अध्यक्ष रायपुर राधेश्याम प्रधान, आंचालिक अध्यक्ष बसना भोजराज प्रधान, आंचलिक अध्यक्ष सरायपाली प्रदीप साहू, आंचलिक अध्यक्ष पिथौरा षडानन भोई, शाखा सभापति गण संजय भोई, नवीन साहू, हजारू प्रधान, रामधारी पात्र परमानंद प्रधान, रसिक प्रधान, विनोद बारिक, धुबाई साहू, खेमराज साहू, पुरुषोत्तम प्रधान, सदानंद, युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष राजेश प्रधान, मंदिर संचालन समिति अध्यक्ष चंद्रकांत भोई, नरोत्तम साहू, लक्ष्मीनारायण भोई, योगेश बढ़ाई, नीलमणि बारिक, शिशुपाल प्रधान, दिलीप भोई, विमल प्रधान सहित समस्त जातीय भाई बहनों का विशेष योगदान रहा।

दोपहर तक तेज धूप गर्मी के बाद अचानक बदला मौसम का मिजाज, तेज अंधड़, गरज के साथ हुई बारिश

पाटन (समय दर्शन)। दोपहर करीब 3 बजे तक तेज धूप थी उसके बाद अचानक मौसम ने करवट बदली और तेज हवा तूफान के साथ अचानक बारिश शुरू हुई। लगातार बारिश के कारण अब सब्जी का फसल लेने वाले किसानों की काफी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। हालांकि बारिश होने के कारण तेज धूप गर्मी और उमस से राहत मिली है। सोमवार की सुबह से तेज धूप और गर्मी से लोग काफी परेशान थे। दोपहर करीब 3 बजे तक तेज गर्मी थी। लेकिन इसके बाद मौसम में अचानक परिवर्तन हुआ। पहले तो कुछ देर बादल छाए रहा उसके बाद अचानक तेज हवा चलना शुरू हो गया। इसके बाद बूंदा बांदी शुरू हो गई। बारिश के साथ साथ तेज

गर्जना भी हो रही थी। तेज हवा और बारिश से हालांकि गर्मी से राहत मिली है लेकिन सब्जी के फसल लेने वाले किसानों का फसल खराब होने का संभावना है। बताया जा रहा है की अभी दो दिन। मौसम इसी तरह से बादल छाए रहेगा। कही कही बारिश की भी चेतावनी दी गई है। तेज हवा और बारिश के कारण बिजली भी बंद रही।

मतदाता जागरूकता का पाठ पढ़ाने निकली बाइक रैली

पाटन (समय दर्शन)। जनपद पंचायत पाटन से आज मतदाताओं को मताधिकार के प्रति जागरूक करने के लिए बाइक रैली निकाली गई। इस रैली में जनपद पंचायत पाटन के अधिकारी कर्मचारी, विभिन्न पंचायतों के सचिव सहित बिहान समूह के महिला सदस्य शामिल हुए। इस रैली में सबसे पहले जनपद पंचायत में मतदान जागरूकता का शपथ लिया गया। इसके बाद बाइक रैली निकाली गई इस बाइक रैली में शामिल आधे से ज्यादा लोग बगैर हेलमेट के थे। वही कुछ लोगो ने यातायात नियम जागरूकता का परिचय देते हुए हेलमेट का उपयोग भी किया।

कांग्रेस को ऐसा हराएँ कि बघेल दुबारा राजनांदगाँव की तरफ नजर उठाकर भी न देख सकें -विष्णुदेव साय

राजनांदगांव (समय दर्शन)। लोकसभा क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशी संतोष पांडे के समर्थन में खैरागढ़ के फतेह सिंह मैदान में आयोजित विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि लोकसभा का यह चुनाव कई मायनों में बेहद महत्वपूर्ण है। यह चुनाव नरेंद्र मोदी को तीसरी बार फिर प्रधानमंत्री बनाने के लिए है। प्रदेश की पिछली कांग्रेस सरकार को जनता के साथ धोखाधड़ी करने वाली बताकर श्री साय ने कहा कि 2018 में कांग्रेस ने खूब लोकलुभावन वादे करके प्रदेश की सत्ता हासिल की थी, लेकिन पूरे पाँच साल के शासनकाल में उसने एक भी वादा पूरा नहीं किया। छत्तीसगढ़ को भ्रष्टाचार और अपराध का गढ़ बनाकर रख दिया था। घोटालों-पर-घोटाले करने वाली भूपेश सरकार ने गोबर तक में भ्रष्टाचार करके प्रदेश को शर्मसार किया। कांग्रेस के कई नेता और सरकार के कई बड़े अधिकारी इन घोटालों के आरोप में जेल में हैं और उन्हें बेल तक नहीं मिल रही है, उल्टे बेल मांगने पर कोर्ट जुर्माना लगा रहा है। भाजपा मीडिया सेल द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार श्री साय ने आगे कहा कि राजनांदगाँव से कांग्रेस प्रत्याशी पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पर भी महादेव एप घोटाले में एफआईआर दर्ज हुई है और उन पर इस एप को संरक्षण देने के नाम पर 508 करोड़ रुपए बतौर प्रोटेक्शन मनी लेने का भी आरोप है। श्री साय ने सभा में हुँकार भरी कि इस बार प्रदेश में कांग्रेस का खाता तक नहीं खुलने दें और राजनांदगाँव की जनता कांग्रेस को ऐसा हराए कि बघेल दुबारा राजनांदगाँव की तरफ नजर उठाकर भी न देख सकें। अपनी साढ़े तीन माह की भाजपा सरकार के कामकाज का ब्योरा रखते हुए श्री साय ने कहा कि हमारी सरकार ने इस छोटी-सी अवधि में मोदी की गारंटी के तहत किए गए अधिकांश वादे पूरे कर दिए हैं। 18 लाख प्रधानमंत्री आवास को स्वीकृति दी गई। किसानों को दो साल के बकाया बोनस का भुगतान किया गया। प्रति एकड़ 21 क्विंटल के हिसाब से 3100 रुपए की दर पर रिकॉर्ड 145

लाख मीटरिक टन धान की खरीदी की गई और किसानों को अंतर की राशि का एकमुश्त भुगतान किया गया। महतारी वंदन योजना के तहत प्रतिमाह विवाहित महिलाओं के खाते में 1000 रुपए की राशि की दो किश्तें जमा करा दी गई हैं। रामलला दर्शन योजना को तहत प्रदेश के रामभक्तों को नि:शुल्क अयोध्या भेजा गया। सब काम साँय-साँय हुआ है और आगे भी सब काम साँय-साँय होगा। इसलिए कांग्रेस के लोग अब आँय-बाँय बोलकर झूठ फैला रहे हैं। अब प्रदेश की जनता कांग्रेस को पूरी तरह बाय-बाय करने जा रही है। श्री साय ने जनसमूह से भाजपा को भारी बहुमत से विजयी बनाने की अपील की।

भाजपा का घोषणा पत्र मोदी की गारंटी और 2047 के विकसित भारत का संकल्प पत्र है- विजय शर्मा- प्रदेश के उप मुख्यमंत्री व गृह मंत्री विजय शर्मा ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने धारा 370 को खत्म करके कश्मीर में भारत का संविधान लागू किया। आज देश के किसी भी कोने में बम के धमाकों की आवाज सुनाई नहीं पड़ रही है। पूर्वोत्तर के राज्यों में प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में अभूतपूर्व शांति कायम हुई है। भाजपा के रविवार को जारी संकल्प पत्र की चर्चा करते हुए श्री शर्मा ने कहा कि यह मोदी की गारंटी है, 2047 के विकसित भारत का संकल्प पत्र है, छोटे व्यवसायियों के उत्थान की गारंटी है, आधारभूत संरचना के विस्तार का संकल्प पत्र है, जबकि कांग्रेस का घोषणा पत्र तुष्टीकरण की राजनीति का आईना है। आज प्रधानमंत्री श्री मोदी के सशक्त व सक्षम नेतृत्व में भारत की सामर्थ्य का डंका देश-दुनिया में बज रहा है। कांग्रेस की पिछली भूपेश सरकार पर हमलावर होते हुए श्री शर्मा ने कहा कि राजनांदगाँव के कांग्रेस प्रत्याशी भूपेश बघेल वही हैं जो अपने मुख्यमंत्री रहते प्रदेश के 18 लाख गरीबों का आवास रोका था। भाजपा की सरकार बनते ही मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने पहली कैबिनेट में इन आवासों को स्वीकृति देकर मोदी की गारंटी पूरी की। प्रदेश की भाजपा सरकार ने महतारी वंदन योजना की दो किश्तें महिलाओं के खाते में जमा कराई, किसानों को दो साल का बकाया बोनस भुगतान किया और प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से खरीदकर उसका एकमुश्त भुगतान किया। सभा को सांसद व भाजपा प्रत्याशी संतोष पांडेय, पूर्व सांसद त्रय प्रदीप गांधी, मधुसूदन यादव व अभिषेक सिंह, पंडरिया विधायक भावना बोहरा, पूर्व विधायक कोमल जंघेल, विक्रांत सिंह ने भी संबोधित कर भाजपा को अभूतपूर्व समर्थन देकर विजयी बनाने की अपील की। सभा में प्रदेश चुनाव प्रभारी व बिहार के कैबिनेट मंत्री नितिन नबीन, प्रदेश चुनाव प्रबंधन समिति के संयोजक व पूर्व विधायक शिवरतन शर्मा, प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष भूपेंद्र सिंह सवन्नी, पूर्व सांसद अशोक शर्मा, खूबचंद पारख, राजनांदगाँव लोकसभा संयोजक नारायण चंदेल सहित भाजपा नेता, पदाधिकारी, कार्यकर्ता और भारी संख्या में जनसमूह की उपस्थिति रही।

खबर-खास

गरियाबंद पुलिस द्वारा 6 किलो 80 ग्राम गांजा के साथ दो आरोपियों को भेजा जेल

गरियाबंद (समय दर्शन)। गरियाबंद जिला में हो रहे अवैध रूप से गांजा,शराब व अन्य नशीले पदार्थों के अवैध तस्करी को रोकने के लिए जिले के पुलिस कप्तान के द्वारा नशे के विरूद्ध पुलिस की एक विशेष अभियान नया सवेरा योजनान्तर्गत नशीली पदार्थों/अवैध गांजा तस्करो पर लगातार कार्यवाही किया जा रहा है। इसी क्रम में जिले के पुलिस कप्तान उमनि/वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अमित तुकाराम काम्बले के दिशा-निर्देशन में तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र कुमार चन्द्राकर एवं एसडीओपी गोपाल वैश्य के मार्गदर्शन में प्रशिक्षु डी0एस0पी प्रवीण भारती थाना प्रभारी थाना छुरा के नेतृत्व में थाना छुरा के उप निरी0दिलीप मेश्राम व अन्य स्टाफ को लेकर घर पकड की कार्यवाही करते हुये अवैध रूप से गांजा परिवहन करने वाले के खिलाफथाना छुरा में अपराध कमांक कमशः 128/2024, धारा 20 (ख) एनडीपीएस एक्ट के तहत् अपराध पंजीबद्ध कर वैधानिक कार्यवाही किया गया है ।जिसमें दो आरोपी के कब्जे से कुल 6 किलो 80 ग्राम कुल कीमत 60,800 रूपया का अवैध गांजा एवं एक भूरा रंग का मोसा स्कूटी हीरो कमांक ओडी 26 जी 4634 बरामद किया गया।आरोपी का कृत्य नारकोटिक एक्ट का घटित करने पाया जाने से दोनो आरोपी जगत राम मिरधा पिता मनराखन मिरधा उम्र 37 वर्ष साकिन गिधनीपानी थाना धरमाबांधा जिला नुआपांड़ा उड़िसा और मुकेश निषाद पिता धनीराम जीवी निषाद उम्र 20 वर्ष साकिन हरदी थाना छुरा जिला गरियाबंद के विरूद्ध अपराध पंजीबद्ध कर न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेजा गया। उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी प्रवीण भारती के नेतृत्व में उप निरीक्षक दिलीप मेश्राम,प्रआर.प्यारी साहू, आर0रिजवान कुरैशी,आर0डिगेश्वर,आर0अखिलेश वैष्णव,आर0अरविंद जाटवर,आर0अमित जागडे,आर उदय शंकर पटेल व स्पेशल टीम गरियाबंद की सराहनीय भूमिका रही।

निस्तारी तालाब की जगह अब मवेशियो के लिए डबरी

पानी टंकी के नीचे बनेगा स्टोर रूम

रिसाली (समय दर्शन)। निस्तारी तालाब को सहेजने और उसे दुषित होने से बचाने रिसाली निगम प्रयास कर रहा है। वार्ड 29 लक्ष्मी नगर के डबरी से मिट्टी निकाल सवारा जा रहा है। इसका उपयोग केवल मवेशियों के लिए किया जाएगा। नगर पालिक निगम रिसाली की आयुक्त मोनिका वर्मा के निर्देश पर शीतला तालाब के बगल वर्षों पुराने डबरी को सवारा जा रहा है। मिट्टी निकलने का कार्य पूर्ण हो चुका है। सोमवार को आयुक्त ने स्थल निरीक्षण कर डबरी से जलीय पौध को निकालने के निर्देश दिए। आयुक्त ने कहा कि अगर डबरी की सफाई हो गई तो डेयरी संचालक अपने मवेशी को यही धोने का काम करेंगे। तालाब निस्तारी के लिए सुरक्षित रहेगा। उन्होंने कहा कि निस्तारी तालाब में मवेशी धुलाई करने वालों के खिलाफ कार्यवाही भी की जाएगी।

इसलिए पानी सूखता नहीं- कल्याणी शीतला मंदिर तालाब के बगल बने डबरी पुरानी है। शीतला तालाब का आउटलेट इसी डाबरी में है। तालाब का ओवर फ्लो पानी इसी में आता है। वहीं तालाब भरने सिंचाई विभाग द्वारा छोड़े गए पानी का कुछ हिस्सा भी डबरी तक पहुंचता है। सफाई के अभाव में डबरी पूरी तरह दलदल नुमा बन गया था।

टंकी के नीचे बनेगा स्टोर रूम- आयुक मार्निंग विजिट के तहत वार्ड 29, 13 व 14 भ्रमण की। उन्होंने टंकी मरोदा में बने ओवर हेड टैंक का निरीक्षण की। आयुक्त ने डुंडेरा, पुरैना , नेवई और टंकी मरोदा टैंक के नीचे स्टोर रूम बनाने के निर्देश दिए, ताकि जन स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी अपना सामान रख सके।

स्कूली वाहनों की जांच

गरियाबंद। शैक्षणिक संस्थाओं में स्कूली बच्चों को लाने लेजाने वाहनों के चालक परिचालको का स्वास्थ्य संबंधित जांच रविवार को पुलिस ग्राउंड में डॉक्टर रूप सिंग नागेश चिकित्सा अधिकारी,आरपी साहू नेत्र सहायक, गूंजा साहू स्टॉप नर्स,जगमोहन विश्वकर्मा लैब टेक्नीशियन और भोलेशंकर कंगड़ा वाहन चालक की उपस्थिति जिला मुख्यालय में संचालित स्कूलों स्कूली बच्चों को लाने ले जाने वाले वाहनों के चालक परिचालक का स्वास्थ्य जांच किया गया।ज्ञात हो कि सुप्रीम कोर्ट कमेटी ऑन रोड सेफ्टी के दिशा निर्देश के अंतर्गत विद्यार्थियों की सुरक्षा की दृष्टि से स्कूल बसों के चालक एवम् परिचालको का स्वास्थ्य परीक्षण पुलिस लाइन ग्राउंड गरियाबंद में किया गया।

ग्राम पंचायत कपीसदा ब के सरपंच, सचिव राशि गबन करने की फिराक पर

जनपद पचायत संज्ञान न लिया तो जेब में पच जायेगा लाखो रूपये

सारंगढ़ योगेश कुर्रे (समय दर्शन)। सारंगढ़ जनपद में लाखो करोड़ों रूपये ग्राम पंचायत में गबन करने की फिराक में लगे हुये है? जनपद के अधिकारियों को कोई खबर तक नहीं और तो और चुप्पी साधे बैठे नजर आ रहे ? विकास के नाम पर अपनी निजी स्वार्थ पूरा करते नजर आ रहे पंचायत सरपंच और सचिव की मास्टरमाइंड के आगे सब फेल नजर आ रहे जनपद की तिजोरी से निकाल कर पंचायत ने अपनी तिजोरी में ले गया और अपनी तिजोरी से निकालकर निजी उपयोग कर रहे है जिस कार्यो को छः महीने पीछे पूरा जो जाना चाहिए था उसे आज छः महीने बीत जाने के बाद नही हुआ है अब तक पैसा सरपंच और सचिव की जेब में पड़ा हुआ है आखिर क्या मंशा है पंचायत का जिसने निर्माण कार्य नही किया ?

अग्रिम राशि निकालकर गबन करने की फिराक में सरपंच सचिव : आपको बता दे सारंगढ़ जनपद पंचायत अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत कपीसदा ब का है जहा

पंचायत को अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण के 7 ङ्क7 लाख रूपये के दो कार्य स्वीकृति शासन से दिया गया है जिसकी राशि निकाल पंचायत ने अपनी जेब में डाल लिया आपको बता दे लगभग 6 महीने बीतने को है लेकिन अब तक एक इंच काम नही किया गया जबकि नियम यह कहता है की जब पंचायत किसी कार्य का अग्रिम राशि निकलता है तो उसे ज्यादा से ज्यादा 3 महीने तक रख सकता है हालाकि उसे भी रखना उचित नहीं माना जाता लेकिन यहां तो कपिसदा ब पंचायत को राशि निकाले 6 महीने बीत चुके है निर्माण कार्य पर कोई ध्यान नही ?

लाखो की राशि गबन करने में लगे पंचायत कपीसदा ब : आपको बता दे कार्यो की अग्रिम राशि निकाले अगर 3 महीने से अधिक समय गुजर जाता है तो उसे अस्थाई गबन करने की श्रेणी में आता है तो इस बात से कोई शक नही की पंचायत राशि गबन करने के फिराक में नही है ग्राम पंचायत के आश्रित ग्राम ठाकुरपाली में 7 लाख रूपये का सीसी रोड जिसका लगभग 2 .80 लाख अग्रिम राशि निकाला गया और वही कपीसदा ब की बात करे तो वहां भी तालाब में सुरक्षा दिवाल के साथ पेचिंग निर्माण कार्य होना था उसका जिसकी लागत राशि 7 लाख रुपया है जिसका अग्रिम राशि 2 लाख 80 हजार की आसपास निकाला गया है इतना ही नहीं और भी अन्य मद के भी राशि निकालने की बात कही जा रही जिसकी अभी तक कोई जानकारी नहीं मिल पाया है फिलहाल 6 महीने बीतने को है लेकिन आज तलक काम में कोई ध्यान नही पैसा निकाल अपनी जेब में डाल कर राशि गबन करने की फिराक में है पंचायत ।

विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल के द्वारा डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की 133वीं जयंती मनाई गई

गरियाबंद (समय दर्शन)। विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल के द्वारा डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की 133वीं जयंती मनाई गई इस अवसर पर नगर के शिशु वाटिका में संघ एवम विश्व हिंदु परिषद के सभी कार्यकर्ता उपस्थित हुये अम्बेडकर जी के छाया चित्र पर दिप प्रजलवन एवम पुष्प चढ़ा कर कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ।बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर की जयंती पर उपस्थित नागरिकों ने बाबा साहब के जीवन दर्शन पर विस्तार से प्रकाश डाला। साथ ही डॉ. अंबेडकर के विचारों को आत्मसात करने का संकल्प लिया।बाबा साहब ने भारत के संविधान निर्माण में एक पिता की भूमिका निभाई। वे हमेशा शोषितों के लिए लड़ते रहे और जातिवाद को चुनौती देते रहे- प्रकाश निर्मलकार विश्व हिंदू परिषद के ज़िला अध्यक्ष प्रकाश निर्मलकर कहा कि हम जिस मुकाम और जगह पर आज हैं वह सब बाबा साहब डॉ भीमराव अम्बेडकर की वजह से हैं।भारत का संविधान,प्रावधान और बाबा साहेब के विचार को जन-जन तक पहुंचाने की आवश्यकता है। उन्होंने संविधान में स्वतंत्रता, समानता और भाई-चारे के प्रावधान भारत देश के हरेक व्यक्ति के लिए किया है।

बाबा साहब का प्रभाव छत्तीसगढ़ में उनके आने से पहले से था। बाबा साहब दलित शोषित का उत्थान कैसे किया जाए इस बारे में वह निरन्तर प्रयास करते रहते थे।- समाज सेवी

सत्यप्रकाश मानिकपुरी समाज सेवी सत्यप्रकाश मानिकपुरी ने कहा कि बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर के कार्यो, संघर्ष, उपलब्धि और संविधान के बारे में सबको जानकारी है। हम उनके आदर्शों को अपनाने की बात करते हैं।डॉ भीमराव अम्बेडकर ने कहा था मेरे बाद करोड़ो भीमराव अम्बेडकर होना चाहिए।लेकिन आज तक उनके आदर्शों और व्यक्तित्व तक नहीं पहुँच पाएं हैं।शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ते रहना चाहिए।हमारा पूरा संविधान डॉ भीमराव अम्बेडकर ने ड्राफ्ट किया।बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर एक समाजशास्त्री, मानवशास्त्री, अर्थशास्त्री, इतिहास और राजनीति सभी क्षेत्रों का ज्ञान था।उन्हें 9 भाषाओं का ज्ञान था एवं 32 डिग्रियां प्राप्त की। सबसे बड़ा पवित्र ग्रंथ भारतीय संविधान है और हमारे मुक्तिदाता डॉ भीमराव अम्बेडकर हैं।उनका संघर्ष और जो उन्होंने अभाव में जीवन यापन किया उससे बड़ा संघर्ष और कुछ नहीं हो सकता।उन्होंने जो त्याग किया, उससे बड़ा त्याग कोई नहीं कर सकता।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सत्य प्रकाश मानिकपुरी रूपेंद्र साहू एवं सनत जैन नयापारा उपस्थित रहे।रूपेंद्र साहू ने डॉक्टर अंबेडकर के जीवन पर प्रकाश डाला साथ ही प्रकाश निर्मलकर विहिप जिला अध्यक्ष गरियाबंद ने अपने जिले के सभी कार्यकर्ताओं को संदेश देते हुए कहा की डॉक्टर अंबेडकर पूरे मानव समाज के सच्चे पथ प्रदर्शक हैं उनके बताए हुए मार्ग पर चलना डॉक्टर अंबेडकर जी को सच्ची श्रद्धांजलि देना होगी साथ ही नगर में विहिप के कार्यकर्ताओं के द्वारा बौद्ध समाज द्वारा निकली गई शोभा यात्रा पर पुष्प वर्षा कर स्वगात किया गया।जिसमें मुख्य रूप से जिला सह संयोजक विकास शर्मा,जगत राम कश्यप,केशर निर्मलकर,राजीव रंजन संखारे,नगर मंत्री नवीन सिंहा, नगर संयोजक भीम साहू,सर्व हिंदू समाज उपस्थित रहे।

जिले के वरिष्ठजनों के घर - घर जाकर मतदान हेतु किया जा रहा जागरूक

पीला चावल एवं नारियल भेंटकर वरिष्ठ मतदाताओं का किया गया सम्मान

गरियाबंद (समय दर्शन)। लोक सभा निर्वाचन 2024 के अन्तर्गत लोगो में मतदान के प्रति जागरूक करने एवं शत-प्रतिशत मतदान करने के लिए कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी दीपक कुमार अग्रवाल के निर्देशानुसार स्वीप के नोडल तथा जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी के मार्गदर्शन में जिले में लगातार स्वीप गतिविधियों के माध्यम से मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।इसी कड़ी में आज वृद्धजन मतदाताओ के घरों पर महिला समूहों के सदस्यों एवं ऑगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने डोर-टू डोर विजिट कर मतदान के प्रति जानगरूता लाने के लिए मतदाता जागरूकता अभियान चलाकर जिले के सभी ग्रामों में 80 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के मतदाताओं को मतदान के तिथि से अवगत कराकर मतदान दिवस के दिन मतदान करने के लिए प्रेरित किया गया।आज जिले के ग्राम गायडबरी, सेन्दमुड़ा, रानीपरतेवा, मोंगरा, कोसमी, रूवाड़, फुलझर, पटपरपाली, मजरकट्टा, हरदी, चिखली,

पिपरहट्टा, देवगांव, बोडर्राबांधा, परसदाखुर्द, खुड़ियाडीह, बोईरगांव सहित अन्य गांवो में मतदाता जागरूकता रैली, घर-घर जाकर मतदान की तिथी से अवगत कराया गया। साथ ही मतदान के लिए दिवारों पर स्टिकर्स का चस्पा किया गया।इसके अलावा विभिन्न गांवों में कलश यात्रा निकाली गई।मतदाता जाकरूकता के लिए मतदाता शपथ,क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। साथ ही मतदान जागरूता के तहत 80 वर्ष से अधिक आयु वर्ग वृद्धजनों के घर-घर जाकर पीले चावल का तिलक, नारियल भेंट कर 26 अप्रैल को मतदान करने के लिए प्रेरित किया गया।इसके साथ ही मतदाता जागरूकता रैली,मतदाता शपथ ग्रामजनों के साथ लिया गया।रैली में स्व सहायता समूह की महिला आंगनवाडी कार्यकर्ताओं एवं ग्राम वासियों द्वारा अपने हाथों में लोकतन्त्र का सबसे बड़ा पर्व है,मतदान करना हम सबका फर्ज है आपका वोट आपकी ताकत,दोनो बने देश की ताकत सारा काम छोड़ दो सबसे पहले वोट दो स्लोगन लिखी तख्तियां लगाई गइ।ऐसे मतदान केन्द्र जहाँ विगत चुनावों के दौरान मतदान का प्रतिशत कम रहा विशेषकर उन क्षेत्रों में मतदान प्रतिशत में वृद्धि किये जाने हेतु रैली के साथ घर-घर जाकर स्व सहायता समूह की महिला, आंगनबाडी कार्यकर्ताओं एवं ग्रामवासियों द्वारा मतदान के प्रति जागरूक किया गया है।

दिव्यांग एवं वरिष्ठ मतदाताओं को मतदान हेतु मांग करने पर मिलेगी नि:शुल्क परिवहन सुविधा

कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी ने अधिकारियों को दिये माइक्रो प्लान बनाने के निर्देश

दुर्ग (समय दर्शन)। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी ने आज अधिकारियों की बैठक में भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों का हवाला देते हुए अवगत कराया कि जिले में मतदान दिवस 07 मई 2024 को दिव्यांग एवं 80 वर्ष से अधिक उम्र के वरिष्ठ नागरिक वर्ग के मतदाताओं को नि:शुल्क परिवहन सुविधा उपलब्ध करायी जाएगी। इसके तहत मतदान केन्द्रवार दिव्यांग एवं वरिष्ठ नागरिकों का चिन्हांकन कर ऐसे मतदाताओं के द्वारा मांग किये जाने पर मतदान दिवस को उनके आवास स्थल से मतदान केन्द्र तक लाने एवं मतदान पश्चात् उनके आवास तक छोड़ने वाहन की व्यवस्था की जाएगी।

उन्होंने अधिकारियों को व्यवस्था की बेहतर क्रियान्वयन हेतु माइक्रो प्लान बनाने के निर्देश दिये हैं। कलेक्टर सुश्री चौधरी ने अधिकारियों को सेक्टर एवं बुथवार वरिष्ठ नागरिकों की चिन्हांकित सूची तैयार करने कहा है। उन्होंने आरटीओ को मांग के अनुरूप वाहन उपलब्ध कराने टाटा मैजिक वाहन एवं स्कूलों की छोटी वाहन की व्यवस्था हेतु निर्देशित किया है। कलेक्टर ने कहा कि जिले में नगरीय निकायों के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी मतदाता रथ की व्यवस्था की जाएगी। नगरीय निकायों में ई-रिक्शा का भी उपयोग वरिष्ठ नागरिकों को मतदान केन्द्रों तक लाने ले जाने हेतु उपयोग किया जाएगा। उन्होंने सभी एआरओ से संबंधित क्षेत्र से चिन्हांकित वरिष्ठ नागरिकों की जानकारी ली और आगामी 20 अप्रैल तक योजना के अनुरूप तैयारी को अंतिम रूप देने कहा है। कलेक्टर ने कहा कि वरिष्ठ नागरिकों द्वारा मांग किये जाने पर यह सुविधा उपलब्ध करायी जाएगी। इसके लिए वे निर्वाचन ''हेल्पलाईन नंबर 1950 या जिला निर्वाचन कंट्रोल रूम के दूरभाष नंबर 0788-2210180 पर कॉल कर सकते हैं''। इसके अलावा संबंधित क्षेत्र के बीएलओ के माध्यम से नाम दर्ज करा सकते हैं। कलेक्टर ने सभी एआरओ, नगरीय निकायों के अधिकारियों एवं जनपद सीईओ को मतदाता रथ पर गंभीरतापूर्वक ध्यान देने के निर्देश दिये हैं। कलेक्टर ने मतदान केन्द्रों में छाया, कुलर, पानी, व्हील चेयर एवं अन्य सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने कहा है। मतदान दिवस किसी को भी परेशानी न हो, इस पर विशेष ध्यान दिया जाए। साथ ही बुथवार मतदान सहायक की भी व्यवस्था सुनिश्चित कर ली जाए। बैठक में एडीएम अरविन्द एक्का, नगर निगम भिलाई के आयुक्त देवेश ध्रुव, जिला पंचायत के सीईओ अश्वनी देवांगन, उप जिला निर्वाचन अधिकारी अपर कलेक्टर बी.के. दुबे, दुर्ग नगर निगम के आयुक्त लोकेश चन्द्राकर, रिसाली नगर निगम के आयुक्त सुश्री मोनिका वर्मा, नगर निगम भिलाई-3 चरौदा के आयुक्त डी. राजपूत, अपर कलेक्टर श्रीमती योगिता देवांगन एवं सभी एसडीएम और नगरीय निकाय एवं जनपद पंचायत के अधिकारी उपस्थित थे।

डाक मतमत्र का उपयोग 50 लोगों ने किया

गरियाबंद (समय दर्शन)। भारत निर्वाचन आयोग की पहल पर देश में हर चुनाव को पर्व की तरह मनाया जाता है,यही कारण है कि निर्वाचन आयोग इस बात को सुनिश्चित करना चाहता है कि हर चुनाव में ज्यादा से ज्यादा मतदान हो अर्थात कोई भी वोटर छूटे ना।लोकसभा निर्वाचन 2024 के तहत गरियाबंद जिले के अन्तर्गत आने वाले विधानसभा क्षेत्र राजिम और बिन्द्रानवागढ़ क्षेत्र में मतदान दिवस के दिन ड्यूटी करने वाले शासकीय सेवकों के लिए डाकमत पत्र सुविधा केंद्र की स्थापना पुलिस रक्षित निरीक्षक केन्द्र,शासकीय महाविद्यालय वीर सुरेन्द्र साय एवं पॉलिटेक्निक कॉलेज में किया गया था।डाक मतपत्र प्रभारी एवं गरियाबंद एसडीएम विशाल महाराणा ने बताया कि डाक मत पत्र सुविधा केंद्र के माध्यम से 50 अधिकारी-कर्मचारियां एवं पुलिस के जवानों ने अपने मताधिकार का उपयोग किया है।इस सुविधा केंद्र के मध्याम से पुलिस विभाग के जवानों,अधिकारी - कर्मचारियों ने अपने मताधिकार का उपयोग करने पहुंचे हुए थे।इस दौरान उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग द्वारा मताधिकार का उपयोग करने का अवसर दिया है। मतदान दिवस में हम अपने कर्तव्य स्थल पर उपस्थित रहेंगे इसलिए निर्वाचन कार्यालय ने डाकमत पत्र सुविधा केंद्र की व्यवस्था की है।साथ ही वे अपने डाकमत पत्र की सुविधा का लाभ लेकर मताधिकार का उपयोग करने से काफी उत्साहित नजर आ रहे थे।उन्होंने आम मतदाताओं को मतदान दिवस में घरों से बाहर निकल कर मतदान केन्द्रों में अपने बहुमूल्य मतदान का उपयोग करने की अपील भी की।

भाजपा : विकसित भारत के 4 स्तंभ पर आधारित है संकल्प पत्र, कांग्रेस : मोदी की गारंटी, सिर्फजुमला है न्याय पत्र के सामने

मोदी की गारंटी यानी गारंटी पूरा होने की गारंटी -संजय श्रीवास्तव

कांग्रेस की घोषणा पत्र में सबके लिए सबकुछ- शाहिद भाई

राजनांदगांव (समय दर्शन)। भाजपा और कांग्रेस ने आज अपने घोषणा पत्र को लेकर पत्रकारवार्ता की। दोनों ही दलों के नेताओं ने अपने दलों की घोषणाओं को सामने रखते हुए वायदों को देश का भविष्य बदलने वाला करार दिया। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि मोदी की गारंटी में बेरोजगारी, महंगाई, किसान के लिए कुछ भी नहीं है। जबकि भाजपा ने लोगों की जीवन शैली को उन्नत बनाने सहित इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट, महिला सशक्तिकरण पर जोर दिया।

गौरतलब है कि भाजपा ने रविवार को ही अपना संकल्प पत्र मोदी की गारंटी जारी किया है। दूसरी ओर कांग्रेस पहले ही अपना घोषणा पत्र जारी कर चुकी है। कांग्रेस नेताओं ने अग्निवीर योजना को कोसा है। वहीं भाजपा के घोटाले के आरोप को नकारते हुए कांग्रेस ने कहा कि भाजपा झूठ बोल रही है। महादेव एप अब भी चल रहा है क्यूंकि मोदी सरकार उसे संरक्षण दे रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने कांग्रेस की जनहितैषी योजनाओं को भी बंद कर लोगों को ठगा है। कांग्रेस ने कहा कि - न्याय पत्र के सामने मोदी की गारंटी जुमला है।

इधर, भाजपा ने अपने विजन की बात की है। संजय श्रीवास्तव ने कहा कि भारतीय लोगों की जीवन

शैली को उन्?नत बनाने के प्रयास संकल?प पत्र में साफ हैं। इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलमेंट को लेकर बड़ी तैयारियां मोदी सरकार ने की है। जीरो टॉलरेंस और भ्रष?टाचार पर सख?त कार्रवाई की साख मोदी सरकार ने बनाई है। कांग्रेस के शासन में एक रुपए का 15 पैसा ही लोगों तक पहुंचता था। लेकिन डीबीटी के माध्यम से भाजपा ने इसे पारदर्शी बनाते हुए भ्रष्टाचार पर रोक लगाई है। उन?ोंने कहा कि - जनता की महत्वाकांक्षा ही मोदी का मिशन है।

भाजपा का दावा पाईप लाईन से मिलेगी सस्ती गैस- भाजपा की ओर से प्रवक्ता संजय श्रीवास्तव, महामंत्री भरत वर्मा, जिला अध्यक्ष रमेश पटेल, संतोष अग्रवाल, भाजपा नेता सौरभ कोठारी ने मोदी की गारंटी को सामने रखा। उन्होंने कहा कि संकल्प पत्र में स?पष?ट है कि मोदी सरकार 80 करोड़ परिवारों को अगले 5 साल तक मुफ्त राशन स्कीम का फायदा देती रहेगी। 70 वर्ष से अधिक उम्र के सभी बुजुर्गों को आयुष्मान भारत योजना के दायरे में लाया जाएगा। तीन करोड़ और घर बनाए जाएंगे। घर-घर तक पाइप लाइन से सस्ती रसोई गैस पहुंचाने की गारंटी भी पीएम मोदी ने बीजेपी के मेनिफेस्टो में दी है। घोषणा पत्र में यूसीसी और 'वन नेशन वन इलेक्शन' को लेकर बड़ी गारंटी दी है। देश में वंदे भारत ट्रेनों का विस्तार किया जाएगा। तीसरा कार्यकाल मिलने पर 3 करोड़ ग्रामीण महिलाओं को लखपति बनाने की गारंटी पीएम मोदी ने बीजेपी के घोषणापत्र में दी है।

कांग्रेस ने गिनाए अपने वायदे, हर साल मिलेंगे एक लाख- कांग्रेस नेता शाहिद खान, महापौर हेमा देशमुख, युवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष जितेंद्र मुदलियार और प्रवक्ता रुपेश दुबे ने कहा कि - कांग्रेस ने देश की जनता को न्याय की 5 गारंटियां दी है। इनमें महिलाओं को प्रतिवर्ष एक लाख रुपए, 30 लाख खाली पदों पर भर्ती, सरकारी पदों और परीक्षाओं में आवेदन शुल्क समाप्त करने का वादा किया है। इसके अलावा 21 साल से कम प्रतिभाशाली और उभरते खिलाड़ियों को हर महीने 10 हजार रुपये छात्रवृत्ति, राष्ट्रीय न्यूनतम वेतन 400 प्रतिदिन करने की गारंटी दी है। कांग्रेस ने अपने न्याय पत्र में गारंटी दी है कि उसकी सरकार आने पर वह लोगों को उनके स्वास्थ्य की देखभाल के लिए 25 लाख तक के कैशलेस बीमा का राजस्थान मॉडल पूरे देश में लागू करेगी। किसानों से वादा किया है कि वह स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों के अनुसार एमएसपी की कानूनी गारंटी देगी।

बरमकेला पुलिस की अवैध शराब बड़ी कार्यवाही, तस्कर भेजा गया जेल

बरमकेला (समय दर्शन) । पुलिस अधीक्षक पुष्कर शर्मा के द्वारा जिले मे जुआ, सट्टा, अवैध शराब, गांजा बिक्री करने वाले के विरुद्ध लगातार कार्यवाही करने हेतु निर्देश करते आ रहे है की अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय एवं उप पुलिस अधीक्षक महोदय के मार्गदर्शन मे थाना प्रभारी सउनि विजय गोपाल के निर्देशन पर आज दिनांक 15 अप्रैल को हमराह स्टाफ प्रधान आर.विजय यादव आर.दिनेश चौहान मोहन पटेल के साथ नवरात्री के पर्व पर टाउन पेट्रोलिंग के दौरान मुखबीर से सुचना मिला की ग्राम डभरा से बरमकेला की ओर बिना नंबर प्लेट मेहरून कलर की स्कूटी के सामने पैर दान के पास बोरी रखे एक व्यक्ति आते दिखा जिसे कंचनपुर चौक के पास रोक कर

नाम पता पूछने पर अपना नाम राकेश कुमार सिदार पिता स्व.चुन्नीलाल सिदार उम्र 23 वर्ष सा.डभरा थाना बरमकेला का निवासी बतया स्कूटी मे रखे बोरी के बारे मे पूछने पर उसके अंदर मे रखे कच्ची महुआ शराब 15-15 लिटर का 3 पन्नी तथा गाडी के डिक्की को तलाशी लेने पर एक पन्नी मे 15 लिटर कच्ची महुआ शराब भरा मिला कुल 60 लिटर कच्ची महुआ शराब मिला जो की मौक़े पर किसी प्रकार का वैध कागजात पेश नहीं किया गया ,आरोपी राकेश सिदार के कब्जे से जप्त (1) 60 लिटर कच्ची महुआ शराब कीमती 12000 रु (2) एक स्कूटी कीमती 40000रु (3)एक ओप्पो मोबाइल कीमती 5000 रु को जप्त कर धारा 34(2)59(क)आबकारी एक्ट के तहत गिरफ्तार कर 15 अप्रैल को न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है।

संक्षिप्त-खबर

अवैध कच्ची शराब पर बसना पुलिस की कार्यवाही

बसना (समय दर्शन)। 13 अप्रैल को मुखबीर से सूचना प्राप्त हुआ कि, उडिसा की ओर से एक एक्टिवा स्कूटी वाहन से अवैध रूप से एक व्यक्ति हाथ भट्ठी महुआ शराब परिवहन कर ला रहा है कि, सूचना पर से मय गवाहान बताये गये जगह पर रवाना होकर घेराबंदी कर एक्टिवा स्कूटी वाहन को रोककर पूछताछ कर उनका नाम पता पूछने पर उन्होने ने अपना नाम राजू राम डडसेना, पिता- लंबोदर डडसेना, उम्र-28 वर्ष, निवासी- वार्ड नंबर 11 अरेकेल, थाना-बसना, जिला- महासमुंद छ0ग0 का होना बताया। तलाशी लेने पर उनके कब्जे से एक प्लास्टिक बोरी के अंदर सफेद झिल्ली के अंदर करीबन 20 लीटर महुआ शराब कीमती 4000 रूपये को बिक्री हेतु परिवहन करना बताया। जिसे विधिवत गवाहो के समक्ष बरामद कर जप्त कर सीलबंद किया गया । आरोपी के विरूद्ध अपराध धारा 34(2) आबकारी एक्ट कायम कर आरोपी को गिरफ्तार कर ज्यूडिसियल रिमांड पर माननीय न्यायालय पेश किया गया । गिरफ्तार आरोपी का नाम राजू राम डडसेना, पिता- लंबोदर डडसेना, उम्र -28 वर्ष, निवासी- वार्ड नंबर 11 अरेकेल, थाना-बसना, जिला- महासमुंद (छ0ग0)जप्त संपत्ती (01)एक प्लास्टिक बोरी के अंदर सफेद झिल्ली में भरी हुई करीबन 20 लीटर हाथ भट्ठी महुआ शराब कीमती 4000 रूपये । (02) एक सफेद कलर के एक्टिवा स्कूटी वाहन क्रमांक ष्ट-06,कीमती 70,000 रूपये। कुल जुमला कीमती 74,000 रूपये। संपूर्ण कार्यवाही थाना प्रभारी शशांक पौराणिक के मार्ग दर्शन में बसना पुलिस द्वारा किया गया है।

विश्व हिन्दू परिषद का जिला स्तरीय बैठक सम्पन्न

बसना महासमुन्द (समय दर्शन)। महासमुन्द जिला अंतर्गत बसना विधानसभा के पिथौरा नगर स्थित उजाला पैलेस मे 14 अप्रैल 2024 को विश्व हिन्दू परिषद जिलाध्यक्ष सौरव अग्रवाल व बसंत देवता के नेतृत्व में जिला स्तरीय बैठक सम्पन्न हुआ । रविवार को आयोजित विश्व हिन्दू परिषद की बैठक में अनुसान्गिक संगठन के स्वयं सेवकों के साथ बजरंग दल, मातृ शक्ति, दुर्गा वाहिनी,गौ सेवक बंधु भगिनी बडी संख्या में सम्मिलित हुए। बैठक मे ऊर्जावान कार्यकर्ताओं को दायित्व दिया गया।

दायित्व इस प्रकार है - जिसमें रमेश कर पूर्व प्राचार्य को जिला सह विशेष सम्पर्क प्रमुख, आनंद विलास दास को जिला कार्यकारिणी सदस्य, विद्याचरण पटेल को कार्यकारी अध्यक्ष बसना प्रखण्ड, कृष्णा साहू बसना प्रखण्ड उपाध्यक्ष, सांवर अग्रवाल बसना प्रखण्ड उपाध्यक्ष, डॉ. अरुणा अग्रवाल मातृ शक्ति संयोजिका, श्रीमति सुजाता प्रधान सह संयोजिका, श्रीमति हिमानी डडसेना सह संयोजिका , अभय धृतलहरे जिला प्रचार प्रसार प्रमुख, चंद्रभान साहू साप्ताहिक मिलन प्रमुख, किशोर कुमार रथ को सरायपाली प्रखंड ग्रामीण अध्यक्ष, उपेन्द्र देवता को बसना प्रखंड उपाध्यक्ष, भूपेन्द्र कुमार शर्मा को बसना प्रखंड सह मंत्री, एवं दीपक पंडा को सुरक्षा प्रमुख का दायित्व दिया गया। बजरंग दल बसना प्रखंड श्रीमती शांति मिश्रा को मातृ शक्ति संयोजिका सरायपाली प्रखण्ड का दायित्व दिया गया । आशा है कि, सभी ऊर्जावान कार्यकर्ताओं से हमारे सनातन धर्म के कार्यो को नित नये गति एवं दिशा मिलेगी । विश्व हिन्दू परिषद जिला व शीर्ष नेतृत्व ने सभी नव नियुक्त पदाधिकारियों को बधाई व साधुवाद प्रेषित की है।

श्रीकृष्ण की अष्ट धातु से मूर्ति निर्माण को लेकर ठेठवार यादव समाज में है उत्साह

- समाज के प्रांतीय युवा प्रकोष्ठ की बैठक में लिए गए कई अहम निर्णय, रायपुर में जुटे समाज के लोग

रायपुर (समय दर्शन)। प्रांतीय युवा प्रकोष्ठ यादव ठेठवार समाज का मासिक बैठक रायपुर राज मुख्यालय ठेठवार भवन रायपुरा में आयोजित हुई।। बैठक का शुभारंभ भगवान श्री कृष्ण जी की तैल चित्र पर माल्यार्पण व आरती गायन के साथ किया गया।।

प्रदेश महासचिव नरोत्तम यदु ने बैठक के उद्देश्य व अष्टधातु से श्री कृष्ण की मूर्ति निर्माण हेतु कार्ययोजना को विस्तार से बताया। इसके बाद समाज के लोगो ने क्रमश: अपने अपने विचार रखे। रामसिंह यादव, परमानंद यादव संतोष यदु, बसंत यदु विमल यदु हरिराम यदु , भोजराम अहीर,भगत,एवं सामाजिक जनों ने अपना - अपना विचार रखे। नागेश यदु प्रदेश उपाध्यक्ष ने बैठक की बिंदुओं को रखते हुए विचार आमंत्रित कर सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किये। जिसमें निम्न प्रस्ताव पारित किया गया। यादव ठेठवार समाज महासभा का शताब्दी वर्ष 2026 में पूर्ण होने जा रहा है। शताब्दी वर्ष को ऐतिहासिक बनाने श्री कृष्ण भगवान की अष्टधातु से मूर्ति निर्माण कर स्थापना करने हेतु प्रस्ताव पारित किया गया है। महासभा मुख्य कार्यकारी, महिला प्रकोष्ठ, युवा प्रकोष्ठ की संयुक्त बैठक आयोजित कर संचालन समिति गठित करने का निर्णय लिया गया है।प्रत्येक परिवार के सभी सदस्यों से अष्ट धातु दान लेने का निर्णय लिया गया। अष्ट धातु मूर्ति निर्माण हेतु समर्पण राशि एकत्रित करने प्रांतीय युवा प्रकोष्ठ के खाते में राशि जमा करने प्रस्ताव पारित किया गया। अष्ट धातु का संग्रहण कर गाँव से पार, पार से राज और राज से प्रदेश स्तर तक पहुंचाने का निर्णय लिया गया।प्रत्येक राज पार मे जन जागरण जागरुकता अभियान हेतु प्रवास समिति बनाया जायेगा। अष्टधातु संग्रहण पूर्व बैठक में लिए प्रस्ताव अनुसार चैत्र नवरात्र पर 09 अप्रैल 2024 से प्रारंभ किया जा चुका है। अंतिम तिथि 15 जून 2024 तक राज पार जिला ईकाईयों द्वारा धातु संग्रहित कर प्रांतीय युवा प्रकोष्ठ यादव ठेठवार समाज महासभा को धातु समर्पण करने की अंतिम तिथि 07 जुलाई 2024 रथयात्रा को निर्धारित किया गया है। आगामी बैठक 19 मई दिन रविवार को प्रदेश मुख्यालय राजिम में गुलेन्द्र यादव प्रदेश अध्यक्ष महासभा के सहमति से महासभा कार्यकारिणी , महिला प्रकोष्ठ,प्रांतीय युवा प्रकोष्ठ की संयुक्त बैठक आयोजित करने का निर्णय लिया गया है।उक्त बैठक में रामसिंह यादव प्रदेश संरक्षक , बलराम यादव प्रदेश सलाहकार,परमानंद यादव प्रदेश अध्यक्ष, नरोत्तम यदु प्रदेश महासचिव, नागेश यदु प्रदेश उपाध्यक्ष,संतोष यदु रायपुर राज अध्यक्ष,रामजीवन, बसंत यदु प्रदेश संगठन मंत्री, यदु ,विमल यदु प्रदेश संगठन मंत्री, शशिकांत यदु प्रदेश मीडिया प्रभारी, पुरुषोत्तम अहिर प्रदेश प्रचार मंत्री, हरीराम यदु, ओमप्रकाश यादव अध्यक्ष अंबागढ़ चौकी राज,डा ईतवारी यदु अध्यक्ष तेंदुआ पार, भोजराम अहीर कोषाध्यक्ष गुड़ा राज ,अमित अहिर अध्यक्ष गुड़ा राज ,हीरा राम यदु अध्यक्ष बेलर पार,बसंत यदु अंबागढ़ चौकी राज, तेजराम यादव अध्यक्ष सिरपुर राज,सुनील यदु,बंशी लाल यदु, कोषाध्यक्ष रायपुर राज, यशवंत यादव सहसचिव रायपुर राज, चंदन , शोभाराम यादव धमतरी राज, ह्रदय राम यादव सभापति रायपुर राज,प्रवीण यदु कोषाध्यक्ष महानगर इकाई रायपुर, राजेश यादव सचिव कवर्धा राज,पवन यदु उपाध्यक्ष कवर्धा राज, हरिशचंद्र, भागीरथी, राज कुमार, हरिशंकर अहिर,अशोक यादव कोषाध्यक्ष भेलवाडीह पार,रुपेश यादव अध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ महानगर इकाई रायपुर,भगत यदु,राविंदर सोजराम मुकेश आचार्य,सहित सामाजिक जन उपस्थित थे। उक्त जानकारी प्रदेश मीडिया प्रभारी शशिकांत यदु ने दी है।

बसना के पूर्व विधायक देवेंद्र बहादुर सिह ने अनेक ग्रामों में किया जनसंपर्क

बसना (समय दर्शन)। बसना विधानसभा क्षेत्रान्तर्गत मे महासमुंद लोकसभा के कांग्रेस प्रत्याशी ताम्रध्वज साहू के लिए बसना विधानसभा जनसम्पर्क किया । जिसमें प्रमुख ग्राम पंचायत डिगेपूर,बरेकेलखुर्द, कौडिया, कौड़ियापारा, बिरहाडीपी ,पिलवापाल, शांतिनगर, सुखपाली, लेंगड़ीडीपा, अमोदीडीह, गिरना, गिरनापारा, कोड़ाडीपा मे चुनाव प्रचार किया। जनता को संबोधित करते हुए जनता से आने वाले लोकसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी को भारी मतों से विजय बनाने के लिए अपील किया। इस दौरान प्रमुख रूप से इस कार्यक्रम में जनपद पंचायत पिथौरा के उपाध्यक्ष मुकेश यादव अजय नंद, ठाकुर अनंत सिंह वर्मा, सुदर्शन मुन्ना ,नरेंद्र सेन , काशीराम शर्मा, युवा कांग्रेस के बसना विधानसभा अध्यक्ष कौशल रोहिल्ला, दिनेश नामदेव, ज्योतिष अग्रवाल , विकास शर्मा, कनक तिवारी, शिवम बारीक, शिवा बरिहा, देवराज बरिहा, भोजराज पटेल ,योगेश बारीक, राकेश ठाकुर, दीपक श्रीवास आदि कांग्रेस पार्टी के नेता एवं कार्यकर्ता एवं युवा कांग्रेस के कार्यकर्ता गण उपस्थित थे।

भाजपा कार्यकर्ता केन्द्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजना को लेकर आम लोगो तक पहुँच रहे

बसना (समय दर्शन)। आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर बसना विधानसभा के भाजपा मंडल बसना के तत्वावधान में स्थानीय बाजार में नरेन्द्री मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने एवं बसना क्षेत्र की बेटी रूपकुमारी चौधरी को महासमुन्द लोकसभा मे प्रचण्ड मतों से जिताने की अपील के साथ जनता जनार्दन तक पहुँचकर जनसंपर्क कर रहे हैं । बाजार में 400पार का नारा लगाते हुए यह संकल्प के साथ लोकसभा चुनाव को लेकर कार्यकर्ता एवम ग्रामीणजनो के साथ यशस्वी प्रधान मंत्री मोदी जी व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को बताते हुए लोकसभा प्रत्याशी रूपकुमारी चौधरी को प्रचंड मतों से विजयी बनाकर केंद्र में मोदी सरकार को 400 प्लस का लक्ष्य पूरा करते हुए देश को और भी समृद्ध व शक्तिशाली बनाने में अपने वोट के महत्व को समझते हुए मतदान करने एवम मतदान करवाने के लिए प्रेरित कर स्थानीय बाजार में प्रचार प्रसार किया गया। जिसमें विशेष रुप से बसना नगर पंचायत के पार्षद महेंद्र सिंह अरोरा पींटू पुर्व पार्षद रणबीर सिंह छाबड़ा , भाजपा ओबीसी मोर्चा मण्डल अध्यक्ष प्रदीप दास राजन अधिवक्ता ,युवा नेता दीपक शर्मा एवं समाज सेवी डॉ.गिरधारी लाल डडसेना एवं ओबीसी मोर्चा मण्डल मिडिया प्रभारी उमेश बंजारा उपस्थित थे।

कोलता समाज सम्मेलन में शामिल हुए विधायक एवं लोकसभा प्रत्याशी रूपकुमारी चौधरी

बसना(समय दर्शन)। शनिवार को बसना में आयोजित कोलता समाज सम्मेलन में विधायक डॉ सम्पत अग्रवाल, लोकसभा प्रत्याशी श्रीमती रुपकुमारी चौधरी एवं कोलता समाज के प्रमुख पदाधिकारियों सहित सैकड़ों की संख्या में लोग शामिल हुए। सर्वप्रथम श्री रणेश्वर रामचण्डी माता जी की पूजा अर्चना कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। सभा को सम्बोधित करते हुए विधायक डॉ सम्पत अग्रवाल एवं लोकसभा प्रत्याशी श्रीमती रुपकुमारी चौधरी ने लोकसभा चुनाव में नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने के लिए भाजपा के कमल फूल छाप पर मतदान करने की अपील करते मोदी सरकार के सभी जनकल्याणकारी योजनाओं को बताये और कहा कि, लगातार भाजपा परिवार में लोग अधिक से अधिक संख्या में शामिल हो रहे हैं,, इससे ये साबित होता है कि, लोग प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने के लिए संकल्पित है। भाजपा में छोटे से छोटे और बड़े से बड़े कार्यकर्ता को एक समान सम्मान प्राप्त होता है। हर एक कार्यकर्ता भाजपा परिवार का प्रमुख सदस्य होता है।सम्मेलन में शामिल सभी लोगों ने एक स्वर में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अबकी बार 400 पार को पूरा करने के साथ छत्तीसगढ़ के सभी 11 सीटों पर कमल खिलाकर नरेन्द्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने का संकल्प लिया। इस मौके पर विधानसभा प्रभारी अमरजीत सिंह छाबड़ा, विधानसभा संयोजक डॉ.एनके अग्रवाल, समाज महामंत्री मथामणी बढ़ाई, संभागीय सदस्य लक्ष्मण प्रधान, आंचलिक उपाध्यक्ष अमित साहू, सभापतिगण त्रिलोचन भोई, नवीन साहू, रसिक प्रधान, विनोद बारीक,हजारु प्रधान, परमानंद प्रधान, अशोक साहू, खेमराज साहू, संजय भोई, गोविंद प्रधान, मण्डल अध्यक्ष कृष्ण कुमार साहू, विश्वनाथ प्रधान, पूर्व सभापति थबीर साहू, पूर्व आंचलिक महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष बसंती प्रधान, उपसभापति केतब बारिक, आंचलिक सचिव लक्ष्मीनारायण भोई, नरोत्तम साहू, गोकुलानंद प्रधान, रमेश भोई संजय प्रधान सहित बड़ी संख्या में समाजजन मौजूद रहे।

बच्चों की नि:शुल्क सर्जरी शिविर 18 को अग्रवाल नर्सिंग होम बसना मे

बसना (समय दर्शन)। महासमुन्द जिले में सेवा भावी हास्पीटल के नाम से जाना जाने वाला अस्पताल अग्रवाल नर्सिंग होम में 18 अप्रैल 2024 को नवजात शिशु एवं बच्चों का नि:शुल्क सर्जरी शिविर का आयोजन किया गया है। शिविर में बच्चों से संबंधित ऑपरेशन जैसे सर का बड़ा होना, उंगलियों का जुड़ा होना, तालु व होंठ का फटा होना, जीप की सुतली, शरीर में गठान, अंडकोष में सूजन, अंडकोष एवं जांघ के आसपास में सूजन, हर्निया, अनडेसेंडेंट टेस्टिस, गोटी का ऊपर होना, जन्मजात मलद्वार एवं पेशाब रास्ते के विकार, खतना, अपेंडिक्स, पेट में सूजन, ट्यूमर, गले या पीठ में गठान इत्यादि ऑपरेशन के लिए सुबह 10 बजे से अग्रवाल नर्सिंग होम में डॉ. रितेश रंजन एमबीबीएस, एमसीएच उपलब्ध रहेंगे। आयुष्मान कार्ड एवं बीजू कार्ड द्वारा नि:शुल्क ऑपरेशन की सुविधा उपलब्ध है। इसमें मरीज एवं परिजन का रूकना, खाना, दवाइयां जांच ऑपरेशन पूरी तरह कैशलेस अर्थात नि:शुल्क रहेगा। अस्पताल प्रबंधन से मिलने वाली अन्य सुविधाओं व उत्तम इलाज करलाने के इच्छुक परिजन अपनी रिपोर्ट के साथ 16 अप्रैल को अग्रवाल नर्सिंग होम बसना में भर्ती हो सकते हैं। अग्रिम पंजीयन हेतु 8461811000, 7773086100 पर संपर्क कर सकते हैं।

बालसी में संविधान निर्माता डॉ भीमराव अंबेडकर की जयंती बड़े ही धूमधाम से मनाई गई

सरायपाली (समय दर्शन)। प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी डॉ भीमराव अंबेडकर जी की जयंती बड़े धूमधाम से मनाई गई जिसमें ग्रामवासियों का भरपूर सहयोग मिला। कार्यक्रम शुरू होने से पहले संविधान निर्माता का जीवन परिचय और उनकी पढाई के बारे में बच्चों को बताया की डॉ भीमराव अंबेडकर जी का पूरा जीवन संघर्षों में बिता है, कार्यक्रम के शुरू में संविधान की प्रस्तावना को पढ़ा और डॉ भीमराव अंबेडकर के फोटो पर फूलमाला चढ़ाये साथ ही सभी बच्चों को उनके संघर्षों से भरे जीवन के बारे में बताया और सभी बच्चों में संकल्प लिया कि शिक्षा को ही अपने जीवन का आधार बनाएंगे। दौलत प्रसाद रात्रे वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता ने ग्रामवासियों और विद्यार्थियों को जयंती की बधाई देते हुए बताया कि सामाजिक न्याय के अग्र दूत डॉ भीमराव अंबेडकर ने अपने देश को विश्व का सर्वश्रेष्ठ संविधान दिया। विद्यार्थियों को खूब पढ़ने की सलाह दी और शिक्षा ही जीवन का आधार बनाने को बोला। विद्यर्थियों को शिक्षा लेने के लिए प्रेरित किया। इसके उपरांत जवाहर लहरे अध्यक्ष

युवा प्रकोष्ठ महासमुंद के द्वारा भारतीय संविधान के द्वारा प्रदत्त अधिकारों की जानकारी प्रदान किया गया ।डिजेन्द्र कुर्रे कोहिनूर के द्वारा गीत गाकर गीत के माध्यम से जानकारी दी।,बालसी में कार्यक्रम का आयोजन ग्रामवासी एवं इंडियन सतनामी समाज ऑर्गेनाइजेशन के माध्यम से आयोजित हुआ ।जिसमे दिन रात कार्यक्रम को सफ्ल बनाने में लगे दौलत प्रसाद रात्रे जिला अध्यक्ष सतनामी समाज, रेशमलाल प्रधान उपसरपंच,जवाहर लहरे जिला अध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ,टेकलाल खूंटे ब्लाक अध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ,लक्ष्मण प्रधान,प्रेमकुमार साहू,नवीन चौहान,भजन भोई, जितेंद सिदार,राजू यादव,चंदन रात्रे,संजय बारीक,नरेंद्र रात्रे,धनपत प्रधान,रजनीकांत रात्रे,अरविंद नायक, रतन रात्रे,निरालाल रात्रे, जोगेंदर रात्रे,धनु रात्रे,जगत रात्रे,सत्यकुमार रात्रे,राजेश खूंटे,भरत रात्रे,गणपति रात्रे,हरिकिशन रात्रे,बिसीराम,धनेस अजीत सुनील धीरज कौशल जयकिशन बसंत आशीस हेमलाल लकपति जसमन प्रेमसागर एवं सर्व समाज के महिला पुरूष उपस्थिथ रहें आयोजक समिति ने कार्यक्रम को सफ्ल बनाने में सहयोग प्रदान किए अधिकारी कर्मचारी ग्रामवासी,संत समाज,को धन्यवाद ज्ञापित किया है। इस कार्यक्रम का सफ्ल संचालन युवा कवि डिजेन्द्र कुर्रे के द्वारा किया गया।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर,
समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26